RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 3 अंक 288
फरीदाबाद, सोमवार, 30 नवंबर, 2020
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

गुरूपुरब दी लख-लख बधाइयां

कोरोना मीटर

विश्व

कुल	62,387,797
मौतें	1,454,979
ठीक	39,945,780

भारत

कुल	94,17,963
मौतें	137,028
ठीक	88,30,496

स्रोत: www.covid19india.org

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 24.07°C
न्यूनतम 10.03°C

क्विक न्यूज

देश के सभी रेलवे स्टेशनों पर केवल कुल्हड़ में चाय

नई दिल्ली। देश के सभी रेलवे स्टेशनों पर जल्द ही प्लास्टिक के कप नदारद हो जाएंगे। इनकी जगह अब कुल्हड़ में ही चाय मिलती दिखेगी। रेलमंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को इसकी घोषणा की है। रेलमंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अब देश के हर रेलवे स्टेशन पर चाय प्लास्टिक कप के बजाय इको फ्रेंडली कुल्हड़ों में बेची जाएगी। गोयल राजस्थान के अलवर जिले में ढीगवाड़ा रेलवे स्टेशन पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

जाति आधरित प्रकोष्ठ के पक्ष में नहीं हूं : गडकरी

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नीतिन गडकरी ने रविवार को कहा कि वह किसी भी राजनीतिक दल में जाति, धर्म अथवा समुदाय आधारित प्रकोष्ठ के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इन कारकों की तुलना में प्रतिभा अधिक महत्वपूर्ण है। गडकरी राजनीतिक दलों में विभिन्न जातियों एवं समुदायों का प्रतिनिधित्व करने के लिए बने अलग-अलग प्रकोष्ठों का हवाला दे रहे थे। पूर्वी विदर्भ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार संदीप जोशी के पक्ष में गडकरी रैली को संबोधित कर रहे थे।

धर्म परिवर्तन करने के लिए मजबूर किया : कमलरुख

मुंबई। दिवंगत संगीतकार वाजिद खान की पत्नी कमलरुख खान ने दावा किया है कि इस्लाम स्वीकार करने से इंकार करने पर उनके सास-ससुर ने उन्हें भयभीत करने की रणनीति अपनाते हुए अलग-थलग करने की कोशिश की। संगीतकार साजिद-वाजिद की जोड़ी के वाजिद खान का जून में निधन हो गया था। इंस्टाग्राम के असत्यापित खाते के जरिए अपना अनुभव साझा करते हुए कमलरुख ने कहा कि वह पारसी हैं। संगीतकार के साथ विशेष विवाह अधिनियम के तहत शादी की थी।

तस्करों से एक करोड़ रुपये के कछुए बरामद

सैफई। तस्करी करके बंगाल ले जा रहे 2581 जीवित कछुए पुलिस ने पकड़ लिए। बोरी में भरकर चोरी छुपे ले जाए जा रहे इन कछुओं की बाजार में कीमत लगभग एक करोड़ बताई जा रही है। पुलिस ने कछुआ ले जाने वाले पांच तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। एसएसपी ने पुलिस टीम को 25 हजार रुपये पुरुस्कार की घोषणा की। शनिवार रात को सैफई पुलिस वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान जब इन्हें पकड़ा, तब ये मामला खुला।

कोरोना वैक्सीन पर कंट्रोवर्सी

वॉलंटियर ने कोवीशील्ड लेने के बाद मांगा 5 करोड़ हर्जाना

एजेंसी। नई दिल्ली

कोरोना की वैक्सीन कोवीशील्ड पर गंभीर साइड इफेक्ट होने का आरोप लगा है। चेन्नई में ट्रायल के दौरान वैक्सीन लगवाने वाले एक 40 साल के वॉलंटियर ने यह आरोप लगाया है। कहा कि वैक्सीन का डोज लेने के बाद से उसे दिमाग से जुड़ी परेशानी (न्यूरोलाजिकल) शुरू हो गई हैं। वॉलंटियर ने इसके लिए सीरम इंस्टीट्यूट से पांच करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है।

वॉलंटियर ने सीरम इंस्टीट्यूट के साथ इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर), ब्रिटेन की एस्ट्राजेनेका, ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई), ऑक्सफोर्ड वैक्सीन ट्रायल के चीफ इन्वेस्टीगेटर एंड्र पोलार्ड, यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड के द जेनर इंस्टीट्यूट ऑफ लेबोरेटरीज और रामचंद्र हायर एजुकेशन एंड रिसर्च के वाइस चांसलर को कानूनी नोटिस भेजा है। वॉलंटियर के एडवोकेट एनजीआर प्रसाद ने बताया कि कंपनी को 21 नवंबर को नोटिस भेजा था। अभी तक किसी का जवाब नहीं आया है।

पुणे-बेस्ड सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कोवीशील्ड बना रहा है। कोवीशील्ड को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने मिलकर बनाया है। यह वैक्सीन इस समय भारत में आखिरी स्टेज के ट्रायल में है। शनिवार को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीरम इंस्टीट्यूट जाकर वैक्सीन के तैयार होने का जायजा लिया था।

जनवरी से हर माह बनेंगे 5-6 करोड़ वैक्सीन

कोवीशील्ड के अंतिम फेज के ट्रायल्स दो तरह से किए गए हैं। पहले में दावा किया गया कि यह 62 फीसद असरदार दिखी, जबकि दूसरे में 90 फीसद से ज्यादा। औसत देखें तो इफेक्टिवनेस 70 फीसद के आसपास रही है। सीरम के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुरेश जाधव ने हाल ही में दावा किया था कि वैक्सीन का प्रोडक्शन शुरू कर दिया है। जनवरी से हर महीने 5-6 करोड़ वैक्सीन बनाने लगेंगे। सरकार से परमिशन मिलने पर सप्लाई शुरू कर दी जाएगी।

मरीजों का आंकड़ा 93.94 लाख: देश में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 93,94,039 हो गया है। इनमें 45,2996 मरीजों का इलाज चल रहा है, जबकि 88,01,161 लोग ठीक हो चुके हैं। संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या अब 136,733 हो गई है।

आईईडी ब्लॉस्ट में असिस्टेंट कमांडेंट नितिन भालेराव शहीद

एजेंसी। सुकमा

छत्तीसगढ़ के सुकमा में शनिवार रात आईईडी ब्लास्ट में कोबरा बटालियन के असिस्टेंट कमांडेंट नितिन भालेराव शहीद हो गए। सेकेंड इन कमांड दिनेश सिंह सहित 9 जवान घायल हैं। इनमें से 7 को उपचार के लिए रायपुर के रामकृष्ण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 4 जवानों की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं 2 जवानों का इलाज सुकमा स्थित कैंप में ही चल रहा है। वारदात चिंतागुफा क्षेत्र में हुई।

चिंतलनार, बुरकापाल और चिंतागुफा बेस कैंप से कोबरा, एसटीएफ और डीआरजी के जवान एंटी नक्सल ऑपरेशन पर चिंतागुफा क्षेत्र पहुंचे थे। रात करीब 8.30 बजे अरबराज मेट्टा पहाड़ियों के पास आईईडी ब्लास्ट हुआ। इसकी चपेट में आकर कोबरा 206वीं बटालियन के सेकेंड इन कमांड दिनेश सिंह और असिस्टेंट कमांडेंट नितिन भालेराव सहित 10 जवान घायल हो गए। घटना के बाद सभी घायलों को चिंतलनार फील्ड अस्पताल पहुंचाया गया। देर रात इन्हें रायपुर रेफर किया गया। बाद में इलाज के दौरान नितिन शहीद हो गए। वह मूल रूप से महाराष्ट्र के नासिक के रहने वाले थे।

शाह की शर्त किसानों को नामंजूर: कहा, पांच रास्तों पर घेरेंगे दिल्ली

हमारे पास चार महीने का राशन, ट्रालियां हमारा घर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सिंघु और टीकरी बॉर्डर पर किसान प्रदर्शन जारी है। रविवार को किसान संगठनों ने बैठक की। इसके बाद उन्होंने ऐलान किया कि हमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की शर्त मंजूर नहीं है। हम बुराड़ी में कैद होने नहीं जाएंगे। हमने निर्णय लिया है कि हम पांच रास्तों पर धरना देंगे और दिल्ली को घेरेंगे। किसान नेताओं ने कहा कि हमारे पास चार महीने का राशन है। हमारी ट्रालियां घर जैसी ही हैं। किसान नेताओं ने कहा कि यदि सरकार आंदोलन को बढ़ाना चाहती है, तो हम तैयार हैं। हम यही डटे हैं।

इसी बीच किसान नेता बलदेव सिंह सिरसा ने कहा कि सरकार ने यह शर्त रखी थी कि हम हाईवे खाली कर बुराड़ी जाएं। शर्त अपमानजनक है। हम बुराड़ी मैदान में नहीं जाएंगे, क्योंकि वह ओपन जेल है। इसका सबूत भी है हमारे पास। उत्तराखंड के तेजिंदर सिंह विर्क की अगुआई में किसान दिल्ली के जंतर-मंतर जाना चाहते थे। दिल्ली के प्रशासन और पुलिस ने उनके साथ धोखा किया। उन्हें जंतर-मंतर न ले जाकर बुराड़ी पार्क में कैद कर दिया। सिरसा ने कहा, हम ओपन जेल में जाने की बजाय हम सोनीपत, रोहतक के बहत्तर गढ़, जयपुर से दिल्ली हाईवे, मथुरा-आगरा से दिल्ली हाईवे, गाजियाबाद से आने वाला हाईवे जाम करेंगे और दिल्ली की घेराबंदी करेंगे। पांच प्वाइंट पर हम धरना देंगे। किसान आंदोलन के कारण हाईवे का नजारा मिनी पंजाब जैसा हो गया है। ट्रालियों को ही किसानों ने घर बना लिया है। यहीं खाना बन रहा है तो यहीं नहाने और कपड़े धोने का इंतजाम है। जगह-जगह लंगर लगे हैं। धरने वाले धरने पर बैठे हैं। खाना बनाने वाले खाना बना रहे हैं। सभी को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है।

किसानों ने कहा कि हमने एक कमेटी बनाई है। यही पांचों प्वाइंट पर धरने-प्रदर्शन का संचालन करेगी। किसी भी राजनीतिक दल को स्टेज पर बोलने की इजाजत नहीं है। कांग्रेस, आप या कोई भी राजनीतिक दल के लोग हमारे स्टेज पर स्पीकर के तौर पर नहीं बोलेंगे। इनके अलावा दूसरे संगठनों के लोगों को भी, जो संचालन कमेटी के तय नियमों को मानेंगे, सिर्फ उन्हें बोलने की इजाजत दी जाएगी।

निरंकारी मैदान से वापस बुलाएंगे

इसके साथ ही किसानों ने यह भी कहा कि वे बुराड़ी में मौजूद अपने साथियों को वापस बुलाएंगे। बुराड़ी में किसानों का एक ग्रुप पहले से ही डेरा डाले हुए है। इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि किसान बुराड़ी मैदान पर इकट्ठे हों। इसके बाद उनसे बात की जाएगी। किसान संगठन पहले ही कह चुके हैं कि वे दिल्ली घेरने आए हैं, न कि दिल्ली में घिर जाने के लिए। बता दें, यूनियन होम सेक्रेटरी अजय भल्ला ने पंजाब के 32 किसान यूनियनों को जल्दी बातचीत के लिए दिल्ली के बुराड़ी बुलाया था। उन्होंने बताया कि जैसे ही किसान बुराड़ी शिफ्ट होंगे, अगले ही दिन भारत सरकार विज्ञान भवन में किसानों के प्रतिनिधिमंडल और मंत्रियों के बीच चर्चा के लिए तैयार है। इससे पहले, गृहमंत्री शाह ने शनिवार को कहा था कि सरकार बातचीत के लिए तय दिन 3 दिसंबर से पहले भी किसानों से बातचीत के लिए तैयार है।

कार में सो रहे प्रदर्शनकारी की मौत

किसानों के काफिले में एक हादसा हो गया। शनिवार देर रात आंदोलन में शामिल एक कार में आग लगने से गाड़ी में सो रहे एक बुजुर्ग की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग किसान ट्रैक्टर मिस्त्री था और आंदोलन में शामिल किसानों को फ्री में सर्विस दे रहा था। मृतक की पहचान 65 साल के ट्रैक्टर मिस्त्री जनकराज के रूप में हुई है। वह पंजाब के बरनाला जिले के धनोला गांव का रहने वाला था।

दिल्ली से आने-जाने वाले मुसाफिर परेशान : किसानों के आंदोलन के कारण दिल्ली से दूसरे राज्यों में जाने वाले लोग परेशान हैं। दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर नाकेबंदी और भारी सिक्योरिटी के कारण उन्हें कोई साधन नहीं मिल रहा है। इस वजह से उन्हें पैदल ही जाना पड़ रहा है।

राउत ने मोदी सरकार को लिया आड़े हाथ

किसानों को रोकने के लिए ताकत के इस्तेमाल पर शिवसेना ने सरकार को आड़े हाथ लिया है। पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि जिस तरह से किसानों को दिल्ली में घुसने से रोका गया है, ऐसा लग रहा है कि जैसे वे इस देश के हैं ही नहीं। उनके साथ आतंकवादियों जैसा बर्ताव किया गया है। वे सिख हैं और पंजाब-हरियाणा से आए हैं, इसलिए उन्हें खालिस्तानी कहा जा रहा है। यह किसानों का अपमान है।

'किसानों का प्रदर्शन कांग्रेस की साजिश'

यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को किसानों से अपना विरोध वापस लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन कांग्रेस की रची साजिश के अलावा कुछ नहीं है। एक किसान का बेटा होने के नाते, मैं देश और उत्तर प्रदेश के किसानों से कहना चाहता हूं कि कांग्रेस आपकी भावनाओं के साथ खेल रही है।

निजाम संस्कृति से दिलाएंगे मुक्ति बनाएंगे नया मिनी इंडिया : शाह

एजेंसी। हैदराबाद

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम का चुनाव राष्ट्रीय राजनीति का केंद्र बन चुका है। भाजपा यहां चुनाव जीतकर सियासी बढ़त हासिल करना चाहती है। इसके लिए भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में गृहमंत्री अमित शाह हैदराबाद पहुंचे। उन्होंने यहां रविवार को रोड शो करके भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि इस बार हैदराबाद का मेयर भाजपा का ही होगा और पार्टी बहुमत हासिल करेगी।

उन्होंने कहा कि आज यहां कोई भी गरीब बीमार होता है, तो उसे मुफ्त इलाज का लाभ नहीं मिलता, क्या बिगाड़ा है यहां के गरीबों ने? हम हैदराबाद को नवाब, निजाम संस्कृति से मुक्त करने और यहां एक नया मिनी-इंडिया बनाने जा रहे हैं। हम हैदराबाद को एक आधुनिक शहर बनाना चाहते हैं, जो निजाम की संस्कृति से मुक्त हो। केसीआर और मजलिस ने 100 दिन की योजना का वादा किया था, इसका हिसाब हैदराबाद की जनता मांगती है। 5 साल में कुछ भी किया हो तो यहां की जनता के सामने रखिए। सिटिजन चार्टर का वादा किया था, उसका क्या हुआ?

हैदराबाद में इस बार भाजपा का ही मेयर बनेगा

सब लोग आतंकवादी तो भाजपा वाले ही असली हिंदुस्तानी हैं क्या: महबूबा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने प्रदेश के बहुचर्चित रोशनी घोटाले को लेकर बड़ा बयान दिया है। रविवार को उन्होंने कहा कि रोशनी एक योजना थी, लेकिन उसे अब एक घोटाले की तरह पेश किया जा रहा है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वे मुसलमानों को पाकिस्तानी, सरदारों को खालिस्तानी, समाजिक कार्यकर्ताओं को अर्बन नक्सल और छात्रों को टुकड़े-टुकड़े गैंग व देशद्रोही कहते हैं। मुझे यह समझ नहीं आता कि अगर सब लोग आतंकवादी हैं, तो इस देश में हिंदुस्तानी कौन है? केवल भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता?

तत्काल किसानों से बातचीत करनी चाहिए : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि नए कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों से केंद्र को तत्काल और बिना शर्त बातचीत करनी चाहिए। किसान लगातार चार दिनों से नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और राष्ट्रीय राजधानी के सिंघु और टिकरी बॉर्डर पर डटे हुए हैं। आम आदमी पार्टी (आप) ने किसानों के प्रदर्शन का समर्थन किया है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने केंद्र से कहा कि उसे तत्काल किसानों से मिलना चाहिए।

सरकार सत्ता के नशे में है : कांग्रेस

नई दिल्ली। नए कृषि कानूनों को किसानों के लिए लाभकारी बताने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कांग्रेस ने रविवार को कहा कि कानूनों के समर्थन में लगातार जोर देने से साबित होता है कि सरकार सत्ता के नशे में है। कांग्रेस ने यह मांग भी की कि प्रधानमंत्री मोदी को तत्काल तीनों कृषि संबंधी कानूनों को निलंबित करने की घोषणा करनी चाहिए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने किसानों के प्रदर्शन के मुद्दे पर सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया, वादा था किसानों की आय दोगुनी करने का, मोदी सरकार ने आय तो कई गुना बढ़ा दी, लेकिन अडानी-अंबानी की। उन्होंने हिंदी में ट्वीट किया, जो काले कृषि कानूनों को अब तक सही बता रहे हैं, वो क्या खाक किसानों के पक्ष में हल निकालेंगे?

मुख्यमंत्री को ऐसी भाषा शोभा नहीं देती : खट्टर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

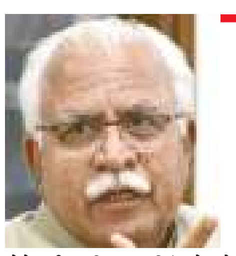

खट्टर अमरिंदर की तकरार जारी

किसान आंदोलन को लेकर पंजाब और हरियाणा के सीएम की तकरार जारी है। दोनों में फोन कॉल को लेकर विवाद हो गया है। एक तरफ पंजाब और हरियाणा के किसान दिल्ली बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ आंदोलन को लेकर सियासी बयानबाजी भी जारी है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर और पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के बीच बयानबाजी हुई।

कैप्टन ने मनोहर लाल को झूठा तक कह दिया। इस पर हरियाणा सीएम के पर्सनल सेक्रेटरी अभिमन्यु सिंह ने सोशल मीडिया पर कॉल रिकॉर्ड पोस्ट कर दिया। अब मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कैप्टन को करारा जवाब दिया है। पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा था कि हरियाणा के सीएम झूठ बोल रहे हैं कि उन्होंने कॉल किया और मैंने उन्हें जवाब नहीं दिया। उन्होंने हमारे किसानों के साथ ठीक नहीं किया। उन्हें माफी मांगनी चाहिए। अब अगर वे 10 बार भी कॉल करेंगे, तो भी मैं उनसे बात नहीं करूंगा। इसके पलटवार में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी करार जवाब दिया और कहा कि एक मुख्यमंत्री को ऐसी भाषा शोभा नहीं देती। हमने फैसला लिया था कि कोरोना काल में किसी तरह की भीड़ प्रदेश में जुटने नहीं देंगे। केंद्र सरकार ने भी भीड़ जमा न करने के निर्देश दिए हैं। फिर कैप्टन अमरिंदर सिंह ने किसानों को आंदोलन करने की इजाजत कैसे दे दी?

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कैप्टन को चेताया कि अगर प्रदेश में कोरोना संबंधी हालात बिगड़े तो इसके लिए पंजाब सरकार जिम्मेदार होगी। मैंने कैप्टन अमरिंदर से बात करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने मेरा कॉल रिसीव करने से इंकार कर दिया। यही नहीं मुझे झूठा बताते हुए कहा कि मैंने कोई कॉल नहीं किया। जब मैंने कॉल प्रूफ दिया तो उनके मुंह से एक शब्द नहीं निकला।

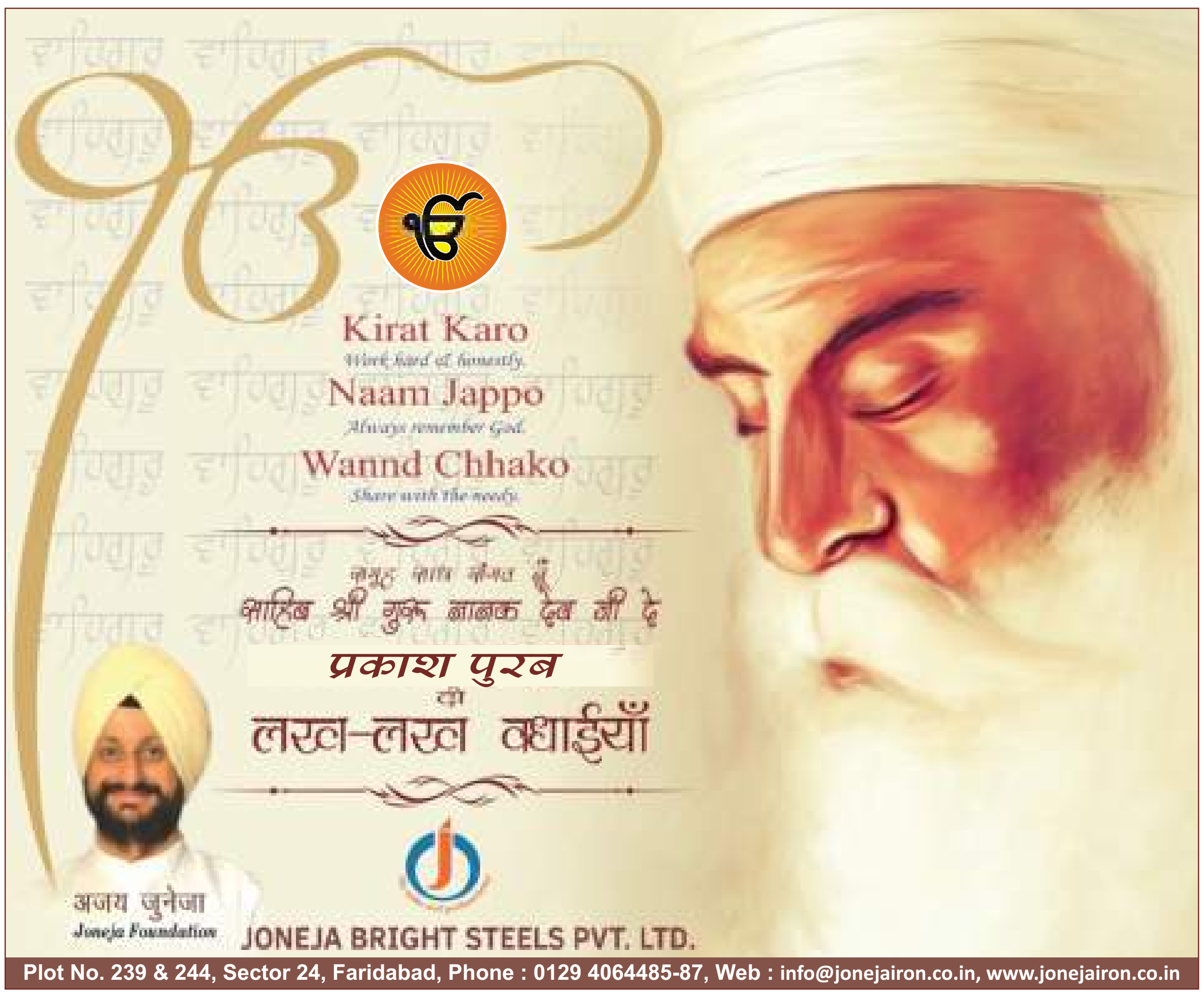

-राइट विजन-

पर्यावरण के साथ खिलवाड़ करने का परिणाम है कोरोना वायरस : रमेश गुप्ता

*इंसान ने अपने स्वार्थ के कारण पर्यावरण के साथ जमकर छेड़छाड़ की है। देश की तमाम नदिया प्रदूषित हो चुकी हैं। जंगल लगातार काटे जा रहे हैं। इन्हीं कारणों से देश में प्रदूषण भी बढ़ रहा है। श्रष्टि के साथ किए गए खिलाड़ का ही परिणाम है कोरोना वायरस है। वहीं हमने पाश्चात्य संस्कृति का अनुशरण कर दिनचर्या बदल ली है। कोरोना को चेतावती समझते हुए हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव करना होगा। तभी हम कोरोना या इस तरह की अन्य महामारियों को मात दे सकते हैं। यह कहना है विश्व हिंदू परिषद के प्रदेशाध्यक्ष रमेश कुमार गुप्ता का। लॉकडाउन के दौरान रमेश गुप्ता अपनी टीम के साथ जरूरतमंदों की मदद करते रहे हैं। **पेश है पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता राजेश दास और रमेश कुमार गुप्ता की बातचीत के अंश :-***

जीवन परिचय

- **नाम** : रमेश कुमार गुप्ता
- **जन्मदिन** : 26 जनवरी 1961
- **पिता** : डब्ल्युआर गुप्ता
- **माता** : शकुंतला गुप्ता
- **पत्नी** : आशा गुप्ता
- **परिवार** : बेटी सुमेधा मित्तल, बेटे संदीप व अभिनव
- **स्कूल** : 10 वीं - गोवर्नमेंट स्कूल, मंडी डबवाली
- **उच्चशिक्षा** : बीए - पंजाब यूनिवर्सिटी
- **रूचि** : समाजसेवा

● **सवाल : शिक्षा के बाद आपने करियर की शुरूआत कैसे की।**

जवाब : मेरे पिता पहले से गोवर्नमेंट कंस्ट्रेक्शन के ठेके लेते थे। शिक्षा के बाद वर्ष 1981 में मैने पिता के साथ इस बिजनेस को सम्भालना और विस्तार देना शुरू कर दिया।

● **सवाल : आपकी कंपनी किस तरह के कंस्ट्रक्शन के काम करती है।**

जवाब : हम ऑयल इंडस्ट्रिज के लिए सिविल के काम करते हैं। हमने सरकार के कई बड़े प्रोजेक्टों के लिए काम किया है। वर्ष 1992 में सुप्रीम कोर्ट ने तीन साल में डीजल को सल्फर मुक्त करने के आदेश दिए थे। उस समय हमने मथुरा रिफाइनरी में नए उपकरणों के लिए सिविल का काम हमने ही किया था।

● **सवाल : समाजसेवा के क्षेत्र में आपने किसकी प्रेरणा से कदम रखा।**

जवाब : वैसे तो मैं बचपन से ही समाजसेवा के कार्यो में जुटा रहता था और आरआरएस के साथ जुड़ा हुआ था। वर्ष 1995 में संघ के आदेश पर हम भाजपा की मजबूती के लिए कार्य करने लगे। वर्ष 2000 में संघ की अनुमति से विश्व हिंदू परिषद के साथ जुड़ गया।

● **सवाल : विश्व हिंदु परिषद में आप किन किन पदों पर रहे।**

जवाब : शुरू में मुझे जिला कार्यवाहक अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई थी। छह महीने बाद जिलाध्यक्ष बना दिया गया था। पिछले चार साल से मैं विश्व हिंदू परिषद का हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष और एक साल से केंद्रीय कमेटी का कोषाध्यक्ष हुं।

● **सवाल : विश्व हिंदू परिषद समाज के कल्याण के लिए किस तरह के कार्य करता है।**

जवाब : परिषद हिंदू धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए काम कर रहा है। पिछले कुछ वर्षो से युवा पश्चिमी संस्कृति के पीछे भागते हुए अपने संस्कारों को भूलते जा रहे है। ऐसे लोगों को अपनी संस्कृति से जोड़ने का काम किया जा रहा है।

● **सवाल : धर्म और संस्कृति के प्रति जागरूक करने के लिए किस तरह के प्रयास हो रहे हैं।**

जवाब : युवतियों को दुर्गावाहिनी, युवकों को बजरंग दल और महिलाओं को मातृ शक्ति जागरूक करने का काम करती है। जागरूकता के लिए जगह जगह एक एक सप्ताह के शिविर लगाए जाते हैं। शिविरों में सनातन धर्म की जानकारी और चरित्र निर्माण का कार्य किया जाता है।

● **सवाल: लव जिहाद के खिलाफ परिषद क्या कार्य कर रही है।**

जवाब : हमने सरकार से लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाने की मांग की है। सरकार ने कानून बनाने का आश्वासन दिया है। इससे हिंदू लड़कियों को बहला फुसला कर शादी करने वालों पर सख्त कार्रवाई हो सकेंगी।

● **सवाल : लॉकडाउन के दौरान परिषद ने जरूरतमंदों की कैसे मदद की।**

जवाब : लॉकडाउन के दौरान परिषद ने प्रदेशभर में भोजन और राशन वितरण का काम किया है। कुरूक्षेत्र में मजदूरों के लिए विशाल शिविर लगाया गया था। जहां इलाज, भोजन और रहने की व्यवस्था थी।

● **सवाल : वर्तमान स्थिति में हम कोरोना से कैसे जीत सकते हैं।**

जवाब : मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग और स्वच्छता का पालन करके हम अपने काम भी कर सकते हैं और कोरोना को मात भी दे सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्लेजहैमर ने 116 रन से जीता मैच

फरीदाबाद। सेक्टर-86 स्थित स्लेजहैमर क्रिकेट अकादमी के ग्राउंड पर एक फ्रैंडली मैच खेला गया। यह मैच स्लेजहैमर क्रिकेट अकादमी और डीसी 11 टीमों के बीच खेला गया। इसकी जानकारी देते हुए कोच उदीत मोहन ने बताया कि यह 20-20 ओवर का मैच था। जिसमें स्लेजहैमर की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। स्लेजहैमर की टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 209 रन बनाए। जिसमें ईदरीश सैफी ने सर्वाधिक 25 गेंदों पर 3 चौके और 4 छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। चंद्रपाल सैनी ने 23 गेंदों पर 2 चौके और 3 छक्कों की मदद से 34 रन बनाए। वहीं सुमित ने 14 गेंदों पर 3 चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाए। वहीं डीसी 11 की तरफ से अनिल दीक्षित ने 3 विकेट, शिव भारद्वाज, यशपाल, कपिल यादव, प्रदीप यादव ने 1-1 विकेट लिया। वही लक्ष्य का पीछा करते हुए डीसी 11 की तरफ से 17.2 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 93 रन बनाए। जिसमें विपिन नैन ने 31 गेंदों पर 4 चौके की मदद से 30 रन बनाए। टीम के कप्तान यशपाल यादव ने 31 गेंदों पर 1 चौके के साथ 22 रन बनाए। वहीं स्लेजहैमर के गेंदबाज चंद्रपाल सैनी ने 3 विकेट, आयुष शर्मा ने 2 विकेट और आंचल सिंघल, दिलीप, प्राथो विश्वास, प्रदीप मोहंती ने 1-1 विकेट लिया। अंत में यह मैच स्लेजहैमर क्रिकेट अकादमी ने 116 रन से जीत लिया। मैन ऑफ द मैच चंद्रपाल सैनी को दिया गया। वेस्ट बैस्टमैन का खिताब ईदरीश सैफी को मिला। वहीं बेस्ट गेंदबाज का खिताब चंद्रपाल सैनी को दिया गया।

स्लेजहैमर फाउंडेशन ने राइजिंग को 3 विकेट से हराया

फरीदाबाद। प्रथम रविन्द्र फागना टी- 20 क्रिकेट लीग (क्वॉर्टर फ़ाइनल) मैच में स्लेजहैमर फ़ाउंडेशन क्रिकेट अकादमी ने राइज़िंग क्रिकेट अकादमी (सोहना) को 3 विकेट से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। बीसीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि ये मैच 20-20 ओवर का है। स्लेजहैमर फ़ाउंडेशन क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाज़ी करने का निर्यण लिया। राइज़िंग क्रिकेट अकादमी टीम की ओर बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 185 रन बनाए। टीम की और बल्लेबाजी करते हुए विकास ने 67 रन, राजू ने 29 रन और मनोज डागर ने 26 रन बनाए। स्लेजहैमर फ़ाउंडेशन क्रिकेट अकादमी टीम की और से गेंदबाजी करते हुए रोहित ने 2 विकेट, उदित मोहन, यतिन, सुभम बिशनोई ओर दिलीप ने 1-1 विकेट लिए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए स्लेजहैमर फ़ाउंडेशन क्रिकेट अकादमी टीम ने 19.3 ओवर में 7 विकेट पर 189 रन बनाकर लक्ष्य को हासिल किया। टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए विपुल कुमार कौशिक ने 47 रन, उदित मोहन ने 39 रन और कपिल राजपूत ने 19 रन बनाए। राइज़िंग क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाज़ी करते हुए आशीष लड्डू ने 4 विकेट, गुलशन ने 2 विकेट, सूरज कुंडु ने 1 विकेट लिए। धर्मेन्द्र खटाना (एडवोकेट) के द्वारा उदित मोहन (स्लेजहैमर फ़ाउंडेशन क्रिकेट अकादमी) को मैंन ऑफ़ दा मैच का पुरस्कार दिया गया।

रावल अकादमी ने 4 रनों से जीता मैच

फरीदाबाद। अंडर 14 प्रैक्टीस मैच पैरी क्रिकेट अकादमी के ग्राउंड पर खेला गया। यह मैच रावल क्रिकेट अकादमी और पैरी क्रिकेट अकदमी के बीच खेला गया। जिसमें पैरी क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लेते हुए रावल को बल्लेबाजी करने का मौका दिया। रावल क्रिकेट अकादमी ने बल्लेबाजी करते हुए 37 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 251 रन बनाए। जिसमें मोहित ने सर्वाधिक 83 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 69 रन और अंशुल ने 11 चौके और एक छक्के की मदद से 54 गेंदों में 67 रन बनाए। वहीं पैरी क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज प्रांजल ने 5 विकेट और कृष ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए पैरी के बल्लेबाजों ने 40 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाए। जिसमें कृष ने सर्वाधिक 77 रन 93 गेंदों पर 11 चौके की मदद से बनाए। वहीं लक्ष्य ने 8 चौके और एक छक्के की मदद से 80 गेंदों पर 51 रन बनाए। रावल के गेंदबाज अदित्य और भव्य ने 2-2 विकेट लिए। अंत में रावल क्रिकेट अकादमी ने 4 रनों से यह मैच जीत लिया। जिसमें मैन ऑफ द मैच अंशुल यादव को दिया गया।

शहर का तापमान

- अधिकतम 25.01 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 09.04 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- बीके अस्पताल में कोरोना की जांच : सुबह 10 बजे
- सेक्टर-12 में पीटीआई टीचरों का धरना: सुबह 11 बजे
- बीके चौक पर आशा वर्करों का धरना: सुबह 10 बजे

निवेश गुरु

फिक्स्ड डिपॉजिट

फिक्स्ड ब्याज दर वाले इन्वेस्टमेंट में सबसे बेहतर हैं बॉन्ड्स। सरकार या कंपनियां निवेशकों से पैसे उधार लेती हैं और फिर एक निश्चित ब्याज दर रिटर्न में देती हैं। बॉन्ड्स को डिफेंसिव इन्वेस्टमेंट भी माना जाता है क्योंकि इनसे आमतौर पर कम रिटर्न मिलता है। शेयर या प्रॉपर्टी की तुलना में इनमें रिस्क भी कम होता है।

यूटीलिटी न्यूज

मतदाताओं को किया जागरूक

फरीदाबाद। सेक्टर 55 स्थित राजकीय पाठशाला में रविवार को प्रदेश सरकार के आदेश पर जिला प्रशासन की तरफ से मतदाता सूची पुर्ननिरीक्षण का काम शुरू किया गया। इस केंद्र के अलावा जिले के अन्य सभी केंद्र मतदाता सूची निरीक्षण और मतदाता पहचान पत्र के लिए मतदाताओं को फार्म वितरित किए गए। सेक्टर 55 स्थित इस केंद्र में बीएलओ द्वारा अपने अपने क्षेत्र के मतदाताओं से पहचान पत्र बनवाने के फार्म भरवा का प्राप्त किए जा रहे हैं। वहीं कुछ मतदाता सूची में अपने नाम की जांच भी कर रहे थे। ऐसे लोगों की मदद के लिए फीएवा के महासचिव एवं समाजसेवी गुरमीत सिंह देओल, गौंछी के नबंरदान दयानंद विरमानी और सुपरवाइजर यशपाल मौजूद थे। यह सभी मतदाताओं को बता रहे थे कि पहचान पत्र बनवाना क्यों आवश्यक है। इस दौरान यह लोग फार्म भरवाने में मदद करने के साथ नए मतदाताओं को वोट बनवाने के लिए प्रेरित भी कर रहे थे।

क्विक न्यूज

जहर खाकर जान दी

फरीदाबाद। गांव झाड़सेतली में रहने वाले एक व्यक्ति ने पिछले दिनों जहर खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक की पत्नी ने गांव में रहने वाले एक व्यक्ति पर पति को आत्महत्या के लिए विवश करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

थाना सेक्टर 58 में दर्ज मामले के मुताबिक गांव झाड़सेतली में रहने वाली आरती ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसके पति कपिल देव ने गत 24 नवंबर को जहर खा लिया। पता चलते ही उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पीड़िता का आरोप है कि उसके पति ने गांव में ही रहने वाले हरकेश डागर से परेशान होकर आत्महत्या की है। आरोपी उसके पति के रूप नहीं लौटा रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

दिखावे की जांच से बर्बाद हो रहा अरावली पर्वत

प्रत्यक्ष कब्जे दिखाई देने के बाद भी वन विभाग कर रहा जांच का नाटक

नगर निगम की लापरवाही से भूमाफिया अरावली पर्वत को उजाड़ने में जुटे हैं

राजेश दास। फरीदाबाद

दिल्ली और एनसीआर की लाइफ लाइन अरावली पर्वत को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी कई बार सख्त आदेश जारी कर चुके हैं। लेकिन जिला प्रशासन, वन विभाग और नगर निगम की लापरवाही से भूमाफिया अरावली पर्वत को उजाड़ने में जुटे हैं।

पिछले दिनों एनजीटी ने अरावली पर्वत के वन क्षेत्र से तमाम अवैध कब्जे हटाकर जनवरी तक रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए थे। लेकिन जिला प्रशासन और वन विभाग अभी तक नोटिस देने की कार्रवाही से आगे बढ़ने को तैयार नहीं हैं। वहीं दूसरी तरफ कई पर्यावरण प्रेमी अरावली को बचाने की मुहिम में जुटे हुए हैं। पर्यावरण प्रेमियों द्वारा जंगलों की कटाई और अवैध कब्जों को लेकर आए दिन शिकायत की जाती हैं। लेकिन वन विभाग शिकायतों पर जांच करने के नाम से सिर्फ दिखावा करके अपना कर्तव्य पूरा कर देता हैं।

ताक पर एनजीटी के आदेश

अरावली की पहाड़ियों पर स्थित मांगर गांव के जंगलों में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को ताक पर रखकर सरेआम कब्जा किया हुआ है। इन जंगलों में करीब पांच एकड़ जमीन पर कई सालों से कब्जा था। वर्ष 2017 में एनजीटी ने इस कब्जे को हटाने के बाद यहां फिर से हरियाली करने के आदेश दिए थे। लेकिन उस समय वन विभाग ने फैंसिंग तो करवाई साथ ही आने जाने के लिए 15 फुट का रास्ता छोड़ दिया। जिस पर कब्जाधारी ने अपना गेट लगवा लिया है। वन विभाग ने इस जमीन पर उस तरह के पेड़ लगाए है, जो अक्सर फार्म हाउसों में सजावट के लिए लगाए जाते हैं। जबकि वन विभाग ने कब्जाधारी द्वारा लगाई गई बांस की पट्टियों की दीवार को आज तक हटाने की जरूरत महसूस नहीं की। वन विभाग द्वारा इस जमीन पर जो भी काम किए गए हैं, उसका सीधा सीधा फायदा कब्जाधारी को मिल रहा है। ऐसे में कब्जा करने वाले व्यक्ति के हौंसले और बुलंद हो गए। उसने पहले से की गई फैंसिंग के तीन तरफ 20-20 मीटर का दायरा और बड़ा लिया है। कब्जाधारी ने कीकर के पेड़ों के साथ तार बांध कर कब्जे का दायरा और बढ़ाया है।

जांच के नाम पर प्रताड़ना

गुरूग्राम निवासी पर्यावरण प्रेमी वैशाली राणा चंद्रा ने मांगर गांव के जंगलों में पांच एकड़ जमीन पर बन रहे इस अवैध फार्म हाउस के खिलाफ शिकायत की थी। इस शिकायत की जांच फरीदाबाद जिले के तत्कालीन वन अधिकारी को सौंपी गई थी। गत मार्च में वन अधिकारी ने शिकायतकर्ता वैशाली राणा और अन्य पर्यावरण प्रेमियों को जांच के लिए मौके पर बुला लिया। जबकि स्पष्ट पता है कि अरावली के जंगलों में किसी तरह का निर्माण अथवा कब्जा नहीं किया जा सकता। यह सीधा सीधा पीएलपीए एक्ट का उल्लंघन है। ऐसे में कब्जे को हटाने की बजाए शिकायतकर्ता को बुलाने का मतलब दिखावे की कार्रवाई करना है। शिकायतकर्ता जब मौके पर पहुंचे तो पता चला कि जांच कर रहे वन अधिकारी ने कब्जाधारी को भी मौके पर बुलाया है। इसका पता चलते ही वे जांच में शामिल हुए बिना मौके से लौट गए। वन अधिकारी द्वारा दोनों पक्षों को आमने सामने करवाने से शिकायतकर्ता की जान को भी खतरा बन सकता है।

कार्रवाई होनी चाहिए

पर्यावरण प्रेमी वैशाली राणा चंद्रा का कहना है कि अरावली के मामले में शिकायत पर जांच की औपचारिकता की बजाए सीधी कार्रवाई होनी चाहिए। जांच में समय बर्बाद करने की बजाए अवैध कब्जों को हटा कर वहां पेड़ लगाने चाहिए। साथ जंगल बनने तक पेड़ों की देखभाल होनी चाहिए।

नहीं मानते आदेश

पर्यावरण प्रेमी सुनील हरसाना का कहना है कि मांगर वन क्षेत्र में एनजीटी ने तीन साल पहले कब्जे हटाने के स्पष्ट आदेश दिए थे। लेकिन वन विभाग की कार्रवाई का फायदा कब्जाधारी को मिला है। वन विभाग द्वारा दिखावे के लिए तोड़ी गई चारदीवारी का भी फिर से निर्माण हो चुका है।

स्टे ऑर्डर का बहना

आरटीआई कार्यकर्ता विष्णु गोयल का कहना है कि स्टे का बहना बनाकर कब्जों को नहीं तोड़ा जाता। जबकि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश है कि स्टे ऑर्डर छह महीने से ज्यादा मान्य नहीं हो सकता। विभागों की लापरवाही के कारण अरावली पर्वत लगातार कब्जे का शिकार हो रही है।

दिखावे की कार्रवाई

अरावली में होने वाले अवैध कब्जों को लेकर वन विभाग और प्रशासन की तरफ कभी भी गंभीरता नहीं बरती जाती है। यहां तैनात रहे एक वन अधिकारी ने तो अपनी पत्नी के नाम से अरावली में जमीन खरीद ली थी। पायनियर में खबर छपने के बाद पिछले दिनों अनंगपुर बांध के पास निगम द्वारा अवैध रूप से बनी कालोनी में तोड़फोड़ की थी। लेकिन कब्जा करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। पर्यावरण प्रेमियों द्वारा की समय समय पर की जाने वाली शिकायतों पर भी वन विभाग द्वारा गंभीरता के साथ न तो जांच की जाती है और न ही कार्रवाई की जाती है। मांगर मामले में की शिकायतकर्ता वैशाली को दोबारा जांच के लिए आगामी तीन दिसंबर को वन अधिकारी ने फिर अपने कार्यालय में बुलाया है। वहीं दूसरी तरफ पर्यावरण प्रेमी विष्णु गोयल की एक शिकायत पर वन विभाग ने उन्हें 27 नवंबर को जांच में शामिल होने के लिए कहा था। लेकिन जांच कर रहे नूंह के वन अधिकरी खुद ही मौके पर नहीं पहुंचे। जिसके कारण जांच नहीं हो पाई।

एक महीने में शुरू होगा टूटी सड़कों का निर्माण : मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। बल्लभगढ़

शहर की टूटी सड़कों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। लेकिन अब शहर के लोगों को जल्दी टूटी सड़कों की समस्या से छूटकारा मिलने जा रहा है। शहर की टूटी सड़कों की मरम्मत कराने के साथ कुछ सड़कों का पुर्ननिर्माण भी करवाया जाएगा। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने रविवार को टूटी सड़कों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शहर के लोगों को आश्वासन दिया कि जल्दी इन सड़कों बनाने का काम शुरू करवाया जाएगा। जिससे शहर के लोगों की समस्या खत्म हो जाएगी। इस दौरान उन्होंने बल्लभगढ़ के कई इलाकों का दौरा किया।

हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने सेक्टर 2 की सड़कों का निरीक्षण किया। कैबिनेट मंत्री ने मौके पर टूटी हुई सड़कों को जल्द बनवाने की घोषणा करते हुए कहा कि ये टूटी

हुई सड़कों का निर्माण कार्य एक महीने के अंदर अंदर शुरू हो जाएगा। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने सेक्टर 2 के हाउसिंग बोर्ड और 160 गज की पॉकेट का दौरा किया। उन्होंने जल्द से जल्द स्टीमेट बनाकर के सेक्टर दो हाउसिंग बोर्ड सहित टूटी हुई सड़कों को जल्द ही बनवाने की बात कही है। इसके अलावा हरियाणा के भू विज्ञान एवं परिवहन विभाग के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने हरियाणा में पहली बार ओबीसी वर्ग को जिला परिषद और पंचायत समितियों के चुनावों में 8 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के उपलक्ष में हरियाणा सरकार के सम्मान में आयोजित धन्यवाद समारोह में भी शिरकत की। यह कार्यक्रम आदर्श नगर ऊंचा गांव के सामुदायिक भवन में आयोजित किया गया। इस मौके पर मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि सभी कोरोना जैसी महामारी में नियमों का पालन करते हुए अपना और अपने परिवार का बचाव करें। उन्होंने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल का ओबीसी समाज को जिला परिषद एवं पंचायत समितियों में चुनाव के लिए आरक्षण देने के मामले में धन्यवाद जताया।

इस मौके पर परिवहन मंत्री ने मुख्यमंत्री का बल्लभगढ़ में अब तक हुए और चल रहे रिकार्ड तोड़ करोडों के विकास कार्यो के लिए धन्यवाद जताया। इस मौके पर भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा, पार्षद हरप्रसाद गौड़, पार्षद उर्मिला बुद्धा सैनी, पार्षद सविता राकेश गुर्जर, निगरानी कमेटी के चेयरमैन महावीर सैनी, पारस जैन, ब्रजलाल शर्मा, रामेश्वर प्रजापति, संजीव बैंसला, योगेश शर्मा, राजकुमार, चंद्रसेन, राजबाला शर्मा, अरुण द्विवेदी, बिल्लू पहलवान, जितेंद्र बंसल, सहित ओबीसी समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

स्लेजहैमर समूह की एक और बड़ी पहल

फ्री एम्बुलेंस सेवा

इस सेवा का लाभ आर्थिक रूप से कमजोर, असहाय लोगों को दिया जा रहा है।

जरूरतमंद फ्री एम्बुलेंस के लिए फोन करें।

9899885190

9899882050

SledgeHammer COMMITMENT TOWARDS PERFECTION.... | ।। सर्वम् शिक्षम् ।। SLEDGEHAMMER FOUNDATION | SLEDGEHAMMER CRICKET ACADEMY Run . Play . Learn . Live | पायनियर

पायनियर
हरियाणा, सोमवार 30 नवंबर, 2020

110 गर्भवती महिलाएं पाई गई एचआईवी पॉजिटिव

कविता। फरीदाबाद

सरकार और स्वास्थ्य विभाग के लाख प्रयासों के बावजूद भी ज्यादातर लोग जानलेवा बीमारी एचआईवी के प्रति जागरूक नही हो रहे है। पिछले 12 सालों में ऐसे ही 110 मामले सामने आए है, जिनमें गर्भावस्था के दौरान की गई जांचों में महिलाओं को एचआईवी से ग्रस्त पाया गया। काउंसलिंग से पता चला कि महिलाएं अपने पति की लापरवाही से एचआईवी ग्रस्त हुई है।

जानकारी के मुताबिक एनआईटी निवासी एक 25 वर्षीय गर्भवती महिला करीब एक महीने पहले बीके अस्पताल में जांच के लिए आई थी। डाक्टरों की सलाह पर जांच कराने पर

पिछले 12 सालों में ऐसे ही 110 मामले सामने आए है

पता चला गर्भवती एचआईवी ग्रस्त है। पति को बुलाकर जांच की तो वह भी एचआईवी ग्रस्त पाया गया। काउंसलिंग करने पर पता चला कि महिला पति की वजह से एचआईवी की चपेट में आई है।

अधिकारी का कथन

जिला डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. शीला भगत ने बताया कि अधिकतर गर्भवती महिलाएं अपने पति की लापरवाही के कारण एचआईवी की चपेट में आई है। उन्होंने बताया कि कम उम्र में शादी के बाद मां बनना और फिर एचआईवी से ग्रस्त पाया जाना काफी गंभीर मामला है। बीते 12 सालों के आंकड़े देखे तो अब तक 110 गर्भवती महिलाएं एचआईवी की चपेट में आई है।

एचआईवी ग्रस्त महिलाओं का आंकड़ा

वर्ष	गर्भवती महिलाएं
2009	09
2010	05
2011	06
2012	07
2013	06
2014	11
2015	06
2016	11
2017	13
2018	16
2019	15
2020 अक्टुबर	05

जिले में लगा पहला प्लाज्मा डोनेशन का शिविर

फरीदाबाद। जिला प्रशासन के द्वारा फरीदाबाद मे प्लाज्मा बैंक स्थापित किये गये है। जिसमें सन्त भगत सिंह प्लाज्मा बैंक में रविवार को पहला प्लाज्मा शिविर सभी संस्थाओं के सहयोग से लगाया गया। रक्तदान शिविर की तरह ही प्लाज्मा शिविर मे कोरोना से ठीक हुए शहर के 17 लोगो ने अपने रक्त के सैम्पल दिये। जिसमे से 13 लोगो के सैम्पल में एंटीबॉडी पाई गई। प्लाज्मा की भारी कमी और बढ़ती हुई मांग को देखते हुए जगह जगह स्क्रीनिंग कैम्प और घरों से सैम्पल ले कर लोगों को संस्थाओ के सहयोग से फरीदाबाद डीसी यशपाल यादव की निगरानी में एसडीएम जितेन्द्र के नेतृत्व में ये प्लाज्मा बैंक द्वारा निरंतर तौर पर प्लाज्मा जागरुकता अभियान चलाये जा रहे है।

बैंक्वेट हॉल संचालक कराएं कोविड नियमों का पालन : डीसीपी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोविड-19 के बारे में स्वास्थ्य विभाग व हरियाणा सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए पुलिस उपायुक्त डॉ अर्पित जैन के दिशा निर्देशों पर कार्य करते हुए फरीदाबाद के सभी थाना व चौकी प्रभारी उनके एरिया में पढ़ने वाले बैंक्विट हॉल के मालिकों के साथ आवश्यक दिशा निर्देशों की पालना करवाने के बारे में मीटिंग कर रहे हैं। डॉ अर्पित जैन ने कहा की अभी शादियों का सीजन चल रहा है जिसके चलते बहुत ज्यादा भीड़ एक स्थान पर इकट्ठे हो रही है जिससे कोरोनावायरस फैलने का खतरा ओर अधिक बढ़ रहा है। इसलिए आवश्यक है कि बैंक्विट हॉल के मालिकों को इसके बारे जागरूक किया जाए और समारोह में ज्यादा भीड़ इकट्ठी न हो, मास्क पहनना और पहनाना सुनिश्चित करें और प्रवेश द्वार पर सैनिटाइजर का प्रयोग करने संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। इसलिए सभी थाना व चौकी प्रभारियों को आदेश दिए गए हैं कि वह अपने थाना क्षेत्र में पड़ने वाले सभी बैंक्विट हॉल मालिकों के साथ इस संबंध में मिले और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देशों के बारे में अवगत कराया जाए।

धोखाधड़ी में बिल्डर चचेरे भाइयों को किया गिरफ्तार

फ्लैट देने के नाम पर 3 साल में हड़प लिये थे 21 लाख रुपये

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फ्लैट देने का झांसा देकर लोगों से लाखों रुपये हड़पने वाले दो बिल्डरों को अपराध शाखा सेक्टर 30 की टीम ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी आपस में चचेरे भाई हैं। दोनों काफी दिनों से दर्ज मामले में फरार चल रहे थे। अब पुलिस इस मामले में लिप्त एक अन्य आरोपी की तलाश करने में जुटी हुई हैं।

क्राइम ब्रांच सेक्टर 30 प्रभारी इंस्पेक्टर विमल की टीम ने धोखाधड़ी के मामले में दो बिल्डर चचेरे भाइयों सुमित और वैभव को नोएडा से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ थाना बीपीटीपी में शिकायतकर्ता द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर सितंबर 2020 में धोखाधड़ी की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उन्होंने वर्ष 2011 में ईरा बिल्डर से नोएडा में एक फ्लैट बुक किया था। जिसमें 3 लाख 50 हज़ार रुपये डाउन पेमेंट लेने के पश्चात 3 वर्ष तक हमने बिल्डरों को किस्त में पैसा दिया था। परंतु वर्ष 2014 तक बिल्डर ने फ्लैट मुहैया नहीं करवाया।

दोनों काफी दिनों से दर्ज मामले में फरार चल रहे थे

इसके पश्चात शिकायतकर्ता ने फ्लैट नहीं लेने की बात बिल्डर को कहीं और अपने पैसे वापस मांगे। परंतु बिल्डर शिकायतकर्ता के पैसे लौटाने में आनाकानी करता रहा। काफी समय बीतने के पश्चात भी जब शिकायतकर्ता को उसके पैसे वापस नहीं मिले तो उन्होंने कंपनी के डायरेक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा दिया। क्राइम ब्रांच सेक्टर 30 व आर्थिक अपराध शाखा की टीम ने 26 नवंबर को बिल्डर के घर रेड कर 2 आरोपियों को धर दबोचा। जबकि इनका एक साथी हेम सिंह जोकि वैभव का पिता है, अभी भी फरार चल रहा है।

दोनो आरोपियों से गहनता से पूछताछ करने के लिए अदालत में पेश करके 1 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया। पूछताछ करने पर सामने आया कि काम ठप होने की वजह से वे शिकायतकर्ता को फ्लैट नहीं दे पाए और इनके पैसों की सारी जानकारी एक के तीसरे साथी वैभव के पिता हेम सिंह के पास है। पूछताछ करने के पश्चात दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया है। आरोपी वैभव के पिता की तलाश की जा रही है।

कोरोना: 6 मौत, 380 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 40152

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या का आंकड़ा दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। रविवार को जिले में 380 मामले सामने आने से कोविड-19 का आंकड़ा 40152 पर पहुंच गया है। वहीं आंकड़ों में छह मौते बढ़ाकर मृतकों की संख्या का आंकड़ा 337 पर पहुंचा दिया गया है। लेकिन आंकड़ों में कोरोना नोडल अधिकारी डॉ. रामभगत ने मृतकों का पता बताने से इंकार कर दिया। उनका कहना है कि जिला सिविल सर्जन के द्वारा आदेश जारी किए गए है, कि अब मृतकों का पता नहीं बताया जाएगा। वहीं राहत की बात यह रही कि जिले में 736 लोगों ने कोरोना की जंग को जीत लिया, जिससे जिले का रिकवरी रेट 90.0 प्रतिशत पर पहुंच गया है।

यहां से पॉजिटिव

जिले में 380 पॉजिटिव में सेहतपुर, एनआईटी-1, यादव कालोनी, अमर नगर, प्रतापगढ़, आदर्श नगर, राजीव कालोनी, दयालपुर, सेक्टर-65, 82, 81, 86, 28, 77, 30, 88, 18, प्रहलादपुर, बड़ौली, भूपानी, पुरी प्रणायाम, बसंतपुर, पर्वतीया कालोनी, जवाहर कालोनी, चावला कालोनी, डबुआ, एसजीएम नगर, सेक्टर-37, 15, 11, एनएच-5, ग्रीनफिल्ड कालोनी, ईसमाईलपुर, मंझावली, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, टिकावली, संजय इंक्लेव, गांधी कालोनी, सेक्टर-22, 55, 21, लकड़पुर, अनंगपुर, खेड़ीकला, भारत कालोनी, सेक्टर-7, 8, 10, 49, 45, 16, 17, जिला जेल, फ्रैंडस कालोनी, सैनिक कालोनी, नाहर सिंह कालोनी, एनएचपीसी कालोनी, बल्लभगढ़, और अन्य एरियों से मरीज शामिल है।

यह है आंकड़ा

जिले अब तक जांचे	335737
रिपोर्ट पॉजिटिव	40152
रिपोर्ट आनी शेष	295065
रिपोर्ट आनी शेष	520
गंभीर हालत में दाखिल	90
वेंटिलेटर पर भर्ती	17
अब तक कुल मौते	337
अब तक ठीक हुए	36145

संक्षिप्त समाचार

गुरू पर्व : इस बार नहीं निकलेगा नगर कीर्तन

गुरू पर्व के अवसर पर रोशनी से जगमगाता गुरूद्वारा

फरीदाबाद। गुरूद्वारा कमेटियों के द्वारा सोमवार को श्री गुरू नानक देव जी के प्रकाश उत्सव मनाने की तैयारियां पूरी कर ली। आज शहर में गुरूद्वारा कमेटियों के द्वारा इस बार कोरोना को ध्यान में रखते हुए नगर किर्तन नहीं निकाला जाएगा। कोरोना को ध्यान में रखते हुए सामाजिक दूरी और संक्रमण के बचाव का विशेष पालन किया जाएगा। एसजीएम नगर स्थित गुरुद्वारा दुख निर्वाण गुरुनानक दरबार के ग्रंथी जसविंदर सिंह और सेक्टर-15 स्थित गुरुद्वारा श्री सिंह सभा के जनरल सेक्रेटरी राणा भट्टी ने बताया कि प्रकाश उत्सव पर सोमवार को सुबह 5.30 प्रभात फेरी की जाएगी। उसके बाद सुखमनी साहब पाठ, मंडली द्वारा कीर्तन होने के बाद पैकिंग रूप में प्रसाद बांटा जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान कोविड से बचाव के नियमों का विशेष पालन किया जाएगा। सेक्टर-16 स्थित सुखमनी भवन गुरुद्वारा कमिटी के सदस्य सरदार कुलदीप सिंह साहनी, टोनी पहलवान का कहना है कि प्रकाश उत्सव पर भीड़-भाड़ नहीं होने दी जाएगी। हर साल गुरुद्वारा और सार्वजनिक स्थानों पर आयोजित होने वाले विशाल लंगर का आयोजन न होकर पैकिंग में लंगर वितरण किया जाएगा। गुरुद्वारा में आने वाले लोगों की थर्मल स्क्रेनिंग से जांच और हाथ को सैनिटाइज कराने के बाद ही अंदर आने की अनुमति दी जाएगी। कहीं पर भी भीड़ न लगे इसके लिए प्रबंधन टीम विशेष इंतजाम करने में जुटी हुई है। जिसको लेकर सभी प्रकार की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

बिना मास्क घर से निकले तो भरना होगा जुर्माना : डॉ. जैन

फरीदाबाद। पुलिस हर तरीके से लोगों को कोरोना वायरस से बचाने में लगी हुई है। चाहे उसके लिए लोगों में जागरूकता अभियान चलाना हो, लोगों में मास्क वितरित करने हों या बिना मास्क वाले लोगों के चालान काटने हो। सवास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के लगातार चालान काटे जा रहे हैं। फरीदाबाद पुलिस ने बीते 2 दिन में 19972 लोगों को नुक्कड़ सभाएं करके कोरोना बारे जागरूक किया और मास्क ना पहनने वाले 3462 लोगों के चालान किए हैं। इसके अलावा पुलिस ने कोरोना वायरस के दौरान अभी तक 53944 लोगों के चालान किए हैं और साथ ही नुक्कड़ सभाएं करके 2,53,714 लोगों को कोरोना वायरस के प्रति जागरूक भी किया है। पुलिस उपायुक्त मुख्यालय, डॉक्टर अर्पित जैन ने कहा कि बिना मास्क पहनकर घर से बाहर निकलकर चालान कटवाकर जुर्माने के भागीदार न बने। पुलिस किसी भी व्यक्ति का मास्क का चालान काटकर उनको आर्थिक हानि नहीं पहुंचाना चाहती। उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि पुलिस जानबूझकर उनका चालान काटती है परन्तु उनको यह समझना चाहिए कि पुलिस का यह कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को कोरोना जैसी महामारी से बचाए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने अभी तक 2,53,714 लोगों को कोविड-19 के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ उल्लंघन करने वाले 53,944 लोगों के चालान काटकर 2 करोड़,69 लाख,72 हजार रुपयों का जुर्माना किया गया है।

स्वाधीनता की सुरक्षा के लिए एकजुट होना आवश्यक: विवेक

फरीदाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद हरियाणा के तत्वाधान में स्वाधीनता की सुरक्षा के उपाय विषय पर एक संगोष्ठी गूगल मीट व फेसबुक पर आयोजित की गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य केंद्रीय सभा पानीपत के प्रधान सुरेश गुगलानी ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा फार्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष धनेश अदलखा व हरियाणा फार्मेसी काउंसिल के सदस्य बीबी सिंघल रहे। परिषद के हरियाणा प्रधान स्वतंत्र कुकरेजा ने कार्यक्रम का सुंदर संचालन किया। कार्यक्रम की शुरुआत चंडीगढ़ से मीना सेठी ने अपने मधुर गीतों से की जिसने सभी को भावविभोर किया। उनके भजनों ने ईश्वर भक्ति का संदेश दिया। हरियाणा सरकार के राज्य औषधि नियंत्रक व केंद्रीय आर्य युवक परिषद के हरियाणा प्रभारी नरेन्द्र आहूजा विवेक ने स्वाधीनता की सुरक्षा के उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह स्वतंत्रता के ऊपर आयोजित होने वाली संगोष्ठी का दूसरा भाग है। हमें अपनी पुरातन सनातन वैदिक संस्कृति की जड़ों से जुड़ना होगा, पाखण्डों अंधविश्वास के दीमक से बचना होगा, आपसी फूट के रोग से बचना होगा, स्वदेशी अपना कर वोकल फ़ॉर लोकल होना होगा। ब्रेन ड्रेन को रोक कर स्वदेशी अनुसंधान पर बल देना होगा। उग्रवाद आतंकवाद नक्सलवाद जैसी वामपंथी मानसिकता का सच जानना आवश्यक है। सृष्टि में रहने वाले सभी लोगों के लिए ईश्वर ने आचार संहिता के रूप में वेद का ज्ञान प्रदान किया है उसको मानना अत्यंत आवश्यक है। धर्म से जुड़कर ही हम पाश्चात्य संस्कृति के कुप्रभाव जैसे भोगवाद और विलासिता से मुक्ति पा सकते हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने हरियाणा की समस्त इकाई को कार्यक्रम की सफलता के लिए आशीर्वाद दिया। उन्होंने स्वतंत्रता की इस व्याख्यान सीरीज को लंबा चलाने का भी सुझाव दिया। कार्यक्रम में मुख्य रुप से रोशन बिआला, संजय भारती वाशी चौधरी, संतोष अग्रवाल, शांतिप्रकाश आर्य, सुमित्रा कुकरेजा, सतपाल गुप्ता, विनय मल्होत्रा, भारत भूषण, रोशन आर्य, अंजू आहूजा, नरेश सोनी बिठमड़ा, नीरज अरोड़ा, रमन महाजन आदि उपस्थित रहे।

पार्क के सौंदर्यीकरण को दिये पार्षद ने एक लाख रुपये

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मेरे जैसे मामूली सें इंसान को पार्षद बनाने में जिन लोगों ने मदद की उनके लिए मेरा भी कुछ कर्तव्य बनता है। यह बात वार्ड-21 के पार्षद जितेन्द्र भड़ाना (जित्ते भाई) ने दयाल बाग आरडब्लूए के प्रधान अजय सिंह और भगवान दास को अपने निजी कोष से 1 लाख रूपये का चैक सौपनें के उपरांत कही। इस कोष का इस्तेमाल आरडब्लूए सी-ब्लॉक के पार्क के जीर्णोदार और सौंदर्यीकरण पर खर्च करेगी। इस अवसर पर जितेन्द्र भड़ाना ने कहा कि वार्ड-21 मेरा परिवार है जहां के लोगों ने हमेशा मुझे अपने सिर आखों पर बिठाया है। उन्होनें कहा कि वार्ड में लोगो को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो इसके लिए वो कृतसंकल्प है। उन्होनें कहा कि इस पार्क के नवीनीकरण की फाईल उन्होनें नगर निगम में लगा रखी है लेकिन पार्क की हालत बहुत खराब हो रही थी इसी को देखते हुए एक पार्षद और वार्ड-21 के परिवार का सदस्य होने के नाते अपना फर्ज निभाते हुए मैने 1 लाख रूपये का चैक आरडब्लूए को सौपा।

ईनामी मोस्टवांटेड बदमाश पलवल से गिरफ्तार

आरोपी ने मुजेसर की मछली मार्किट के व्यापारी से की थी मारपीट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अपराधियों के विरुद्ध चलाये गये अभियान में आयुक्त ओपी सिंह, पुलिस उपायुक्त अपराध व सहायक पुलिस उपायुक्त अपराध के दिशा निर्देशों पर कार्य करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर 17 प्रभारी इंस्पेक्टर संदीप मोर व उनकी टीम ने 5000 रुपये के ईनामी मोस्टवांटेड योगेश को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है।

गत 26 नवंबर को गुप्त सुचना मिलीं कि पलवल जिले के गांव जलाह्का का रहने वाला योगेश अपने घर वालों से मिलने आयेगा। गुप्त सुचना के आधार पर तुरंत कार्यवाही करते हुए उच्च अधिकारियो को अवगत किया गया और आरोपी के घर रेड की गयी। आरोपी योगेश पुलिस को देख कर बचने की नियत से अपने घर की छत से कूद कर भागने लगा।

क्राइम ब्रांच की टीम ने साहस का परिचय देते हुए छत से कूद कर आरोपी का पीछा किया। आरोपी योगेश छत से कूदने की वजह से ज्यादा भाग नही सका और वही गिर गया जिसे तुरन्त काबू किया गया। आरोपी ने बताया कि उसके दोनों पैरों में दर्द हो रहा है, आरोपी को हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया तो पता चला कि आरोपी के दोनो पैरों की हड्डी में फ्रैक्चर है। आरोपी को अस्पताल से छुट्टी मिलने के पश्चात आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने जून 2020 में अपने दोस्त सोनू व अन्य साथियों के साथ मुजेसर की मच्छी मार्केट में अंसार अली के ऑफिस में उसके साथ मारपीट की और उसे जान से मारने की धमकी देकर वहां से फरार हो गए थे। इस मामले में उनके खिलाफ थाना मुजेसर में लड़ाई झगड़े व अवैध हथियार के जुर्म के तहत मुकदमा नंबर 303 दर्ज किया गया था। आरोपी के पांच अन्य साथियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

एआईसीटीई के चेयरमैन करेंगे जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे 30 नवंबर, 2020 को महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस की 162वीं जयंती के उपलक्ष्य में जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। जगदीश चंद्र बोस की प्रतिमा को विज्ञान के लिए उनके योगदान के शिलालेख के साथ कुलपति सचिवालय के सामने स्थापित किया जा रहा है।

इस संबंध में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि जगदीश चंद्र बोस को देश के सबसे बड़े अंत:विषय वैज्ञानिक के रूप में देखा स्वीकार किया जाता है। वह रेडियो और वायरलेस संचार के जनक थे और यह साबित करने वाले पहले वैज्ञानिक थे कि पौधों में भी जीवन होता है।

रक्तदान के लिए पुलिस कर्मी आगे आए

फरीदाबाद। सेक्टर 9 के रोटरी ब्लड बैंक में खून की कमी के चलते आपातकाल में एक दिन के नोटिस पर आयोजित रक्तदान शिविर में फरीदाबाद पुलिस रक्तदान करने के लिए आगे आई। जिसमें कुल 18 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया। इस रक्तदान शिविर का आयोजन पुलिस उपायुक्त डॉ अर्पित जैन की पहल पर ब्लड बैंक रोटरी क्लब ऑफ़ फरीदाबाद सिटी व स्क्रू लेबोरेट्री की मदद से किया गया।

वूमेंस पावर ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वूमेंस पावर टीम ने लगाया अपना दूसरा ब्लड डोनेशन कैंप रोटरी ब्लड चैरिटेबल एसोसिएशन के सहयोग से लगाया। जिसमें रोटरी से दीपक प्रसाद और डॉ. हेमंत अत्रि और उनकी टीम मौजूद रही। इस शिविर में सभी सेक्टर 23 वासियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। वूमेंस पावर के प्रेसिडेंट चांदनी आजाद अली फर्स्ट ब्लड डोनेशन कैंप में ही यह प्रण लिया था, कि वूमेंस पावर हर 4 महीने में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन करेगी, जोकि थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों के लिए जाए। एडवोकेट अरविंद छाबड़ी, हिंदू महासभा ट्रस्ट से जग विजय वर्मा, वीर भारत ट्रस्ट से संगीता नेगी, दिनेश सिंह और सेक्टर 23 से सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण दत्त, दीपांशु अरोड़ा, शुभम मित्तल, साहिल खान, अनिल दहिया, दीपक नरूला मौजूद रहे।

परिवार पहचान पत्र से मिलेगा सरकारी सुविधाओं का लाभ

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त यशपाल के दिशा निर्देशों पर जिला के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में रविवार को निर्धारित स्थानों पर कैम्प लगाकर लोगों के परिवार पहचान पत्र बनाने का कार्य जिला प्रशासन द्वारा जन प्रतिनिधियों के सहयोग से किया जा रहा है। रविवार को जिला मे अतिरिक्त उपायुक्त कम परिवार पहचान पत्र बनाने के नोडल अधिकारी सतबीर मान के मार्ग दर्शन मे जिला के तीनों फरीदाबाद, बड़खल तथा बल्लभगढ़ उपमडंलो के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार पहचान बनाने का काम निरन्तर किया जा रहा है। परिवार पहचान पत्र बनाने के लिए उपमडंल स्तर पर उपमडंल (नागरिक) अधिकारी को यह दायित्व सौंपा गया है। जिला में दो दिवसीय शनिवार और रविवार के कैम्पों के लिए शहरी क्षेत्रों में तहसीलदार को और ग्रामीण क्षेत्रों में बीडीपीओ को इन कैम्पो का प्रशासनिक इन्चार्ज बनाया गया है।

एडीसी ने बताया कि जिला में प्रशासन द्वारा शहरी क्षेत्रों और ग्रामीण क्षेत्रों में दोनों दिनों में प्रात: 10 से सायं 05 बजे तक प्रशासन द्वारा अलग अलग प्रस्तावित जगहों पर शहरो में सम्बन्धित वार्ड पार्षदो और गावों मे सरपंचों के सहयोग से आम जन के लिए परिवार पहचान पत्र बनाने के कार्य निशुल्क किया गया। उन्होंने बताया कि जिला में शनिवार और रविवार को प्रशासन द्वारा लोगों के परिवार पहचान पत्र बनाने में जन प्रतिनिधियो का सहयोग लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्रों के सम्बन्धित वार्ड पार्षदो तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सरपंचों के सहयोग से सरकार द्वारा जारी हिदायतो के अनुसार हजारों लोगों की आई डी प्रुफ परिवार पहचान पत्र बनाने के लिए ऑनलाईन किए गए। एडीसी सतबीर मान ने बताया कि रविवार को बल्लभगढ़ वार्ड नंबर 36 के आजाद नगर में, सामुदायिक भवन मुजेसर, सामुदायिक भवन सैक्टर-23, फरीदाबाद में बीजेपी कार्यालय मे शहरी क्षेत्रों में और गांव अटाली, सागरपूर, अटेरना, हरफला, फतेहपुर बिलौच, दयालपुर, कैलगांव, गढखेड़ा, खनदावली व करनेरा तथा टीकावली, पलवली, भूपानी, ताजपुर, सूरपूरा, खेड़ी खुर्द, खेड़ी कलां, लालपूर, नचौली, राजपूर कलां, भतोला, तिलपत, आलमपुर, बड़ौली, भाकला, कांवरा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार परिवार पहचान पत्र बनाने का कार्य किया गया।

उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार भविष्य में परिवार पहचान पत्र बनाने के बाद सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ, बुढापा पैंशन सहित अन्य सभी सरकारी लाभ लोगों को इसी के माध्यम से मिलेंगे। उन्होंने बताया कि परिवार पहचान पत्र बनाने के लिए जागरूकता अभियान बारे प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों सरपंचों, वार्ड पार्षदो और वैलफेयर सोसाइटियो के प्रतिनिधियो तथा समाज सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियो की एक बैठक भी आयोजित की गई थी। इसी कडी में गत शनिवार और रविवार को जिला के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर प्रात: 10 बजे से सायं 05 बजे तक प्रशासन द्वारा सम्बन्धित जनप्रतिनिधियों के सहयोग से इन परिवार पहचान पत्र बनाने के लिए कैम्पों का आयोजन किया जा रहा है। एडीसी ने बताया कि परिवार पहचान पत्र बनाने के लिए परिवार की दो आईडी और आधार कार्ड व आय कर दाता हो तो उसका पैन कार्ड होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि रविवार को परिवार पहचान पत्र बनाने के जरूरी कागजात आनॅलाईन अपलोड किए गए। उन्होंने आगे बताया कि रविवार को आम जन के परिवार पहचान पत्र बनाने का पीपीपी मोड पर किया गया। एडीसी सतबीर मान ने आगे बताया कि जिला के सभी सरल केन्द्र, अटल सेवा केन्द्रो पर वर्किगं डे/कार्य दिवसों पर प्रति दिन परिवार पहचान पत्र बनाने का कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है।

गुरुग्राम की फिजां खुशबूदार बनाने को बांटे फूलों के सेंपल

कार्यक्रम के माध्यम से शहर की स्वच्छता और सौंदर्यकरण का दिया संदेश

गुरुग्राम के सभी मंदिरों में स्वच्छता के नाम से एक घंटी बांधने का आह्वान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

स्थानीय नगर निगम तथा आपसी एनजीओ के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सेक्टर-29 स्थित रंगभूमि ओपन एयर थिएटर में रंग-बिरंगे फूलों के वितरण (फ्लॉवर सेप्लिंग डिस्ट्रीब्यूशन) फेस्ट का आयोजन किया गया। इस आयोजन के माध्यम से गुरुग्राम को स्वच्छ एवं सुंदर शहर बनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में मेयर मधु आजाद, हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुनील गुलाटी, नगर निगम आयुक्त विनय प्रताप सिंह तथा फ्लॉवर मैन डा. रामजी जैमल ने शिरकत की। यहां गुरुग्राम के नागरिकों से आह्वान किया कि वे शहर को स्वच्छ बनाने के साथ ही विभिन्न स्थानों पर फूलों वाले पौधे लगाकर शहर को सुंदर बनाने में भी अपना भरपूर योगदान दें। निगम आयुक्त विनय प्रताप सिंह ने गुरुग्राम में एक प्लास्टिक फ्री क्लब बनाने की भी घोषणा की। उपस्थित लोगों को प्लास्टिक फ्री किट प्रदान करके प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करने का आह्वान किया।

उन्होंने 25 दिसम्बर के दिन को जीरो वेस्ट दिन के रूप में मनाने का आह्वान किया। मेयर मधु आजाद ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे जिस प्रकार अपने घर की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं, उसी प्रकार गुरुग्राम शहर को भी अपना घर समझें तथा अपने आस-पास के क्षेत्र की सफाई का भी विशेष ध्यान रखें। हम सभी के संयुक्त प्रयासों से ही हम गुरुग्राम को स्वच्छ, सुंदर एवं बेहतरीन शहर बनाकर स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 में स्वच्छता में नम्बर-1 पायदान हासिल करेंगे।

नगर निगम संयुक्त आयुक्त (स्वच्छ भारत मिशन) धीरज कुमार ने कहा कि गुरुग्राम के सभी मन्दिरों में अब एक घण्टी स्वच्छता के नाम से बांधी जाएगी। इस बारे में सभी मन्दिर संचालकों से अनुरोध करेंगे। यह एक अनूठा कार्य है, जो पहली बार नगर निगम गुरुग्राम द्वारा किया जाएगा। इस पर मेयर ने कहा कि वे जल्द ही शिव मंदिर में स्वच्छता के नाम से घण्टी बंधवाएंगी।

सेक्टर-29 स्थित रंगभूमि ओपन एयर थियेटर में शहर की सुदंरता को पौधे वितरण कार्यक्रम में पौधे और जूट के थैलों के साथ शहर की स्वच्छता की प्रेरणा देते अतिथि।

शून्य कचरा-अतुल्य गुरुग्राम का दिया नारा

कार्यक्रम के माध्यम से नगर निगम द्वारा कचरे को शून्य करके अतुल्य गुरुग्राम बनाने का नारा दिया। साथ ही बंधवाड़ी लैंडफिल साईट पर कचरे के पहाड़ को हटाने की चुनौती दी। कार्यक्रम में फ्लॉवर मैन डा. रामजी जैमल के जीवन पर आधारित लघु फिल्म बिफोर आई डाई का प्रदर्शन किया गया। यह फिल्म नकुल देव द्वारा बनाई गई है। फिल्म के माध्यम से आमजन से आह्वान किया गया कि वे डा. रामजी जैमल द्वारा तैयार किए गए फूलों के पौधे प्राप्त करें तथा उन्हें लगाकर उनका पालन-पोषण करें। कार्यक्रम में 8 स्वच्छता सैनिकों को सम्मानित भी किया गया। इसके साथ ही 29 स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडरों को भी सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने 500 बेड के नागरिक अस्पताल के विस्तार को दी हरी झंडी

मुख्यमंत्री ने किया राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (बाल) का अवलोकन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

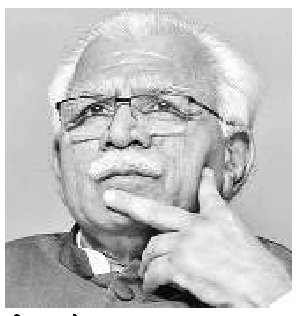

सीएम मनोहर लाल।

शहर के सिविल लाइन स्थित पुराने नागरिक अस्पताल के 500 बेड का बनने का रास्ता साफ हो गया है। रविवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने यहां अस्पताल के साथ राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (बाल) परिसर का दौरा किया। इसी स्कूल में से जमीन का हिस्सा लेकर अस्पताल का विस्तार किया जाना प्रस्तावित है।

रविवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल गुरुग्राम से हिसार के लिए रवाना होने से पहले शहर के बीचों-बीच स्थित पुराने नागरिक अस्पताल के विस्तार के लिए साथ लगते राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (बाल) परिसर पहुंचे। इस दौरान आला अधिकारियों के अलावा शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उनके साथ थे। पुराने नागरिक अस्पताल भवन का विस्तार करके उसकी क्षमता बढ़ाकर 500 बेड करना प्रस्तावित है जिसके लिए साथ लगते राजकीय विद्यालय की जमीन का कुछ हिस्सा शिक्षा विभाग से स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित किया जाना है। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विद्यालय परिसर का अवलोकन करते हुए अस्पताल के विस्तार को हरी झंडी दी।

पुराना भवन गिराने को पीडब्ल्यूडी निकालेगा टेंडर : अस्पताल के पुराने भवन को गिराया जाएगा, जिसके लिए लोक निर्माण विभाग टेंडर आमंत्रित करेगा। सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र यादव ने बताया कि पुराने नागरिक अस्पताल परिसर में बने सिविल सर्जन कार्यालय को भी शिफ्ट करने की कार्यवाही शुरू कर दी गई है, ताकि नए अस्पताल भवन निर्माण के लिए पूरी जगह लोक निर्माण विभाग को उपलब्ध करवाई जा सके।

स्कूल से ली जाने वाली जमीन पर होगी चारदीवारी

नागरिक अस्पताल भवन के विस्तार के बारे में चर्चा करते हुए आज यह फैसला लिया गया कि स्कूल की जमीन का जितना हिस्सा स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित किया जाना है, उतने पर चार दीवारी खींचकर आगे की कार्यवाही शुरू की जाए। अवलोकन के दौरान मुख्यमंत्री ने जिला शिक्षा अधिकारी से बच्चों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था तथा स्कूल के लिए निर्धारित नियमों के बारे में जानकारी हासिल की, जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी कैप्टन इंदु बोकन ने अवगत करवाया कि विद्यालय का जो भवन तोड़ने का प्रस्ताव है। उसमें लगाई जाने वाली कक्षाएं सुखराली के राजकीय विद्यालय में लगाई जा सकती हैं।

नपीनो श्रमिक यूनियन ने मनाया अपना स्थापना दिवस

कंपनी के मुख्य द्वार पर ध्वजारोहण करते श्रमिक।

गुरुग्राम। आईएमटी मानेसर क्षेत्र स्थित नपीनो ऑटो प्रतिष्ठान की श्रमिक यूनियन ने अपना स्थापना दिवस रविवार को धूमधाम से मनाया। बड़ी संख्या में यूनियन के सदस्य भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

श्रमिक यूनियन के प्रधान नरेश कुमार ने बताया कि हवन-यज्ञ का आयोजन भी किया गया था। उसी के बाद कंपनी के मुख्य द्वार पर यूनियन का झण्डा फहराया गया। इस कार्यक्रम में श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने वाली एटक के जिला महासचिव कामरेड अनिल पंवार भी अपनी टीम के साथ शामिल हुए। उन्होंने श्रमिक यूनियन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे संगठित रहें और कंपनी के उत्पादन में पूरा सहयोग करें। एकजुट होकर ही श्रमिकों की समस्याओं का कंपनी प्रबंधन से समाधान कराया जा सकता है।

उन्होंने कंपनी प्रबंधन से भी आग्रह किया कि यूनियन के सामूहिक मांगपत्र पर यूनियन के पदाधिकारियों से बातचीत कर इसका निपटारा करें, ताकि श्रमिकों को आंदोलन करने की जरुरत ही न पड़े। श्रमिक अपनी एकता का प्रदर्शन नारेबाजी करते हुए दिखाई दिए। श्रमिकों को श्रमिक नेता परशुराम, कुलदीप, दुलीचंद, सुधीरपाल, राज बहादुर आदि ने भी संबोधित किया।

नया आलू आने के बावजूद कीमतें छू रहीं आसमान

सब्जियों के राजा ने बिगाड़ कर रख दिया गृहणियों की रसोई का बजट

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

महंगाई की मार का सामना विभिन्न क्षेत्रों व वर्गों के लोगों को करना पड़ रहा है। खाद्य पदार्थों सहित सब्जियों व दैनिक जीवन में इस्तेमाल होने वाली चीजों के दामों में भी लगातार वृद्धि होती जा रही है। शीत ऋतु में सब्जियां सस्ती हो जाती थी। गरीब वर्ग भी महंगी दाल की बजाय हरी सब्जियों का इस्तेमाल अधिक करते थे, लेकिन इस बार ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है।

जहां पहले प्याज ने लोगों को रुलाया हुआ था, वहीं अब आलू ने भी गृहणियों के रसोई का बजट बिगाड़ कर रख दिया है। खुदरा बाजार में आलू 50 रुपए प्रतिकिलो मिल रहा है। आलू में यह वृद्धि पिछले एक माह से चल रही है। आलू की नई फसल आने के बाद भी आलू की कीमत आसमान छू रही है। यानि कि हर सब्जी का साथी आलू आम आदमी की पहुंच से दूर होता नजर आ रहा है। गृहणियों का भी कहना है कि आलू के दाम बढ़ जाने से उनकी रसोई का बजट गड़बड़ा गया है। उन्होंने कभी भी यह नहीं सोचा था कि आलू के दाम भी अन्य सब्जियों की तरह से इतने बढ़ जाएंगे। माना जाता रहा है कि सर्दियों के मौसम में आलू की नई फसल आने के बाद आलू के दामों में कमी आ जाती है, लेकिन ऐसा इस बार नहीं हो रहा है।

आढ़तियों का कहना है कि मंडी में आवक काफी कम हो रही है। इसलिए आलू के भाव कम नहीं हो पा रहे हैं। नई फसल आने के बाद भी आलू के दामों में गिरावट आने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। उनका कहना है कि किसान आंदोलन और शुरु हो चुका है। यदि यह आंदोलन और अधिक लंबा खिंच गया तो आलू के ही नहीं, अपितु अन्य सब्जियों के दामों में भी वृद्धि हो जाएगी। क्योंकि आंदोलन के कारण बाहर से आने वाले ट्रक जिनमें सब्जियां व आलू भरा है, उन्हें बॉर्डर पर ही रोका हुआ है।

इस प्रकार आलू के साथ-साथ अन्य सब्जियों के दाम भी आसमान छूने लग जाएंगे और इसका सीधा असर आम आदमी व गृहणियों की रसोई पर ही पड़ेगा। आलू एक ऐसी सब्जी है जिसकी सबसे अधिक खपत होती है।

अंतर जिला तबादल प्रक्रिया रद्द किए जाने से रोष

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

जेबीटी अध्यापकों ने अंतर जिला स्थानान्तरण मामले को लेकर राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल सोहना विधायक कवर संजय सिंह से मिले। जेबीटी शिक्षकों ने विधायक को ज्ञापन सौंपते हुए हाल ही में किया गया तबादला प्रक्रिया को रद न किए जाने की मांग की है।

रविवार को जेबीटी अध्यापक संघ के जिला प्रधान दुष्यंत ठाकरान की अध्यक्षता में सोहना विधायक संजय सिंह से सोहना में स्थित उनके कार्यालय में मिले। दुष्यंत ठाकरान ने

विधायक को ज्ञापन सौंपा

संघ की तरफ से जेबीटी शिक्षकों का जिला अंतरगत् किए तबादल प्रक्रिया को रद किए जाने से आई परेशानी को बताया। इस संबंध में संघ की तरफ से विधायक संजय सिंह को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी दिया गया। ज्ञापन सौंपने के बाद ठाकरान ने बताया कि जनरल एलिमेन्ट्री शिक्षा विभाग हरियाणा पंचकूला की ओर से अंतर जिला तबादले किए गए थे। जिनकी संख्या 2544 शिक्षक थी। इस सूची के आधार पर शिक्षकों को विभाग की तरफ से तीन दिन में अपना नया स्कूल ज्वाइन करने के आदेश जारी किए गए थे। करीब 15 दिन बीत जाने के बाद 27 नवंबर को पुराने आदेशों को शिक्षा विभाग ने रद्द करते हुए जेबीटी शिक्षकों को वापस अपने पुराने स्कूलों में ही ज्वाइन करने के आदेश जारी कर दिए है। जेबीटी शिक्षकों ने इस तुगलकी फरमान बताते मानने से इंकार कर दिया है।

जेबीटी शिक्षकों विधायक संजय सिंह को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए।

दो साल पहले के हैं तबादले के आदेश

संघ के जिला अध्यक्ष ने बताया कि 23 अगस्त 2019 में ही तबादले के आदेश हो गए थे। मगर बार-बार फैसला बदलकर अध्यापकों की परेशानी को बढ़ाया जा रहा है। पहले तो आनन-फानन में तीन दिन के अंदर ज्वॉइनिंग का आदेश दिया और फिर अब तुगलकी फरमान के जरिए शिक्षकों को पुराने स्कूलों में ही ज्वॉइन करने के लिए बाध्य कर रहे हैं।

शहर में मनाए जाएंगे धार्मिक कार्यक्रम धूमधाम से

सिंह साहिब गुरुद्वारा सजा, शिव कुंड में गंगा स्नान के शाही स्नान की तैयारियां जोरों पर

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

धार्मिक कार्यक्रमों को मनाए जाने को लेकर शहर में तैयारियां जोरों से चल रही है। शहर के धार्मिक स्थलों पर मनाएं जाने वाले दो पर्वों की तैयारियां जोरों से की जा रही है। शहर के सिंह साहिब गुरुद्वारा को दुल्हन की तरह से सजाया गया है। वहीं गर्म पानी के शिव कुंड में गंगा स्नान के अवसर पर किया जाने वाला शाही स्नान की तैयारियां जोरों से की जा रही है। सोहना शहर में गंगा स्नान व गुरु पर्व मनाएं जाने को लेकर रविवार को लोगों में जोश बना हुआ है। धार्मिक स्थाल शिव कुंड कमेटी के प्रधान अनुराग राणा ने बताया कि गंगा स्नान को देखते हुए भक्त आस्था की डुबकी लगाने के लिए दूर-दूर से आते हैं। कोविड-19 के चलते स्नान के दौरान सामाजिक दूरी पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। एक साथ अधिक लोग स्नान नहीं कर सकेंगे। भक्तों को स्नान करने के लिए अपना नंबर आने पर ही जाना होगा। कमेटी की तरफ से भक्तों को हर सुविधा मुहैया कराई जाएगी। सेनेटाइज कराने का प्रबंध किया गया है।

शिव कुंड पर गंगा स्नान को लेकर तैयारियां पूरी।

गुरु पर्व को लेकर तैयारियां

शहर में अब गुरु नानक जयंती और गंगा स्नान के पवित्र त्योहार को धूमधाम से मनाया जाएगा। शहर के पुराने बस स्टैंड पर स्थित सिंह साहिब गुरुद्वारा के कमेटी के प्रधान राजेन्द्र सिंह बागड़ी ने बताया कि गुरुनानक जयंती की तैयारी चल रही है। सुबह गुरुद्वारा में पाठ होने के बाद लंगर सेवा में स्थानीय लोग जुट जाएंगे। दोपहर के समय में गुरुद्वारा में प्रसादा वितरण किया जाएगा। गुरुद्वारा समेत आस के पास के मकानों को दूधिया रोशनी से जगमग किया गया है। पिछले दस दिन से सुबह शहर में होने वाली प्रभात फेरी को समाप्त कर दिया। हजारों की संख्या में लोग प्रसाद ग्रहण करने के लिए गुरुद्वारा में पहुंचेंगे, लेकिन प्रसाद वितरण के दौरान सामाजिक दूरी बनाएं रखने पर विशेष सुविधा रखी जाएगी।

चार नगर पालिकाओं में कई-कई अफसर नहीं

जिले की चारों नगरपालिकाएं रो रही अधिकारी न होने का रोना

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

नगरपालिकाओं की बिगड़ैल व्यवस्थाओं में सुधार को लेकर प्रदेश सरकार ने हर जिले में डीएमसी (जिला नगर पालिका आयुक्त) की नियुक्ति की। लोगों को भी लगा कि इन नियुक्तियों से नगरपालिका की व्यवस्थाओं में काफी सुधार होगा व शहर सौंदर्यीकरण के साथ विकास की पटरी पर दौड़ेंगे। नगर पालिका की चेयरपर्सन मनीता गर्ग का कहना है कि अधिकारियों की कमी के चलते सिविल व ऑफिशियल वर्क निरंतर प्रभावित हो रहे हैं। रही सही कसर पूरी कर दी डब्लयूएमएस पोर्टल ने। इस पोर्टल पर तकनीकी समस्या के चलते अपलोड कार्यों का फीडबैक नहीं मिलता। मेरा तो यही आग्रह है कि सरकार यहां सचिव सहित अन्य अधिकारियों की स्थाई तौर पर नियुक्ति करने केस साथ मेनुअली वर्क ऑर्डर शुरू करें, ताकि समयबद्ध कार्य हो सकें।

समाजसेवी रविंद्र गुप्ता का कहना है कि यहां या तो कोई अधिकारी सहज तौर पर आता नहीं है। जो आ गया वो कुछ ही दिनों में अपना ट्रांसफर करा चला जाता है। क्या इस सिस्टम से शहर विकसित होगा। वरिष्ठ भाजपा नेता राजकुमार मित्तल के मुताबिक तावडू नगरपालिका का जितना बुरा हाल है, शायद ही प्रदेश की किसी नगरपालिका का हो। इस नगरपालिका के पास करोड़ों का बजट है लेकिन अधिकारी तो यहां टिकता ही नहीं है। ऐसे में कैसे लोगों के कार्य होंगे।

समाजसेवी मुकेश सोनी का कहना है कि कभी यहां सचिव नहीं रहता तो कभी एमई व बीआई नहीं रहता। इतनी जल्दी ये लोग कैसे ट्रांसफर करा ले जाते हैं समझ नहीं आता। जब अधिकारी ही स्थाई तौर पर नहीं रहेंगे तो शहर का तो बंटाधार होना स्वाभाविक है। समाजसेवी टेकचंद सैनी ने कहा कि सरकार यहां स्थाई तौर पर अधिकारियों की नियुक्ति करें। आया राम, गया राम के सिस्टम से जनता प्रभावित होती है।

इस सिस्टम से लोगों का सरकार व प्रशासन से भी विश्वास कमजोर होता है। मार्केट कमेटी पूर्व उपाध्यक्ष महेंद्र गोयल का कहना है कि मार्केट यहां की नगरपालिका के पास विकास कार्यों को लेकर करोड़ों रूपये राशि है। लेकिन यहां अधिकारी तो कोई टिकता ही नहीं। सिफारिशी यहां आते हैं। जब तक मना करा काम किया व जब मन करा चलते बने। इस सिस्टम से शहर का कैसे सौंदर्यकरण होगा।

गुरू नानक देव जयंती पर नगर कीर्तन और लंगर नहीं

गुरुग्राम। सिख समुदाय के संस्थापक गुरु नानक देवजी की जयंती यानि कि प्रकाश पर्व का आयोजन सोमवार को शहरी व ग्रमीण क्षेत्रों स्थित गुरुद्वारों में धूमधाम से मनाया जाएगा। गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटियों द्वारा प्रकाश पर्व की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस बार इस पर्व पर नगर कीर्तन व भंडारे का आयोजन नहीं किया जाएगा। कोरोना के चलते यह निर्णय लिया गया है।

शहर के गुरुद्वारा श्रीगुरु सिंह सभा के संतोख सिंह साहनी व गुरमीत सिंह का कहना है कि गुरु नानकजी के 551वें प्रकाश पर्व को लेकर अखंड पाठ गुरुद्वारों में रखे हुए हैं। ये पाठ भी चल रहे हैं। कोरोना

गुरु नानक देवजी का 551वां प्रकाश पर्व सोमवार को मनाएंगे

महामारी के प्रकोप से बचाव के लिए जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के पालन के तहत इस बार नगर कीर्तन का आयोजन नहीं होगा और न ही विशाल लंगरों का आयोजन श्रद्धालुओं के लिए किया जा सकेगा। श्रद्धालुओं से भी आग्रह किया गया है कि वे मास्क का इस्तेमाल करें और 2 गज दूरी नियम का पालन भी अवश्य करें। सैनिटाइजर की व्यवस्था भी गुरुद्वारा परिसर में की गई है।

संक्षिप्त समाचार

विधायक लीला राम ने वर्चुअल रैली को किया संबोधित

कैथल। विधायक लीला राम ने कहा कि हरियाणा में पंचायती राज व्यवस्था में पिछड़ा वर्ग-क को पंचायती राज संस्थाओं में आठ प्रतिशत आरक्षण देकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सर्व वर्ग हितैषी होने का परिचय देते हुए समाज का मान बढ़ाया है। इस व्यवस्था से बीसी-ए वर्ग को आगे बढने् के अवसर मिलेंगे। विधायक लोक निर्माण विश्राम गृह के परिसर में बीसी-ए वर्ग को 8 प्रतिशत आरक्षण मिलने के उपलक्ष पर आयोजित वर्चुअल रैली में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से वर्चुअल रैली को संबोधित किया। विधायक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने पिछड़ा वर्ग के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं। पूर्व की सरकारों ने हमेशा ही पिछड़ा वर्ग की अनदेखी की है, पहली बार ऐसा हुआ है कि पिछड़ा वर्ग-क की आवाज को भाजपा सरकार और मनोहर लाल मुख्यमंत्री ने सुना और उसको लागू करने का कार्य भी किया। यह आरक्षण हरियाणा में पंचायती राज संस्थाओं में लागू हुआ है। उन्होंने कहा कि मैं पिछड़ा वर्ग से संबंध रखता हूं, एक गरीब परिवार से हूं और मैंने हमेशा पिछड़ा वर्ग के लिए लड़ाई लड़ी है।

बारात में हवाई फायरिंग करने के आरोपी की नहीं हुई पहचान

सोहना। सोहना सदर थाना पुलिस 72 घंटा से भी अधिक समय बीत जाने के बाद बारात में हवा में फायरिंग करने वाले आरोपी न तो पहचान कर सकी है। पुलिस आरोपी की पहचान होने व जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का दावा कर रही है। मालूम रहे कि 26 नवंबर को गांव खरौदा में शादी समारोह में वरमाला के अवसर पर हवा में फायरिंग कर दी गई थी। दो राउंड चली गोलियां से पांच बेटियां जख्मी हो गई थी। जिन्हे गुरुग्राम व दिल्ली के अलग-अलग अस्पतालों में दाखिल कराया था। घायल बेटियों की अस्पतालों से डॉक्टरों ने उपचार देने के बाद घर के लिए छुट्टियां कर दी गई है। जिसमें एक बेटी जिला फरीदाबाद के ही गांव मेवला महाराजपुर की निवासी थी। मामले की जांच कर रहे एसआई देवेन्द्र सिंह ने बताया कि बारात में वरमाला के दौरान हवाई फायरिंग करने वाले आरोपी की 90 फीसदी पहचान हो गई है। जिसे जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेश चंद ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही हथियार लाइसेंसी था या अवैध पूछताछ से ही खुलाशा होगा। जिस समय हवा में फायरिंग की गई थी। उसम समय आरोपी ने शराब पी रखी थी या अन्य कोई रंजिश में फायरिंग की थी। यह सब बातों का खुलासा आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही हो सकेगा। पुलिस जल्द से जल्द आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए भरस्क प्रयास कर रही है।

मछलियों का शिकार कर रहे लोग

रादौर। पश्चिमी यमुना नहर में गांव कांजनू के पूल के पास पिछले कई दिनों से भारी संख्या में लोग अवैध तरीके से मछलियों का शिकार कर रहे हैं। दिनभर लोग नहर के पुल के नजदीक मछलियों का अवैध रूप से शिकार करने में लगे रहते हैं, लेकिन नहरी विभाग कुंभकर्णी नींद सोया हुआ है। जिसका लाभ उठाकर काफी संख्या में हर रोज लोग दूर दूर से गांव कांजनू में आकर बेखौफ मछलियों का अवैध तरीके से शिकार करने में लगे हुए हैं। जिससे लोगों में विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर भारी रोष है। क्षेत्र निवासी राजवीर, विक्की, प्रदीप, रामकुमार आदि ने बताया कि नहर में इन दिनों पानी बहुत कम है। ऐसे में लोग नहर में घुसकर अवैध तरीके से जाल द्वारा मछलियों का शिकार कर रहे हैं। उनकी मांग है कि नहर में अवैध तरीके से मछलियों का शिकार करने वाले लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाये।

फर्दों में हेराफेरी कर बैंक से लिया 10 लाख का लोन, केस दर्ज

रादौर। हरियाणा ग्रामीण बैंक रादौर से एक व्यक्ति ने भुमि की फर्दों में हेराफेरी करके षडयंत्र के तहत बैंक से 10 लाख रूपये का लोन लेकर हड़प लिया। बैंक द्वारा मामले को लेकर संबंधित व्यक्ति को नोटिस भेजे गये, लेकिन संबंधित व्यक्ति द्वारा बैंक से ली गई राशि को वापिस नहीं लौटाया गया। जिसके बाद रादौर पुलिस ने बैंक के पूर्व मैनेजर की शिकायत पर एक व्यक्ति के विरूद्ध धारा 420, 467,468, 471 व 120बी के तहत मामला दर्ज किया है। मामले में नामजद व्यक्ति को पुलिस द्वारा अभी गिरफ्तार नहीं किया गया है। हरियाणा ग्रामीण बैंक रादौर के पूर्व मैनेजर प्रदीप पंजेटा खरकाली ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 27 जनवरी 2016 को सुरेशपाल ने बैंक से अपनी भुमि को रहन करके 10 लाख रुपये का लोन लिया था, लेकिन उसने लोन नहीं चुकाया। बाद जांच करने पर पाया गया कि सुरेशपाल ने पहले भी अपनी इस भूमि पर दूसरे बैंक से लोन लिया हुआ था। उसने अपनी भूमि की फर्द में हेराफेरी करके फिर से उसी भुमि पर उनके बैंक से लोन लेकर हेराफेरी की है। मामले की जांच के बाद आगामी कार्यवाही की जायेगी।

चेयरमैन रणधीर गोलन करेंगे विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ

कैथल। हरियाणा पर्यटन निगम के चेयरमैन रणधीर गोलन 30 नवंबर को दोपहर 12 बजे गांव हाबड़ी के गुरुद्वारा में जनसभा को संबोधित करेंगे। उनके निजी सचिव संजीव कुमार ने बताया कि चेयरमैन रणधीर गोलन 1 दिसम्बर को 2 बजे पूंडरी शहर में सीवरेज सिस्टम का शुभारंभ करेंगे। इसके उपरांत 3 बजे गांव जड़ौला व 4 बजे पोबाला में बोरवैल का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने बताया कि 2 दिसंबर को 3 बजे पाई गेट पूंडरी कम्युनिटी हॉल में गली का शुभारंभ करेंगे। चेयरमैन 3 दिसंबर को 12 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बनाए जाने वाले वाले रिहायशी मकानों का शिलान्यास करेंगे व 4 दिसंबर को गांव पाई में 2 बजे कबड्डी अकैडमी का शिलान्यास करेंगे।

कला प्रेमियों को मिला एक भव्य मंच

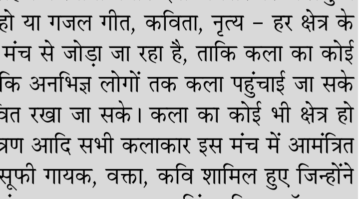

कैथल। स्थानीय माइलस्टोन सीनियर सेकेंडरी स्कूल कैथल में रविवार को नगर के कलाकारों एवं सांस्कृतिक, साहित्यिक अभिरुचि रखने वाले लोगों का जमावड़ा हुआ। जिसमें प्रधान पद डॉ प्रद्युम्न भल्ला व उप प्रधान विश्वजीत के हांथों में सौंपा गया। राज बेअकल को प्रेस-प्रचार और डिजाइनिंग का दायित्व सौंपा गया। वहीं कुनाल और रविंदर रवि कैशियर के पद पर व अतुल शर्मा को महासचिव नियुक्त किया गया। महिला प्रतिनिधि वंदना शर्मा को व कुमार सुशील को सांस्कृतिक सचिव का पदभार ग्रहण करवाया गया। इस अवसर पर डॉ प्रद्युम्न भल्ला ने कहा कि सूफी गायन हो या गजल गीत, कविता, नृत्य - हर क्षेत्र के अभिरुचि रखने वालों को इस मंच से जोड़ा जा रहा है, ताकि कला का कोई भी क्षेत्र अछूता न रह पाए। ताकि अनभिज्ञ लोगों तक कला पहुंचाई जा सके व मृत होती कलाओं को जीवित रखा जा सके। कला का कोई भी क्षेत्र हो जैसे गायन, वादन, लेखन, चित्रण आदि सभी कलाकार इस मंच में आमंत्रित हैं। बैठक में कई उच्कोटी के सूफी गायक, वक्ता, कवि शामिल हुए जिन्होंने अपनी-अपनी कला से समा बांधा। इस अवसर पर रविंद्र रवि व डॉ प्रद्युम्न भल्ला और संजीव कुमार ने भी अपनी प्रस्तुति दी। सुलोचना वत्स ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत सत्कार व मंच को अपनी गतिविधियों के लिए स्थान देकर किया। डॉ प्रद्युम्न भल्ला ने अतुल वत्स और उनकी माता सुलोचना वत्स का आभार व्यक्त किया।

स्थानीय निकाय चुनाव में भी पिछड़ा वर्ग को मिले आरक्षण: विधायक

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

वर्चुवल रैली के दौरान विधायक सर्राफ ने संबोधन में कहा, मुख्यमंत्री से करेंगे मांग

पूर्व मंत्री एवं वर्तमान में भिवानी से विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि पिछड़ा वर्ग के लिए पंचायत चुनाव में आठ प्रतिशत और पंचायत समिति में कम से कम दो सीटें आरक्षित करना मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा लिया गया एक ऐतिहासिक निर्णय है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री से स्थानीय निकाय चुनाव में भी पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की मांग की जाएगी।

सर्राफ आज रविवार को हिसार में आयोजित पिछड़ा वर्ग की वर्चुवल रैली के दौरान स्थानीय हनुमान जोहड़ी धाम मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने पंचायत चुनाव में आठ प्रतिशत आरक्षण के साथ-साथ जिला परिषद व ब्लॉक समिति में कम से कम दो सदस्यों आरक्षित किए हैं। इससे बीसी वर्ग ए को राजनैतिक रूप से आगे बढने् के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में भागीदार विछड़ा वर्ग ये के लोगों को हर तरह से मजबूती प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग में कारपेंटर यानि छोटा-छोटा काम करने वाले लोग शामिल हैं, जिनका कहीं भी प्रतिनिधित्व नहीं है, जबकि इन लोगों का भी प्रतिनिधित्व बनता है। उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ग के लोगों का ऊंचा उठाने के लिए समान रूप से अवसर प्रदान कर रही है।

उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव की तरह स्थानीय निकाय चुनाव में पिछड़ा वर्ग के लिए कम से कम दो सीटों के आरक्षण की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार अंत्योदय की भावना के साथ काम कर रही है।

भाजपा के जिलाध्यक्ष एडवोकेट शंकर धूपड़ ने कहा कि सरकार न केवल आरक्षण के माध्यम से पिछड़ा वर्ग या अनुसूचित जाति के वर्ग के लोगों को आगे बढाने का काम कर रही है, बल्कि सरकार ने करोंड़ों परिवारों के घर में गैस चूल्हा जलाने व बिजली के कनेक्शन दिलवाने का काम किया है। पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल सोनी के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम का मंच संचालन निगरानी समिति के चेयरमैन धीरज सैनी ने किया।

संक्षिप्त समाचार

शालीग्राम की बारात में जमकर थिरकी महिलाएं

सोनीपत। मन्दिर श्रीठाकुर द्वारा में रविवार को तुलसी शालीग्राम का विवाह कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ लिए गए आठवें संकल्प और बिना दहेज विवाह करने के संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ। वर पक्ष की ओर से वीना-पवन तनेजा व वधु पक्ष की ओर से वंती केएल बत्रा ने श्रद्धालुओं को सैनेटाइज करके मास्क लगवाकर शादी समारोह का आयोजन किया। कोरोना महामारी के चलते एक परिवार से एक व्यक्ति को शादी में बुलाया गया। युवतियों ने ढोल नगाड़ों की थाप पर जमकर नृत्य किया। बारात में डांडिया, डांस का श्रद्धालुओं ने खूब आनन्द लिया। शालीग्राम की बारात में महिलाएं जमकर थिरकीं। इस दौरान श्रीराधा कृष्ण की मनोहारी झांकी ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कल्याण नगर, ऋषि नगर व बत्रा कॉलोनी निवासियों ने अपने घरों की छत पर खड़े होकर बारात पर पुष्पवर्षा कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। प्रभातफेरियों में प्रतिदिन शामिल रही 31 महिलाओं को कोरोना वीरांगना का सम्मान दिया गया।

कच्चे क्वार्टर में लगाया कोविड जांच कैंप

सोनीपत। जिला व्यापार मंडल सोनीपत की पहल पर सिविल अस्पताल सोनीपत की ओर से सिविल सर्जन डॉक्टर जसवंत पुनिया की देखरेख में एक कोविड जांच कैंप का आयोजन दुर्गा मंदिर, कच्चे क्वार्टर सोनीपत में लगवाया। जिला व्यापार मंडल सोनीपत के प्रधान संजय सिंगला ने बताया कि बाजारों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए सबके हित को देखते हुए सभी मार्केट में अलग-अलग कैम्प लगाने का निर्णय लिया गया है। आज के इस कैम्प में 51 कोविड टेस्ट किये गए। इस मौके पर डा. आदर्श शर्मा, डा. गिन्नी,डॉक्टर सोनू त्यागी, अरुण आंतिल, संजय वर्मा, जवाहर चांदना, नरेश छाबड़ा, कमल शर्मा आदि मौजूद रहे।

गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर मिलेगा पैक्ड लंगर

भिवानी। जगतगुरु श्रीगुरू नानक देव का 551वां प्रकाशोत्सव की भिवानी में सोमवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान इंद्रमोहन ने बताया सोमवार सुबह 10 बजे श्रीगुरु ग्रंथ साहिब के अखण्ड पाठ और भोग डाला जाएगा। दोपहर 2 बजे तक कीर्तन दरबार का आयोजन होगा। जिसमे रागी जथे गुरुबानी के माध्यम से गुरु के संदेशों को संगतों तक पहुंचाएंगे। गुरु नानक देवजी के जीवन के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए इस बार लंगर की पैकिंग व्यवस्था भी की गई है ताकि अधिक भीड़ इकट्ठा न हो। गुरद्वारा सिंह सभा के मुख्य ग्रंथि गजराज सिंह ने संगतों से अपील करते हुए कहा इस गुरुपर्व के मौके पर गुरुद्वारा परिसर में मास्क पहनकर आएं व सोशल डिस्टेंस का विशेष ख्याल रखे।

आमजन की समस्याओं को दूर करना ही प्राथमिकता : मदान

सोनीपत। युवा समाजसेवी एवं कांग्रेस नेता निखिल मदान शहर के तारा नगर में आयोजित जलपान कार्यक्रम में पहुंचे। लोगों की जन समस्याओं को सुना। कार्यक्रम में लोगों ने निखिल मदान का फूल मालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने कॉलोनी की मुख्य समस्याओं को निखिल मदान के सामने रखा। लोगों ने बताया कि तारा नगर में अंदर की गलियां बेहद संकरी हैं, जहां सीवरेज जाम होने कि समस्या विकट रूप ले चुकी है। सीवरेज पाइप का साइज कम होने के चलते हमेशा मुख्य लाइन बंद रहती है। वहीं कालोनी की कई गलियों में स्ट्रीट लाइट न होने और खराब होने की समस्या भी लोगों द्वारा उठाई गई। लोगों ने निखिल मदान द्वारा चलायी जा रही सीवरेज सफाई मशीन से सफाई करवाने के लिए उनका आभार जताया। समस्याओं को सुनने के बाद निखिल मदान ने लोगों को आश्वासन दिया कि दिसम्बर माह में निगम चुनाव के बाद सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करवाया जाएगा। नगर निगम चुनाव को पिछले पांच सालों से लटकाया जा रहा है, जिस वजह से स्थानीय जन प्रतिनिधियों को नहीं चुना जा रहा और लोग बिजली पानी की समस्याओं के लिए दर-दर भटक रहे है। कार्यक्रम में संदीप हुड्डा, रामधारी हुड्डा, बलबीर प्रधान, आर के धवन, रमेश हुड्डा, शर्मा पेठे वाले, सुनील शर्मा, जयपाल प्रधान, सोनी, प्रदीप धनखड़, संदीप, दिनेश समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सामाजिक कार्यो में हिस्सेदारी बनाती है महान : रमेश नारंग

तरावड़ी। श्रीसनातन धर्म सभा के मुख्य संरक्षक तथा समाजसेवी रमेश नारंग ने कहा है कि किसी भी व्यक्ति की महानता सामाजिक कार्यों से ही साबित होती है। सामाजिक कार्यों में हिस्सेदारी निभाने वाले ही महान कहलाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सदियों काल से समाज भाईचारे और सौहार्द से बनता आया है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को सामाजिक कार्यो में रूची दिखाते हुए समाज को मजबूत बनाने का काम करना चाहिए। कुबेर राइस मिल में बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि श्रीसनानत धर्म सभा का निर्माणाधीन कृष्णा भवन अपनी अलग पहचान बनाएगा। भवन के निर्माण के बाद इसका लाभ पूरे नगर के लोग उठा पाएंगे। उन्होंने कहा कि श्री सनानत धर्म सभा नगर की सबसे प्राचीन सभा है लेकिन हर्ष की बात यह है कि पिछले कुछ सालों से जिस तरह श्री सनातन धर्म सभा की कार्यकारिणी और सदस्यों ने एक बड़े भवन के निर्माण का बीड़ा उठाया है यह अपने आप में एक मिसाल है। मुख्य सरंक्षक रमेश नारंग ने लोगों से यह भी अपील की कि वह कोरोना की दूसरी लहर को हल्के में न लें। भारत सरकार लोगों के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर है। दो गज की दूरी और मास्क जरूरी पर अमल जरूर करें। रमेश नारंग ने सभा के सदस्यों को भरोसा दिलाया कि इस निर्माण कार्य में उनसे जो भी सहयोग बन पड़ेगा, वह उस जिम्मेदारी को हमेशा दिल से निभाएंगे। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष सतीश गुलाटी, सचिव हरीश चावला, मुख्य प्रबंधक शाम गिरधर तथा पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मण सेठी भी मौजूद थे।

16 दिसम्बर तक मतदाता दर्ज कराएं दावे तथा आपत्तियां

भिवानी। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार एक जनवरी 2021 को आधार तिथि मानकर फोटोयुक्त मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त जयबीर सिंह आर्य के मार्गदर्शन में सभी बूथों पर यह कार्य किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा के निर्देशानुसार एक जनवरी 2021 को आधार तिथि मानकर फोटोयुक्त मतदाता सूची का विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण किया जाना है। आयोग की हिदायतानुसार 16 नवंबर से 15 दिसंबर तक दावे तथा आपत्तियां प्राप्त की जानी है। संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान 28 व 29 नवंबर एवं 12 व 13 दिसंबर (शनिवार-रविवार) विशेष दिन तय किए गए हैं, जिसमें सभी बूथों पर बीएलओ द्वारा सुबह 9 बजे से सांय 5 बजे तक पुनरीक्षण कार्य किया जाना है।

धरनास्थल पर स्वच्छता में किसी प्रकार की ढिलाई न हो : डीसी

धरनास्थल पर गंदगी मिलने पर मामले को पूरी गंभीरता से लिया जाएगा

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

कोविड-19 के बचाव के लिए धरना स्थल पर संबंधित विभाग कहीं पर भी कोताही ना बरतें। यदि महामारी की रक्षा एवं सुरक्षा के लिए धरनास्थल पर किसी विभाग की कोताही को पूरी गंभीरता से लिया जाएगा। कोविड-19 के इस दौर में धरनास्थल पर एकत्रित किसानों के स्वास्थ्य के बारे में पूरी गंभीरता बनाए रखें।

उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने नगर निगम को आदेश दिए कि धरनास्थल पर साफ-सफाई एवं स्वच्छता में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि धरनास्थल पर साफ-सफाई एवं स्वच्छता के लिए समुचित संख्या में कर्मचारी लगाए जाए तथा कूडा उठान के लिए हाथों की रेहड़ी का प्रयोग करें तथा कूड़ा उठाकर रेहड़ी में डालकर बड़ी डस्टबीन में खाली करें और डस्टबीन भरते ही बिना किसी देरी के डस्टबीन को खाली करवाकर चिन्हित स्थान पर पुन: स्थापित की जाए। उपायुक्त ने रेडक्रॉस को निर्देश दिए कि धरनास्थल पर 10 एम्बुलेंस स्थापित होनी चाहिए, ताकि किसानों को अविलम्ब स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सके। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को कहा कि धरना स्थल पर चल ई-शौचालय की समुचित व्यवस्था करवाएं।

रोड पर फैली गंदगी को एकत्रित करता सफाई कर्मचारी।

उन्होंने कहा कि धरनास्थल की वजह से आस-पास के लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न आए इसके लिए संबंधित सभी विभाग अपनी सेवाएं क्षेत्र में पूर्ण रूप से चुस्त दुरूस्त रखें, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए कार्रवाई अमल में लाई जा सके।

किसान आन्दोलन के समर्थन में सीटू और किसान सभा गांवों में चलाएगी अभियान

भिवानी। किसान आन्दोलन के समर्थन में सीटू व किसान सभा गांवों में अभियान चलाने का निर्णय संयुक्त बैठक में किसान सभा राज्य उपाध्यक्ष मास्टर शेर सिंह की अध्यक्षता में लिया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए सीटू राज्य कोषाध्यक्ष कामरेड विनोद कुमार व किसान सभा जिला प्रधान करतार ग्रेवाल ने कहा की भाजपा सरकार किसान विरोधी काले कानून लागू कर किसानी व खेती को बर्बाद करने में तुली हुई हैं। किसान आत्महत्या करने पर मजबूर होगा।

सरकार इन काले कानूनों को लागू होने से किसान को आजादी मिलने के दावे में बिल्कुल भी सचाई नही है। किसान पहले भी आजाद था, मगर अब भाजपा सरकार ने किसानो को बर्बाद करके अडानी, अम्बानी को लाभ पहुंचाने के लिए काले कानून बनाये हैं। जिससे न केवल किसानों को बर्बाद कर देगी बल्कि दूसरी ओर आम जनता की भी लूट की सीधी छूट मिल जाएगी।

आवश्यक वस्तु अधिनियम को खत्म करने का खामियाजा आवश्यक वस्तुओं को महंगे दामों के रूप में भुगतना पड़ रहा है। किसानों के उपर पुलिसियां लाठीचार्ज, वाटर कैनेन, आसू गैस के गोले दागे गए लेकिन किसान जिन्दगी से खेलते हुए अपनी खेती बचाने के लिए दिल्ली प्रवेश कर गए। काफी किसान नेताओं पर झुठे मुकदमें दर्ज कर जेलो में डाला गया उसके बावजूद भी किसान पीछे नही हटे। किसान आन्दोलन में पंजाब के किसान ने सहादत भी दी लेकिन मोदी सरकार के कानों पर कोई जू नही रेंगी हैं।

देशभक्तों के वारिसों को अराजक तत्व कहना अनुचित: कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता वेदप्रकाश विद्रोही ने मुख्यमंत्री मनोहरलाल द्वारा आंदोलनरत किसानों को अराजक तत्व कहे जाने व उन पर संगीन धाराओं के तहत मामले दर्ज करने पर कड़ा एतराज जताते हुए कहा है कि बरोदा विधानसभा उपचुनाव में हुई हार के बाद उनका दीमागी संतुलन ठीक दिखाई नहीं दे रहा है। यही कारण है कि वे किसानों को अप्रत्यक्षरूप से खालिस्तानी भी बता रहे हैं।

विद्रोही ने जारी एक बयान में कहा कि बेहद दुख की बात है कि सीएम मनोहरलाल हरियाणा के किसानों को हरियाणवी मानने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा पुलिस के जुल्मों का सामना करते हुए दिल्ली जाते समय सैकड़ों किसानों के खिलाफ पुलिस ने नामजद एफआईआर दर्ज कर संगीन धाराओं में मुकदमें दर्ज किए हैं, जो सरासर गलत है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि जिन जांबाज किसानों के पुरखों ने अंग्रेजी हुकूमत से टक्कर लेकर भारत को आजादी दिलवाई उन देशभक्तों के वारिसों को अराजकतत्व कहना किसी भी तरह उचित नहीं है। विद्रोही ने कहा सीएम मनोहरलाल की नजरों में शायद संघी ही हरियाणवी है।

गांव नीमड़ीवाली ने किसान आंदोलन का दिया समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

नीमड़ीवाली से किसान आंदोलन में हर घर से होगी भागीदारीः राकेश आर्य

जिले के गांव नीमड़ीवाली में आज रविवार को सूबेदार उमेद फोगाट व मिरसिंह सिंहमार की अध्यक्षता में गांव की पंचायत में निर्णय लिया किया कि दिल्ली में चल रहे किसान आंदोलन को पूरा गांव हर तरह से सहयोग करेगा। भारतीय किसान यूनियन के जिला प्रधान राकेश आर्य ने बताया कि किसान विरोधी तीन कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर किसान ने दिल्ली कूच किया और दिल्ली में धरना दिया। उन्होंने बताया, किसानों को समर्थन देने को लेकर गांव नीमड़ीवाली में पंचायत हुई, जिसमें पंचायत में सर्व सहमति से फैसला लिया गया कि गांव नीमड़ीवाली तन-मन-धन से किसानों के साथ है और गांव के प्रत्येक घर से एक सदस्य दिल्ली में चल रहे किसान आंदोलन में भाग लेगा। प्रधान राकेश ने कहा कि सरकार का किसान के प्रति बहुत की खराब रवैया है ओर किसानों पर आंसू गैस व वाटर कैनन का प्रयोग निंदनीय है। उन्होंने कहा कि किसानों को मजबूत करने लिए वे किसान आंदोलन में भागेदारी के लिए गांव कितलाना, अजीतपुर, ढाणा-लाडनपुर ओर ढाणा नरसाण के ग्रामीणों से मिले और उन्होंने भी आंदोलन में सहयोग देने लिए आश्वासन दिया।

किसान-मजदूर आंदोलन के चलते बीजेपी का विरोध जारी: हरपाल

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

बाबा सुखा सिंह के मुख्यमंत्री को आमंत्रित करना किसानों-मजदूरों के साथ ज्यादती बताया

किसान-मजदूर आन्दोलन का रोष झेल रही बीजेपी सरकार को करना पड़ सकता है एक और भारी विरोध का सामना। जानकार सूत्रों से पता चला है कि आने वाली 30 नवम्बर 2020 को मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का करनाल में गुरुपर्व समागम में आने का कार्यक्रम है।

जैसे ही यह खबर किसान-मजदूर जत्थेबंदियों को पता चली, उन्होंने मनोहर लाल खट्टर को घेरने का कार्यक्रम बनाया है। हरपाल सिंह जलमाना ने करनाल में प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि जैसे बीजेपी के खिलाफ किसानों में रोष है। उसी तरह मनोहर लाल खट्टर को वहां बुलाने वाले आयोजकों के खिलाफ भी भारी रोष है। सिख समाज व किसानों-मजदूरों द्वारा आयोजकों को अपील करके मुख्यमंत्री का कार्यक्रम रद्द करने की जोरदार अपील की गई है, लेकिन उसके बावजूद भी आयोजक मुख्यमंत्री को कार्यक्रम में आमंत्रित करते हैं तो उसके लिए वह खुद जिम्मेवार होंगे। इस पर हरपाल सिंह जलमाना ने डेरा कार सेवा के प्रमुख बाबा सुखा सिंह के खिलाफ सिक्ख संगत में फैले भारी रोष का भी हवाला दिया और सिक्ख समाज की मान मर्यादा व सिद्धांत को तोड़ने का आरोप लगाया क्योंकि दो वर्ष पहले ही करनाल के ही गांव डाचर गुरुद्वारा में कार्यक्रम देने के बाद वहां ना पहुंचने पर सिक्ख संगत की बेअदबी हुई थी व उस पर सिक्ख समाज में भारी रोष पैदा हो गया था जो कि आज तक वो भी जारी है। किसानों-मजदूरों का भी भारी रोष खट्टर सरकार के खिलाफ है। आज किसान सड़कों पर बैठा है और दिन रात परेशानी झेल रहा है।

किसानों के खिलाफ 307, 302 तक के झूठे मुकदमे कराए जा रहे हैं। उनको केन्द्र सरकार द्वारा अभी-अभी लाए तीन किसान-मजदूर व व्यापारी विरोधी काले कानून वापस करने के लिए जो शांतमय ढंग से प्रदर्शन किया जा रहा है। इसलिए ऐसे मौके पर बाबा सुखा सिंह द्वारा मुख्यमंत्री को समागम में आमंत्रित करना किसानों-मजदूरों के साथ ज्यादती होगी।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

तजुर्बा है हमें क़ाबू में हम हालात कर लेंगे
ये जो धरने पे बैठे हैं ये क्या सुकरात कर लेंगे
अभी जल्दी नहीं कोई अभी जाते हैं हम दक्षिण
चुनावों की फ़सल को काट लें फिर बात कर लेंगे

सीएम खट्टर डेरा कार सेवा के लिए गुरूद्वारा में आए तो होगा विरोध : अंग्रेज पन्नू एडवोकेट

गुरूनानक साहिब ने अपने समय के दौरान वक्त के बादशाह बाबर को जाबर कहा था

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

गुरुद्वारा शहीद बाबा जंग सिंह जी सेक्टर-6, मेन जी.टी. रोड करनाल में पत्रकार वार्ता के दौरान युवा सिक्ख नेता गुरजीत सिंह ठरवा माजरा व अंग्रेज सिंह पन्नू ने साझे ब्यान में कहा कि किसान आन्दोलन के चलते अगर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल डेरा कार सेवा में आते हैं तो उनका पुरजोर विरोध किया जायेगा। क्योंकि गुरुनानक साहिब ने अपने समय के दौरान वक्त के बादशाह बाबर को जाबर कहा था।

जो भोली-भाली जनता के ऊपर अत्याचार कर रहा था। उस वक्त गुरुनानक साहिब को जेल भी जाना पड़ा। हम भी गुरु नानक साहिब के सिक्ख हैं अगर बीजेपी सरकार किसानों पर अत्याचार कर रही है तो हम भी बीजेपी का पुरजोर विरोध करेंगे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हरियाणा ने बीते 25 से 27 नवम्बर के बीच हरियाणा से गुजरते नैशनल हाईवे पर किसानों के साथ जो बर्ताव किया वो बहुत ही दुर्भाग्यपुण है, जो बर्दाश्त के काबिल नहीं, क्योंकि जहां ठण्ड में किसानों के उपर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया गया वहीं पर आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए। सरकार की ओर से बड़े-बड़े पत्थर व मिट्टी के डिग/पहाड़ बना कर किसानों का रास्ता रोका गया जो कि शांतमय तरीके से अपनी मांगों को लेकर दिल्ली में प्रदर्शन करने जा रहे थे।उन्होंने कहा कि हरियाणा के इतिहास में पहला ऐसा मुख्यमंत्री आया है जो सड़कें बनाने की जगह उन्हें उखाड़ कर उनमें गड्ढे खोद रहा है ताकि किसानों का रास्ता रोका जा सके। नेशनल हाईवे जो कि केन्द्र की सम्पत्ति है उसे हरियाणा सरकार ने उसे बेवजह बाधित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री तथा सोशल मीडिया पर वायरल हुई खबर कि ये आन्दोलन खालिस्तानियों का आन्दोलन है, की कड़े शब्दों में निन्दा की। हरियाणा सरकार को आडे हाथों लेते हुए कहा कि यह किसानों का आन्दोलन है जो कि अपने हकों की जायज मांगों को लेकर दिल्ली में धरना लगाए बैठे हैं।

उन्होंने सरकार से मांग की हैं कि जो झूठे मुकदमें किसानों पर दर्ज किए हैं उन्हे फौरन वापस लिया जाए। उन्होंने डेरा कार सेवा गुरुद्वारा के प्रबंधकों से आग्रह किया है कि जो डेरा कार सेवा गुरुद्वारा में मुख्यमंत्री को कार्यक्रम है उसे रद्द किया जाए। इस मौके पर मुख्य गुरजीत सिंह ठरवा माजरा, अर्शदीप सिंह, गुरविन्द्र सिंह, अजायब सिंह, राजिन्द्र सिंह विशेष रुप से उपस्थित रहे।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

हैदराबाद की जंग

भाजपा की तेलंगाना पर नज़र

शहर के निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने चोटी के नेता मैदान में उतार कर स्पष्ट कर दिया है कि वह 2023 में तेलंगाना पर विजय पाना चाहती है। केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा एक के बाद दूसरे राज्य पर कब्जा करने के लिए प्रयासरत है। जिस प्रकार वह बंगाल में अति-सक्रिय है और किसी कीमत पर वहां विजय पाना चाहती है, उसी प्रकार दक्षिण के राज्यों में भी कब्जा जमाने को प्रयासरत है जहां उसका कर्नाटक पर शासन है। उसने 1 दिसंबर को होने वाले ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कार्पोरेशन-जीएचएमसी चुनाव में प्रचार के लिए अपने दिग्गज नेताओं को मैदान में उतार दिया है। इनमें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी.नड्डा, कई केन्द्रीय मंत्री तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हैं। पार्टी अपने मतदाताओं को एकजुट कर इसे तेलंगाना विधानसभा पर कब्जे का प्रवेशद्वार बनाना चाहती है। भाजपा हैदराबाद में केवल चार वार्ड जीत सकी थी, जबकि तेलंगाना राष्ट्र समिति-टीआरएस के कब्जे में 99 तथा असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम का 44 वार्डों पर कब्जा था। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 17 सीटों में से चार पर विजय पा सकी थी। हालांकि, 2014 में उसकी केवल एक सीट थी। दुबक्का विधानसभा उपचुनाव में विजय से भाजपा को उम्मीद बंधी है कि वह अब यहां अपना प्रसार कर सकती है। यह मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव-केसीआर के विधानसभा क्षेत्र से सटी सीट है जहां भाजपा की विजय से मनोवैज्ञानिक प्रभाव पैदा हुआ है। राज्य में कांग्रेस की पूरी तरह बरबादी को देखते हुए भाजपा उसके स्पेस पर कब्जा करना चाहती है। हैदराबाद एक साइबर हब है और इस दृष्टिकोण से उसका स्थान बैंगलुरू के निकट है।

भाजपा यहां कब्जा कर स्वयं को डिजिटल रूप से सशक्त भारत में ज्ञान अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधि बनाना चाहती है। हैदराबाद का व्यापक मुस्लिम चरित्र भाजपा के हिंदुत्व के खिलाफ है। यदि भाजपा यहां मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने में सफल होती है तो यह उसकी विचारधारा की विजय भी होगी। इससे भाजपा को ओवैसी से मुक्ति पाने में भी सहायता मिलेगी जिन्होंने सेक्युलर शक्तियों की कीमत पर अपनी राजनीति चमकाई है। अब तक ओवैसी को भाजपा की बी टीम तथा वोटकटवा कहा जाता है, लेकिन अब महाराष्ट्र और बिहार में विस्तार के बाद वे केवल हैदराबाद तक सीमित नहीं हैं तथा बंगाल में भी अपना विस्तार करना चाहते हैं। हैदराबाद में जीतने का अर्थ ओवैसी को उनके घर तक सीमित करना होगा। यह भाजपा नेता तेजस्वी सूर्या के बयानों से स्पष्ट है जो ओवैसी को मुहम्मद अली जिन्ना का अवतार बताते हैं। इस प्रकार नगर निकाय चुनाव में स्थानीय मुद्दों के अलावा पाकिस्तान, ओसामा बिन लादेन, आतंक, रोहिंग्या, आदि पर बातें हो रही हैं।

इस परिदृश्य में केसीआर की क्या स्थिति है? उन्होंने संसद में महत्वपूर्ण विधेयक पास कराने में भाजपा की सहायता की और विवादास्पद मुद्दों पर तटस्थ रहे। लेकिन 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा की भारी विजय के बाद अब उसे सहयोगियों के बजाय राज्यों में अपनी शक्ति बढ़ाने की जरूरत महसूस हो रही है। बिहार के जनादेश ने दिखा दिया है कि मोदी के व्यक्तित्व का आकर्षण बना हुआ है और ऐसे में राव को अपने राज्य में नेता के रूप में अपनी छवि मजबूत करनी होगी। उन्होंने इसके लिए धार्मिक के बजाय सामाजिक मुद्दों पर जोर दिया है तथा जनता के अधिकारों को महत्वपूर्ण माना है। टीआरएस ने भाजपा-विरोधी बयानबाजी तेज कर हर वार्ड में अपनी विजय सुनिश्चित करने का प्रयास किया है। केसीआर जानते हैं कि अभी भाजपा की बंगाल में तृणमूल कांग्रेस से कड़ी टक्कर है और वह दिल्ली में आम आदमी पार्टी-आप को नहीं हरा सकी है। केसीआर को हिंदू-मुस्लिम जाल में नहीं फंसना तथा उन सामाजिक लक्ष्यों को पुनर्जीवित करना चाहिए जिनके पक्ष में वे खड़े थे। हिंदू वोट गंवाने के भय से वे ओवैसी से दूरी बना रहे हैं। केसीआर को चुनाव में सार्वजनिक क्षेत्र की ट्रेड यूनियनों का समर्थन प्राप्त है।

नाजुक मोड़ पर बंगाल की राजनीति

अभी भी बहुत सी समस्याएं हैं जिनसे भाजपा के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है यह सुनिश्चित करना कि 2019 में जो समर्थन पश्चिम बंगाल में उसने हासिल किया था वह न केवल बना रहे बल्कि अतिरिक्त वोट भी हासिल हो सकें।

स्वपन दासगुप्ता
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं सांसद हैं)

कुछ पाश्चात्य लोकतंत्रों के विपरीत जहां राजनीतिक दलों के साथ जुड़ाव आजीवन बने रहने की प्रवृत्ति होती है, एक्टिविस्टों के लिए राजनीतिक संबद्धता में अच्छी-खासी तरलता पाई जाती है। ऐसा अंशतः इसलिए - अपवादस्वरूप कांग्रेस, भाजपा, कम्युनिस्ट एवं चंद क्षेत्रीय दलों को छोड़कर, भारत में दलीय व्यवस्था अभी भी उद्विकसित हो रही है और व्यक्तियों पर अत्यधिक निर्भर होती है। इसके अतिरिक्त, चूंकि राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति के लिए की जाती है, और मेरा अर्थ यह नहीं है कि यह बात निंदा का विषय है, व्यक्ति राजनीतिक दलों को अपने लक्ष्यों की पूर्ति के साधन के तौर पर देखते हैं। परिणामस्वरूप, किसी भी राजनीतिक दल का राजनीतिक दीर्घवृत्त अनवरत रूप से राजनीतिक दलों के बीच लोगों के आवागमन का साक्षी बनता है। आज, उदाहरण के लिए, राम मनोहर लोहिया के पूर्ववर्ती अनुयायी लगभग सभी राजनीतिक दलों में पाए जाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि भारतीय समाजवादियों का राजनीतिक दल सृजित करने एवं उनका पोषण करने का भयावह रिकार्ड रहा है।

आने वाले चुनाव सामान्य तौर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं के लिए वफादारियां बदलने का अवसर होते हैं। ऐसे दलबदलों को जनमत का बैरोमीटर भी माना जाता है, चूंकि अपने राजनीतिक भविष्य पर निगाह लगाए स्थानीय नेता संभावित रूप से जीतने वाले पक्ष की ओर जाने को उद्यत रहते हैं। जनवरी 1977 में, जगजीवन राम, हेमवती नंदन बहुगुणा और नंदी सत्पथी द्वारा कांग्रेस से दल बदलकर चले जाने से राजनीतिक भूचाल आ गया जिसकी चरम परिणिति इंदिरा गांधी की पराजय के रूप में हुई।

इस अवस्था में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार से सुवेंदु अधिकारी के त्यागपत्र के प्रभाव की प्रत्याशा करना कठिन है। त्यागपत्र से पहले कई महीनों तक तनावपूर्ण संबंधों का दौर चला जो राजनीतिक अवस्थापना में मुख्यमंत्री के भतीजे अभिषेक बनर्जी की भूमिका पर केंद्रित था। अधिकारी ने, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख के पुराने समय के सहयोगियों के साथ, अभिषेक की बढ़ती ताकत एवं उन्हें नुकसान पहुंचाने के उसके प्रयासों का विरोध किया था। मुकल रॉय, जो कभी तृणमूल कांग्रेस में नंबर-2 माने जाते थे, ने पार्टी छोड़कर 2017 में भाजपा का दामन थाम लिया था। अब अधिकारी, जिनका मिदनापुर के दो जिलों में अच्छा-खासा प्रभाव है, ने पाला दिल लिया है। यद्यपि वो अभी भी नाममात्र के तौर पर तृणमूल में ही हैं, कुछ ही समय बचा है जब वो अन्य लोगों के साथ पार्टी छोड़ देंगे। वो भाजपा में शामिल होने में ज्यादा लंबा समय नहीं लेंगे।

पिछले 18 महीनों में, लेकिन मुख्यतः 2019 के आम चुनावों के पश्चात जब यह देखकर सभी आश्चर्यचकित रह गए थे कि भाजपा ने राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 18 पर जीत हासिल कर ली और 40 प्रतिशत लोकप्रिय मत हासिल किए, भाजपा पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के लिए बड़ी चुनाती बनकर उभरी है। भाजपा, जो राज्य में कभी मामूली हैसियत रखती थी और स्थानीय राजनीति में उसकी वास्तविक मौजूदगी नहीं हुआ करती थी, ने वामपंथी दलों व कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया है। 2019 के आम चुनाव में, वामपंथ का जनाधार काफी सिकुड़ गया था और उसका काफी बड़ा हिस्सा भाजपा के खाते में चला गया।

वहां पर अभी भी बहुत सी समस्याएं हैं जिनसे भाजपा को पार पाना होगा यदि वह अगले ग्रीष्मकालीन विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस को पछाड़ना चाहती है। इनमें से सर्वाधिक महत्वपूर्ण है यह सुनिश्चित करना कि 2019 में जो 40 प्रतिशत समर्थन उसने हासिल किया था वह न केवल बना रहे बल्कि अतिरिक्त वोट भी हासिल हो सकें। यह एक चुनौतीपूर्ण संभावना है क्योंकि तृणमूल कांग्रेस सरीखे क्षेत्रीय दल लोकसभा चुनावों की तुलना में विधानसभा चुनावों में ज्यादा बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वामपंथ, जिसका प्रदर्शन 2019 के चुनावों में बहुत खराब रहा था और राज्य में लोकसभा की एक भी सीट जीत नहीं पाया, जैसा कि 1952 से पहली बार हुआ, पर आज वामपंथ भी उम्मीद रखे हुए है कि कांग्रेस के साथ उसका गठबंधन विधानसभा चुनावों में उसके लिए लाभकारी साबित होगा। ऐसी स्थिति में, भाजपा के पास दो विकल्प हैं।

सर्वप्रथम, उसे तृणमूल कांग्रेस के वर्तमान जनाधार में सेंध लगाने की आवश्यकता है। 2019 के लोकसभा चुनावों में, भाजपा अधिकारी परिवार के गढ़ माने जाने वाले पूर्वी मिदनापुर में भीतर तक प्रविष्ट होने में विफल रही थी। अधिकारी परिवार के सदस्यों ने जुमलुक और कोंताई की सीटें जीती थीं। इसके अतिरिक्त तृणमूल ने घटाल सीट पर जीत हासिल की थी। यदि अधिकारी परिवार के सदस्य भाजपा में शामिल हो जाते हैं, तो भगवा पार्टी पश्चिम बंगाल के पैमानों पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए बेहतर स्थिति में आ जाएगी। यदि सुवेंदु अधिकारी को आवश्यकता है कि भाजपा राज्य में अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता प्रदर्शित करे, भाजपा को अपनी पूर्व अस्तित्वमान ताकत में इजाफा करने के लिए संपूर्ण पूर्वी इलाके व पूर्वी मिदनापुर में प्रभाव जमाने की आवश्यकता होगी। भाजपा में वे लोग जिनका मानना है कि अन्य दलों को छोड़कर आने वालों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए क्योंकि पार्टी के अपनी वर्तमान ताकत पर जीतने की बात यथार्थपरक नहीं है। समर्थन में ऐसे महत्वपूर्ण अंतराल हैं जिन्हें भाजपा को पाटना होगा, कोलकाता के इर्द-गिर्द नगरीय गुच्छ इसके महत्वपूर्ण उदाहरण हैं, यदि वह 2021 में कोलकाता में सरकार बनाने की उम्मीद रखती है।

दूसरे, भाजपा की यह धारणा महत्वपूर्ण है कि तृणमूल कांग्रेस अपने स्वयं के अंतरविरोधों के बोझ तले टूट रही है। किसी भी चुनाव में विभिन प्रकार के प्रभाव होते हैं जहां अनिर्णय की स्थिति से गुजर रहे मतदाता उस पार्टी की ओर चले जाते हैं जो स्पष्ट लाभ की स्थिति में नजर आती है। पश्चिम बंगाल के मुस्लिम समुदाय में, जहां मतदाताओं की सामर्थ्य 27 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक है, अहम भूमिका अदा करती है। यह तबका भाजपा की पहुंच के बाहर है ओर तृणमूल कांग्रेस के समर्थन में खड़ा है, सिर्फ तीन जिलों को छोड़कर जहां कांग्रेस का प्रभाव है। यदि ऐसा होता नजर आए कि ममता का नैया डगमगा रही है, तो मुस्लिम मतदाताओं में या तो वामपंथ-कांग्रेस गठबंधन अथवा उन मुस्लिम दलों की ओर जाने की होड़ पैदा होगी जो मुसलमानों को स्वतंत्र आवाज देने के लिए आक्रामक ढंग से प्रचार कर रहे हैं। वैकल्पिक रूप से, भाजपा से खतरे को भांपकर, मुस्लिम समुदाय वापस तृणमूल कांग्रेस की ओर मजबूत मताधार बनकर जा सकता है। हालांकि, मुसलमान मतदाताओं के समक्ष गैर-तृणमूल विकल्प रखना कठिन होगा यदि धारणा सत्ताधारी दल के पक्ष में जाती है। यही कारण हैं कि सुवेंदु अधिकारी ड्रामे के अगले कुछ कदमों को निकट से देखे जाने की आवश्यकता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति बहुत नाजुक दौर में पहुंच गई है।

आंकड़ा सुरक्षा की आवश्यकता

> “ भारत को डेटा सुरक्षा की आवश्यकता समझते हुए फेसियल आइडेंटीफिकेशन तकनीक के प्रयोग पर सहमति बनाने का प्रयास करना चाहिए। ”

कुणाल किसलय
(लेखक इंटीग्रेटेड विजार्ड साल्यूशंस के

कोविड-19 महामारी ने अनेक उद्यमों को किसी प्रकार अपना जीवन बचाने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने प्रभावी व सुरक्षित रूप से काम करने के लिए कंप्यूटर विज़न जैसी तकनीकें अपनाने का प्रयास किया है। कंप्यूटर विज़न सीसीटीवी नेटवर्क का प्रयोग कर एक कार्ययोजना बनाता है। अनेक कार्यालयों ने कांटैक्टलेस हाजिरी की व्यवस्था शुरू की है जहां फेस आइडेंटीफिकेशन तकनीक के प्रयोग से कैमरा मास्क लगाए व्यक्ति को भी पहचान लेता है। फेसलेस तकनीक का प्रयोग कोरोनावायरस संक्रमण का फैलाव रोकने के लिए भी हो रहा है, लेकिन इस तकनीक के विस्तार ने विश्व स्तर पर नस्ली भेदभाव का दुरुपयोग जैसी आशंकाओं को भी जन्म दिया है। अश्वेत समुदाय के लोगों के खिलाफ अनेक प्रकार के पूर्वाग्रहों को देखते हुए अमेरिकी डेमोक्रेटिक पार्टी के विधि-निर्माताओं ने एक कानून पेश किया है जिसमें कानून लागू करने वाली परिसंघीय एजेंसियों द्वारा फेसियल रिकग्नीशन तकनीक पर प्रतिबंध लगाने को कहा गया है।

भारत ने अभी देशव्यापी स्तर पर फेस रिकग्नीशन तकनीक कार्यक्रम की शुरुआत नहीं की है। ऐसे चरण पर हमें दूसरों की गलतियों से सीख लेकर ऐसे कानून बनाने चाहिए जो शक्तिशाली तकनीक पर लगाम लगाएं ताकि हमारे नागरिकों की स्वतंत्रता व निजता का हनन न हो सके। फेसियल रिकग्नीशन तकनीक के ऐसे अनेक प्रयोग हैं जो पूरी तरह हानिरहित दिखते हैं। उदाहरण के लिए फेसबुक टैग इसका प्रयोग चित्रों में व गूगल फोटो चेहरों के अनुसार संगठन में करते हैं। इस तकनीक ने इमैजिनेशन प्रक्रिया को सुरक्षित, सरल और तेज बना दिया है। इसमें 160 देशों से एकत्रित सूचना का प्रयोग कर अपराधियों

का डेटाबेस बनाया गया है। इससे 650 से अधिक गायब लोगों की पहचान 2016 में की गई थी। आज इसका प्रयोग अनेक क्षेत्रों में हो रहा है। निजता और निगरानी के सरोकार अनेक प्रकार के नस्ली भेदभाव तथा सूचनाओं के अवैध प्रयोग से पैदा हुए हैं। मिशिगन में एक निरपराध व्यक्ति को पूरा दिन पुलिस हिरासत में बिताना पड़ा था क्योंकि फेस रिकग्नीशन व्यवस्था ने गलती से उसे एक दूकान में चोरी करने वाला बता दिया था। अश्वेत लोगों की गलत पहचान करने के अनेक उदाहरण हैं। इसका कारण यह है कि श्वेत लोगों की तुलना में अश्वेत लोगों के बारे में अनेक गलत गणनायें गलत नतीजे निकालती हैं। अनेक प्रदर्शनों व ब्लैक लाइव्स मैटर्स आंदोलन के कारण कानून द्वारा संघीय फंडिंग के लिए फेस रिकग्नीशन तकनीक पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव किया गया है। अमेरिका की सीमा के बाहर इस तकनीक का प्रयोग अवैध होगा। प्रस्तावित कानून का उल्लंधन करने वाली प्राप्त सूचना का प्रयोग न्यायिक कार्यवाहियों में नहीं हो सकेगा। इसमें स्पष्ट रूप से अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात कही गई है। नस्ली भेदभाव के मामले अमेरिका में चिन्ता के कारण हैं और मई में जार्ज फ्लायड की हत्या के बाद फेस रिकग्नीशन तकनीक पर भी निशाना लग रहा है। अनेक अध्ययनों से पता चला है कि यह अश्वेत लोगों तथा खासकर अश्वेत महिलाओं की पहचान में अधिकतम गलतियां करती है, जबकि श्वेत पुरुषों की पहचान में ठीक काम करती है।

भारत में विभिन्न रंगों वाली त्वचा के लोग हैं, लेकिन दंड न्याय प्रणाली उनके रंग के कारण भेदभाव पर आधारित नहीं है। हम जाति, नस्ल, आर्थिक स्तर व धर्म के आधार पर भेदभाव करते हैं। ऐसे में भारत में फेस रिकग्नीशन साफ्टवेयर अमेरिका की तरह खतरा नहीं पैदा करता है। लेकिन तकनीक के दुरुपयोग से निजता पर खतरे की बात कही जाती है। सीबीएसई व भारतीय रेलवे बड़े पैमाने पर फेस रिकग्नीशन तकनीक का प्रयोग करने वाले संस्थान हैं। बैंगलुरू रेलवे स्टेशन में एक शक्तिशाली सीसीटीवी व्यवस्था हे जो अपराधियों का डेटाबेस तैयार करने में फेस रिकग्नीशन तकनीक का प्रयोग करती है। तकनीक की हर चरण पर निगरानी करनी पड़ती है। भारत में कुछ लोग इसके कारण डेटा सुरक्षा तथा सूचनाओं के दुरुपयोग को लेकर चिन्तित हैं।

तकनीक में प्रगति को देखते हुए सामाजिक असुरक्षा की संभावित स्थितियों पर गौर करना होगा। हमें डेटा निजता, संरक्षण व नैतिकता पर ध्यान देना होगा ताकि मजबूत कानूनी ढांचा बना कर बायोमीट्रिक व फेसियल रिकग्नीशन साफ्टवेयर के दुरुपयोग से बचा जा सके। पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल, 2019 की समीक्षा कर इसे कानून बनाना चाहिए। फेसियल रिकग्नीशन तकनीक के साथ काम करने वाले लोगों को डेटा फीडिंग व इसके आधार पर नतीजे निकालने में सावधानी बरतनी होगी। हमें इस तकनीक के प्रयोग पर सहमति जुटानी होगी। लगातार सुधार से गलतियां पूरी तरह दूर होने की उम्मीद है। उचित नीतियों व कानून से फेस रिकग्नीशन तकनीक कानून को अंधा नहीं रहने देगी क्योंकि कानून लागू करने वाली एजेंसियां चौबीसों घंटे लाखों सीसीटीवी के माध्यम से देश भर में सुरक्षा सुनिश्चित कर सकेंगी।

आप की बात

यह कैसा स्वागत ?

अक्सर यह देखा गया है कि जब कोई नेता, विधायक, मंत्री किसी आपराधिक प्रकरण में दोषी पाए जाते हैं और उन्हें जेल होती है। जमानत होते ही बधाई और स्वागत का सिलसिला शुरू हो जाता है जो यह सोचने को मजबूर करता है कि अपराध आखिर कौन सी बहादुरी का काम है? इस तरह के प्रयास नैतिक पतन के साथ ही गुनाहों को पोषण देने वाले हैं। भोपाल के विधायक की अग्रिम जमानत की अर्जी मंजूर होने पर स्वागत किया जाना समझ से परे है। जाहिर है कि 30 अक्टूबर को भोपाल विधायक द्वारा भीड़ एकत्रित करके फ्रांस का ध्वज और राष्ट्रपति का पुतला जलाया गया था।इतना ही नहीं विधायक ने केंद्र के मंत्रियों की रीति नीति पर भी सवाल उठाए थे। बात यहां से भी आगे बढ़ी और जोश में भरे विधायक हिंदुस्तान में ईट से ईट बजाने का दावा कर गए। इस मामले को लेकर विधायक के साथ ही 400 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। आरिफ फरार रहे और हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मिलने पर कांग्रेस कार्यालय पहुंचे जहां उनका मंत्रोचार के साथ स्वागत तिलक लगाकर और आरती उतार कर किया गया जो निश्चित रूप से अपराध को संरक्षण देने जैसा है। ऐसे में सख्त कार्रवाई से ही घटनाओं की पुनरावृति रुक सकेगी।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

सायबर अपराध पर अंकुश

सायबर अपराधों पर नकेल कसने जे लिए ग्रह मंत्रालय का नया फेम वर्क सरहानीय और सार्थकता भरा साबित होगा। सायबर अपराध और अपराधियों पर सख्ती से नकेल कसने के लिए भारत सरकार ने एक नया फ्रेमवर्क तैयार किया है। जो जनता को सायबर अपराधों से निजात दिलाएगा।नए फ्रेमवर्क के अन्तर्गत देश , प्रदेश, और शहरी स्तर पर एक आम नागरिक या संस्था सायबर अपराध की रोकथाम और जागरुकता में सरकार के साथ जुड़कर अपना योगदान दे सकते है। भारत सरकार के ग्रह मंत्रालय भारतीय सायबर अपराध समन्वयन केंद्र ने इसके लिए एक राष्ट्रीय स्तर का पोर्टल तैयार किया। देश हित मे इस पोर्टल से जुड़ने के लिए तीन श्रेणियां रखी गई है। बहुत ही बढ़िया कारगर प्रयास सायबर अपराधों को रोकने के लिए किया। और इसमे आम नागरिक या समाज सेवी संस्थाएं सुरक्षा के दृष्टिकोण से रजिस्ट्रेसन करवाकर निश्चित ही इन अपराधों पर कदमताल मिलाकर, सरकार का साथ देकर सायबर अपराधों को नेस्तनाबूद कर सकते है। इस अनुकरणीय पहल की बहती गंगा में 152 लोगो ने रजिस्ट्रेशन करवाकर मप्र सरकार के साथ कदमताल मिलाकर सायबर अपराधों को रोकने की पहल भी की।

– **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

मोदी बनाम भाजपा

प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद से ऐसा प्रतीत हो रहा, जैस प्रधानमंत्री मोदी जी पार्टी से ऊपर हैं। हम अक्सर सुनते हैं बीजेपी सरकार नहीं बल्कि मोदी सरकार। हाल ही में हुए कई सम्मेलन में हमने प्रधानमंत्री मोदी जी को ही शिरकत करते हुए देखा। चाहे वो व्यापार से जुड़े हो या फिर स्वास्थ्य से, सभी में प्रधानमंत्री को मीटिंग करते हुए देखा गया। ऐसा प्रतीत होता है जैसे प्रधानमंत्री को अपने पर औरों से ज्यादा विश्वास है। व्यापार समझौतों में प्रधानमंत्री जी बिना वित्त मंत्री के निवेशकों को लुभाने में लगे हैं।उसी प्रकार से पिछले कुछ दिनों में हमने देखा कि प्रधानमंत्री जी सीरम इंस्टीट्यूट गए, कॉविड वैक्सीन की जानकारी ली लेकिन वहां भी हमने स्वास्थ्य मंत्री को नहीं देखा। तो क्या मोदी जी की छवि एक विचारधारा बन गई है, जो पार्टी और उसके ऊपर है। अगर ऐसा है तो बीजेपी कि नैया तभी तक तैरेगी जबतक प्रधानमंत्री मोदी देश की राजनीति में हैं। अब यह तो देशवासियों को ही तय करना है कि वे देश में मोदी सरकार चाहते हैं या बीजेपी सरकार?

– **अमन जायसवाल**, दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

“ **किसानों** की समस्याएं वास्तविक हैं। इसीलिए स्टेडियमों को जेलों में रूपांतरित करने के दिल्ली पुलिस के अनुरोध को ठुकराया जा रहा है।

– **दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री**
सत्येंद्र जैन

विरोध प्रदर्शन अधिकार के प्रयोग हेतु किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति के निर्णय का में स्वागत करता हूं। अब उन्हें बातचीत की पहल करनी चाहिए।

– **कैप्टन अमरिंदर सिंह**
पंजाब के मुख्यमंत्री

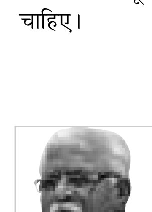

केंद्र सरकार किसानों से बात करने के लिए हमेशा तैयार है। बातचीत से ही समाधान निकलेगा।

– **मनोहर लाल खट्टर**
हरियाणा के मुख्यमंत्री ”

राजस्थान का बाजरा नहीं खरीदेगा हरियाणा

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने एक बार फिर से पड़ोसी राज्य राजस्थान की सरकार की सरकार को बाजरे की खरीद के मुद्दे पर चेताया है। सीएम ने साफ किया है कि राजस्थान के किसानों का हरियाणा में बाजरा नहीं खरीदा जाएगा।

हरियाणा के जो भी किसान अथवा आढ़ती इस फर्जी खरीद में लिप्त होंगे उनके विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। पिछले कई दिनों से किसानों के एमएसपी का मुद्दा छाया हुआ है। हरियाणा सरकार पड़ोसी राज्य पंजाब तथा राजस्थान की कांग्रेस सरकारों को उन फसलों का एमएसपी देने के मुद्दे पर घेर चुकी है जिनका केंद्र नहीं दे रहा है। हरियाणा सरकार बाजरा समेत अन्य पांच फसलों पर राज्य द्वारा निर्धारित एमएसपी दे रही है।

हरियाणा में इस सीजन के दौरान बाजरे की खरीद 2150 रुपये प्रति क्विंटल की दर से हो रही है जबकि पड़ोसी राज्य राजस्थान की मंडियों में 1300 रुपये के हिसाब से बाजरा बिक रहा है। जिसके चलते राजस्थान के किसान हरियाणा के सिरसा, हिसार, नारनौल-महेंद्रगढ़ आदि की मंडियों में बाजरा लेकर आ रहे हैं। हरियाणा सरकार ने इसका संज्ञान लेते हुए सीएमओ के अधिकारियों ने ट्वीट करके कहा है कि राजस्थान के किसान हरियाणा की मंडियों में बाजरा लेकर आ रहे हैं।

8वीं से 12वीं तक के छात्रों को मिलेगा फ्री में टैबलेट

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा से जोड़ने के लिए सरकार का ऐतिहासिक कदम : ईश्वर सिंह

जननायक जनता पार्टी के विधायक की मांग को पूरा करते हुए प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य सरकार सरकारी स्कूलों के 8वीं से 12वीं कक्षा तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों को फ्री में टैबलेट देगी।

विधायक ईश्वर सिंह ने इस फैसले के लिए गठबंधन सरकार का आभार जताते हुए इसे ऐतिहासिक बताया है। दरअसल, गुहला से जेजेपी विधायक ईश्वर सिंह ने एससी,एसटी व ओबीसी वर्ग की विधानसभा कमेटी के चेयरमैन के तौर पर ये मांग उठाई थी। ईश्वर सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश के सरकारी स्कूलों में आठवीं से बारहवीं कक्षा में पढ़ाई कर रहे छात्रों को निशुल्क टैब देने का जो फैसला किया है उसकी वे सराहना करते है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में ऐसा पहली बार हुआ है कि हरियाणा विधानसभा की किसी कमेटी ने कोई बड़ा ऐतिहासिक फैसला लागू करवाया है। जेजेपी विधायक ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते लगभग पिछले एक साल से विद्यालयों व महाविद्यालयों में पड़ने वाले गरीब परिवारों के बच्चे पढ़ाई व परीक्षा से वंचित चले आ रहे थे, जिसे देखते हुए उन्होंने एससी/एसटी / पिछड़ा वर्ग की विधानसभा कमेटी के माध्यम से सरकार से प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षा ग्रहण कर रहे गरीब छात्रों को निशुल्क टैब उपलब्ध करवाने की मांग रखी थी। उन्होंने कहा कि गरीब परिवार के बच्चों के पास ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण करने के लिए उपकरण उपलब्ध न होने के चलते उनकी शिक्षा प्रभावित हो रही थी, इसको लेकर विधानसभा कमेटी में शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव व वित्त विभाग के सचिव को बुलाया गया। इस मामले में उन्होंने हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री से मिलकर टैब वितरण व्यवस्था को त्वरित अमल में लाने का अनुरोध भी किया था। ईश्वर सिंह ने कहा कि जून माह में विधानसभा कमेटी के दोबारा गठन के बाद तुरंत इस प्रयोजन को लेकर विधानसभा कमेटी द्वारा सम्बंधित उच्च अधिकारियों को बुलाया गया था और इस मांग को लेकर वे निरंतर प्रयासरत रहे। उन्होंने कहा कि गरीब छात्रों के शिक्षा हित में सरकार द्वारा निशुल्क टैब उपलब्ध करवाए जाने की घोषणा के लिए वे विशेषकर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने उनके द्वारा दिए गए सुझाव व मांग को स्वीकार किया और इस फैसले से विशेष तौर पर अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग व समान्य जाति के बच्चे लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि इससे ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और बच्चे शिक्षा से वंचित नहीं रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

कमला देवी को सर्वसम्मति से बनाया प्रधान

कुरुक्षेत्र। भारतीय योग संस्थान कृष्णा जिला ने एक और जिले का गठन किया जिसको ब्रह्मसरोवर जिले का नाम दिया गया। जिले में गायत्री चेतना केंद्र जोन, धन्ना भगत पब्लिक स्कूल जोन एवं पुरुषोत्तम पुरा बाग जोन एवं पिहोवा जॉन को सम्मिलित किया गया। जिले का प्रधान, सेवा सिंह को उपप्रधान, प्रेम शर्मा को मंत्री, चतर सिंह जांगड़ा को संगठन मंत्री व नफे सिंह को कोषाध्यक्ष, डॉक्टर बाला मलिक को प्रचार मंत्री चुना गया। फतेह सिंह पंचाल को जिले का संरक्षक व डॉ ओम प्रकाश शर्मा को मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया। चुनाव राज्य संगठन मंत्री डॉ मनीष कुकरेजा व कृष्णा जिला प्रधान मान सिंह के देखरेख में संपन्न हुआ। ब्रह्मसरोवर जिला की प्रधान कमला देवी ने कहा कि हम भारतीय योग संस्थान के जिले को एक आदर्श जिला बनाने का पूरा पूरा प्रयास करेंगे। इस अवसर पर सुरेंद्र शर्मा, कमलेश शर्मा, धर्मवीर, हेम सिंह राणा, देवी दयाल सैनी, मिया सिंह, राजकुमार, धर्मेंद्र, सुशील मोदी उपस्थित थे।

कोरोना जागरुकता अभियान के तहत बांटे मास्क

कुरुक्षेत्र। सर्वसमाज कल्याण सेवा समिति ने दूसरे दिन भी कोरोना एवं टीबी जागरूकता अभियान जारी रखा। रविवार को संस्था के सदस्यों ने प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर सैनी की अध्यक्षता में अर्जुन चौक ब्रहम सरोवर पर मजदूरों को मास्क बांटे। अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में कृष्णा गेट थाना प्रबन्धक सुनील वत्स मौजूद रहे। इस अभियान की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध समाज सेवी सरदार बलजीत सिंह धुराली ने की। थाना प्रबंधक सुनील वत्स ने मास्क वितरण कर अभियान की शुरूआत की। सुनील वत्स ने लोगों से अपील की कि लोग केवल चालान से बचने के लिए मास्क ना पहने बल्कि कोरोना नाम की वैश्विक महामारी से अपने आपको व अपने परिजनों को बचाने के लिए मास्क का प्रयोग करें। सरदार बलजीत सिंह धुराली ने कहा कि प्रधानमंत्री दिन रात एक कर इस महामारी से देश को मुक्त करने के प्रयासो में लगे है। संस्था के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर सैनी ने बताया कि संस्था द्वारा गांवों एवं शहर में कोरोना एवं टीबी से बचाव के तरीकों पर लोकनायक जय प्रकाश हस्पताल के तत्वावधान में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। संस्था के प्रेस प्रवक्ता तरूण कुमार ने कहा कि इस प्रकार के अभियान आगे भी जारी रहेंगे। इस मौके पर सरदार वीर सिंह धुराली, ओमप्रकाश, सुभाष चंद्र प्रधान एंटी क्राइम करप्शन, कन्नू प्रिया सैनी मौजूद रहे।

गुरु नानकजी के दिखाए मार्ग पर चल कर सेवा करें : रंगा

कुरुक्षेत्र। गांव कलसाना में महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षा विकास ट्रस्ट द्वारा गुरु पूर्व को मनाया गया। ट्रस्ट की महिला प्रदेश अध्यक्ष व वार्ड नंबर 2 से जिला परिषद की उम्मीदवार स्वीटी रंगा ने कहा कि हम सब को गुरु पर्व पर संकल्प लेना चाहिए कि हम मिलकर देश और समाज की सेवा करें, त्याग की भावना रखें, एक दूसरे की सहायता करें और आपस में भाईचारा बनाए रखें। रंगा ने कहा कि जो गरीब व दिव्यांग परिवार हैं उनके बच्चों की शिक्षा के लिए हमें आगे आकर प्रयास करने होंगे, ताकि वह बच्चे भी अपना भविष्य बना सकें। ट्रस्ट के चेयरमैन मिहा सिंह रंगा ने कहा कि हम सबको श्री गुरु नानक देव जी महाराज के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज सेवा करनी चाहिए। इस मौके पर कलसाना गुरुद्वारा साहिब के प्रमुख सेवादार जोगा सिंह, जोगिंदर सिंह, प्रेम रंगा, सुनील रंगा, पंकज राहुल, साहिल संतरे, संजीव कुमार, शुभम रंगा, नैंसी, महक मौजूद रहे।

संजय शर्मा बने आम आदमी पार्टी लीगल सैल के अध्यक्ष

कुरुक्षेत्र। समाजसेवी संजय शर्मा, एडवोकेट प्रिंस मिश्रा व जसवीर गाबा ने आम आदमी पार्टी का दामन थापा है। पार्टी में उनका स्वागत करते हुए कुरुक्षेत्र जिलाध्यक्ष सुरेंद्र मित्तल ने आश्वासन दिया कि पार्टी में उन्हें पूरा मान-सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर लोग संगठन से जुड़ रहें। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार का दिल्ली मॉडल सभी को खूब बा रहा है और वहां जनसुविधाओं को देख कर लोग आम आदमी पार्टी से प्रभावित हो रहे हैं। यही कारण है कि अब हरियाणा में पार्टी का जनाधार बढ़ता जा रहा है। इस दौरान पार्टी युवा विंग उत्तर हरियाणा के अध्यक्ष गौरव बख्शी भी मौजूद रहे। उन्होंने संजय शर्मा, एडवोकेट प्रिंस व एडवोकेट जसवीर गाबा का अभिनंदन किया। इसके अलावा उन्होंने संजय शर्मा को पार्टी लीगल सेल कुरुक्षेत्र का जिलाध्यक्ष भी मनोनीत किया।

बावल के किसी भी गांव को विकास में नहीं पिछड़ने देंगे

रेवाड़ी। सहकारिता मंत्री डॉ. बनवारीलाल ने कहा कि बावल विधानसभा क्षेत्र को विकास के मामले में पीछे नहीं रहने दिया जाएगा। वह रविवार को गांव बनीपुर में बीसी चौपाल के उद्घाटन के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गांव में भी शहरों की तर्ज पर सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी। बावल विधानसभा क्षेत्र के किसी भी गांव को विकास कार्यों में पिछड़े नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि एम्स बहुत बड़ी परियोजना है, इसे अमलीजामा पहनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि सीएम मनोहरलाल के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के साथ-साथ बावल विस क्षेत्र का भी विकास हुआ है। क्षेत्र का ऐसा कोई गांव नहीं है, जिसे नहरी पेयजल योजना से नहीं जोड़ा गया हो। लोगों ने मंत्री के सामने अपनी समस्याएं रखी। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर उनका तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए। इसके बाद मंत्री ने हरियाणा पंचायती राज व्यवस्था में पिछड़ा वर्ग को 8 प्रतिशत आरक्षण मिलने पर आयोजित पिछड़ा वर्ग वर्चुअल रैली में बतौर अतिथि शिरकत की। इस मौके पर सरपंच सुलोचना, कर्मवीर सरपंच नैचाणा, प्रताप सिंह बावल के अलावा अन्य लोग उपस्थित रहे।

लव जिहाद की घटनाओं में हरियाणा दूसरे नंबर पर

हरियाणा में इसी सप्ताह शुरू होगी कानून बनाने की प्रक्रिया

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक सहयोगी विश्व हिंदू परिषद ने राज्यों के साथ-साथ केंद्र सरकार से भी लव जिहाद कानून बनाने की वकालत की है। विश्व हिंदू परिषद ने लव जिहाद की घटनाओं पर रिपोर्ट सार्वजनिक करते हुए हरियाणा पर इस मामले में जल्द कार्रवाई करने का दबाव बनाया है।

वीएचपी की रिपोर्ट के मुताबिक लव जिहाद की घटनाओं के मामले में उत्तर प्रदेश पहले तथा हरियाणा दूसरे नंबर पर है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हालही में लव जिहाद कानून लागू किया जा चुका है जबकि हरियाणा सरकार द्वारा कानून बनाने के लिए स्टडी कमेटी का गठन किया जा चुका है। हरियाणा के मेवात तथा आसपास के इलाकों में धर्मांतरण व लव जिहाद की घटनाओं के मुद्दे पर विहिप के राष्ट्रीय नेता सुरेंद्र जैन और विनोद कुमार बंसल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधमंडल मुख्यमंत्री मनोहर लाल से भी मुलाकात कर चुका है।

धर्मांतरण के मामलों में यह है राज्यों की स्थिति

राज्य का नाम	धर्मांतरण की घटनाएं
उत्तर प्रदेश	32
राजस्थान	04
उत्तराखंड	01
हरियाणा	07
छत्तीसगढ़	02
झारखंड	05
मध्यप्रदेश	01
केरल	03
दिल्ली	05
महाराष्ट्र	02
हैदराबाद	01
पश्चिम बंगाल	01
आंध्रप्रदेश	01
बिहार	02
हिमाचल प्रदेश	01

वीएचपी नेता प्रेम भाई की रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश में इनकी घटनाओं की संख्या 32 दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश सरकार के बाद हरियाणा, मध्य प्रदेश और कर्नाटक समेत कई राज्य लव जिहाद के विरुद्ध कानून बनाने पर आगे बढ़ रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के कानून में इस बात का प्रावधान किया गया है कि धर्म छिपाकर किसी को धोखा देकर शादी करने पर 10 साल की सजा दी जाएगी। लालच, झूठ बोलकर या जबरन धर्म परिवर्तन या शादी के लिए धर्म परिवर्तन को अपराध माना जाएगा। धर्म परिवर्तन के साथ अंतर धार्मिक शादी करने वाले को सिद्ध करना होगा कि उसने इस कानून को नहीं तोड़ा है। साथ ही लडकी का धर्म बदलकर की गई शादी को शादी नहीं माना जाएगा।

दूसरी तरफ कृषि आंदोलन में उलझी हरियाणा सरकार द्वारा गठित की गई कमेटी अभी तक आंदोलन के चलते अपना काम शुरू नहीं कर सकी है। कृषि आंदोलन का केंद्र अब दिल्ली बन गया है। जिसके चलते हरियाणा सरकार द्वारा गठित स्टडी कमेटी इसी सप्ताह अपना काम शुरू करेगी। हरियाणा ने तीन अधिकारियों की कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी का नेतृत्व सीनियर आइएएस अधिकारी टीएल सत्यप्रकाश कर रहे हैं।

कमेटी में आइपीएस अधिकारी नवदीप सिंह विर्क और एडीशनल एडवोकेट जनरल दीपक मनचंदा को भी शामिल किया गया है। विहिप नेता प्रेम भाई ने सभी राज्यों में लव जिहाद के मामलों की रिपोर्ट उजागर करते हुए कहा कि न केवल राज्य सरकारों बल्कि केंद्र को भी इसके विरुद्ध कड़ा कानून बनाने की जरूरत है।

आंदोलनकारी किसानों की मदद के लिए एनआरआई ने बढ़ाए हाथ

चंडीगढ़। दिल्ली सीमा पर घेरा डाले आंदोलनकारी किसानो की मदद के लिए एन आर आईं ने हाथ बढ़ाया है। एनआरआई ने इन किसानों की मदद भेजना शुरू कर दिया है। एनआरआई का कहना है कि वे किसानों के दमन पर हैरान है।

कनाडा के वर्ल्ड फाइनेंसियल ग्रुप के राजा धालीवाल ने किसानो के लंगर के लिए खालसा एड संस्था को पचास हजार कैनेडियन डॉलर भेजे है। राजा धालीवाल ने इसके लिए वीडियो संदेश भी जारी किया है। इस संदेश में उन्होंने कहा कि गुरुनानक देव के सिद्धांत के अनुसार यह कार्य किया गया है। वे किसानों का समर्थन करते हैं। उन्हें आर्थिक,सामाजिक एवं राजनीतिक समर्थन दिलाने के लिए भी काम करेंगे। कनाडा के रक्षा मंत्री हरजीत सज्जन ने ट्वीट कर कहा है कि शांतिपूर्ण आंदोलन करने वाले किसानों के साथ बर्बरता करने के समाचार परेशान करने वाले है।मेरे कई साथियों के परिवार वहा है ओर उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित है।स्वस्थ लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति दी जाती है। मै जिम्मेदार लोगो से अपील करता हू कि इस मौलिक अधिकार को बहाल करे। कनाडा की पार्टी एनडीपी के नेता जगमीत सिंह ने ट्वीट कर कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे किसानो पर भारत सरकार द्वारा की जा रही बल प्रयोग की कार्रवाई डराने वाली है।

पूर्व मंत्री रामविलास बने रेवाड़ी परिषद चुनाव प्रभारी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

निगम चुनाव लड़ने वालों से मांगे आवेदन, चुनाव आयोग कल भेजेगा सरकार को रिपोर्ट

सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी निगम व परिषद चुनाव में उतर गई है। भाजपा ने निगमों के बाद रविवार को एक पत्र जारी करके रेवाड़ी नगर परिषद चुनाव के लिए पूर्व शिक्षा मंत्री एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष रामबिलास शर्मा को प्रभारी नियुक्त कर दिया है। इसके साथ ही पंचकूला, अंबाला व सोनीपत में चुनाव लड़ने के चाहवानों से आवेदन मांग लिए गए हैं।

हरियाणा में फरीदाबाद व गुरुग्राम समेत दस नगर निगम हैं। इनमें से सात नगर निगमों के चुनाव हो चुके हैं। करीब दो साल पहले हुए पांच नगर निगम रोहतक, करनाल, हिसार, पानीपत और यमुनानगर नगर निगमों के चुनाव में भाजपा ने जीत का परचम लहराया था। वार्डबंदी तथा मतदाता सूचियां पूरी होने के अभाव में पंचकूला, सोनीपत व अंबाला नगर निगमों के चुनाव नहीं हो पाए थे। इसके अलावा अंबाला व पंचकूला नगर निगमों को तोड़ा गया है। उसमें कुछ नगर परिषद व नगर पालिका शामिल किए गए थे, लेकिन गृह मंत्री अनिल विज के विरोध के चलते अंबाला तथा स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता के विरोध के चलते पंचकूला नगर निगमों का नए सिरे से गठन हुआ है। इसलिए मतदाता सूचियां बनने का काम पूरा होते ही इन तीनों नगर निगमों में मेयर व पार्षदों के चुनाव होंगे। भाजपा इन तीनों निगमों के लिए चुनाव प्रभारियों की नियुक्तियां कर चुकी हैं। भाजपा ने तीनों नगर निगमों के लिए मेयर तथा पार्षदों का चुनाव लड़ने के इच्छुक दावेदारों से आवेदन मांग लिए। प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने बताया कि पार्टी के जिलाध्यक्षों के समक्ष यह आवेदन किए जा सकेंगे। आवेदन की प्रक्रिया सोमवार से ही शुरू होने जा रही है।

हरियाणा में होने वाले निगम चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूचियों को वार्ड स्तर पर लागू किया जा रहा है। यह कार्य 29 नवंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। सोमवार को हरियाणा में सरकारी अवकाश है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि मंगलवार को इस संबंध में तैयारी को लेकर एक रिपोर्ट सरकार के पास भेजी जाएगी। जिसके बाद चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम का ऐलान किया जाएगा।

रोटरी क्लब ने 800 लोगों को नि: शुल्क बांटे गर्म वस्त्र

देवी मंदिर के समक्ष दुकान लगाकर नि:शुल्क वस्त्र वितरित करते क्लब के सदस्य।

पायनियर समाचार सेवा। शाहाबाद मारकंडा

समाज सेवा में अग्रणी संस्था रोटरी क्लब और श्रीमद भगवती शाकुंभरी देवी मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में 800 लोगों को गर्म व अन्य वस्त्र निश्शुल्क वितरित किए गए हैं। क्लब के प्रधान एडवोकेट आरडी गुप्ता व सचिव डा. आरएस घुम्मन ने बताया कि यह वस्त्र क्लब के सदस्यों से एकत्रित किए गए और इनकी धुलाई व प्रेस करवाकर पॉलिथीन में पैक किया गया।

तत्पश्चात शाकुंभरी देवी मंदिर के समक्ष दुकान लगाकर यह वस्त्र वितरित किए गए। उन्होंने कहा कि सर्दी बढ़ती जा रही है और जरूरतमंद व असहाय लोग सड़कों पर ठिठुर रहे हैं। इस समय ऐसे लोगों को गर्म वस्त्रों की नितांत आवश्यकता है। एडवोकेट गुप्ता ने बताया कि 1500 से ज्यादा वस्त्र एकत्रित हुए हैं। अगले दो दिनों में सभी वितरित कर दिए जाएंगे। प्रधान एडवोकेट आरडी उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब का प्रयास है कि इस संस्था के माध्यम से जनसेवा में ज्यादा से ज्यादा योगदान दिया जा सके।

सचिव डा. आरएस घुम्मन ने जानकारी दी कि पिछड़ी कालोनियों में जाकर स्वेटर व शूज वितरण प्रोजेक्ट भी किया जाएगा। इस दौरान आर्य कॉलेज की छात्राओं ने सेवा कार्य में सहयोग किया। इस अवसर पर डा. आरएस घुम्मन, सुरेन्द्र जैन, महेश गोयल, डा.एसएस आहुजा, कुलदीप गुप्ता, दीपक कक्कड़, राजकुमार गर्ग, आशुतोष गर्ग, हीना, खुशबू, दिव्या, समानता, सिमरण, शिवानी, गगन व नेहा मौजूद रहे।

किसानों पर दर्ज एफआईआर रद्द कर तुरन्त रिहाई की जाए: सेलजा

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष कुमारी सेलजा ने भाजपा-जजपा सरकार से हरियाणा प्रदेश में दस हजार से ज्यादा किसानों पर दर्ज एफआईआर तुरंत वापस लेने और गिरफ्तार किसानों को तुरंत रिहा करने की मांग की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कृषि विरोधी काले कानूनों को लेकर मन की बात में दी गई दलीलों को खोखला करार दिया है। उन्होंने कहा कि देश के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा किसानों से बातचीत के लिए जो शर्त रखी गई है, उससे साफ प्रतीत होता है कि केंद्र की भाजपा सरकार की नीयत में खोट है। कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार द्वारा पहले कृषि विरोधी काले कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों पर ठंड में पानी की बौछार मारी गईं, आँसू गैस के गोले दागे गए, लाठीचार्ज किया गया। इस सरकार द्वारा किसानों पर भारी अत्याचार किए जाने के बाद अब उन्हीं पीड़ित किसानों पर एफआईआर दर्ज कर दी गई है।

खट्टर सरकार ने सभी वर्गों को बराबर मान-सम्मान दिया: कमलेश ढांडा

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री कमलेश ढांडा।

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि सरकार द्वारा सभी वर्गों को बराबर मान-सम्मान दिया जा रहा है। बीसी-ए वर्ग के लोगों को पंचायती राज संस्थाओं में 8 प्रतिशत आरक्षण देना ऐतिहासिक निर्णय है, जिससे इस वर्ग की राजनैतिक सहभागिता बढ़ेगी और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। यह वर्ग मेहनतकश समाज है और समाज के विकास में इस वर्ग का अहम रोल है।

राज्यमंत्री कमलेश ढांडा कलायत के वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप सामुदायिक भवन में आयोजित वर्चुअल रैली के अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रही थी। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हिसार से वर्चुअल रैली को संबोधित करते हुए प्रदेश वासियों को अपना संदेश दिया। इस मौके पर राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि मेहनतकश समाज के लिए सरकार द्वारा विशेष नीतियां बनाई जा रही है, ताकि किसी कारणवश पीछे रहे समाज को आगे बढ़ने का अवसर मिले। बीसी-ए वर्ग को इस आरक्षण से राजनीति में भागीदारी मिलेगी। मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा बीसी-ए वर्ग के लोगों को पंचायती राज संस्थाओं में आठ प्रतिशत आरक्षण देने के ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जिससे पिछड़ा वर्ग के लोगों को और अधिक प्रतिनिधित्व का अवसर मिलेगा। ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों तथा जिला परिषदों में महिलाओं की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए यह बिल काफी अहम साबित होगा और ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं पंचायती राज सस्थाओं में निर्वाचित होकर विकास के नए आयाम स्थापित करेंगी। उन्होंने कहा कि आने वाले पंचायतों के चुनावों में 8 प्रतिशत बीसी ए के सरपंच चुने जाएंगे, जिला परिषद में 8 प्रतिशत तथा कम से कम 2 सदस्य चुने जा सकेंगे। ब्लॉक समिति में इसी तरह से बीसी ए के सदस्य चुने जाएंगे। आमजन को भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलवाई गई है और युवाओं को योग्यता के आधार पर रोजगार दिए जा रहे हैं। इस अवसर पर बीसी ए वर्ग के लोगों ने राज्यमंत्री कमलेश ढांडा को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और आरक्षण देने पर सरकार का आभार भी प्रकट किया।

संघर्षरत किसानों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ी है एसजीपीसी : बीबी जगीर कौर

कुरुक्षेत्र से दिल्ली में आंदोलनरत किसानों के लिए लंगर का ट्रक और एंबुलेंस रवाना की

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

आंदोलनरत किसानों के लिए लंगर रवाना करती एसजीपीसी प्रधान बीबी जगीर कौर।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्रीअमृतसर की नवनियुक्त प्रधान बीबी जगीर कौर ने कहा कि पूंजीपतियों से अपनी जमीन बचाने और तीन केंद्रीय कृषि बिलों के विरोध में संघर्षरत किसानों के साथ, एसजीपीसी कंधे से कंधा मिला कर खड़ी है।

देश का पेट भरने वाले किसान को भूखा मरने के लिए नहीं छोड़ा जाएगा, उन्हें दवाइयां, कंबल, लंगर इत्यादि जो भी जरुरत होगी, वह एसजीपीसी पूरी करने के लिए वचनबद्ध है। इतना ही नहीं, जब तक इस आंदोलन में किसानों की विजय नहीं हो जाती, शिरोमणि कमेटी द्वारा यह सहायता जारी रहेगी। वे ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी कुरुक्षेत्र से दिल्ली में आंदोलनरत किसानों के लिए लंगर का ट्रक और उपचार के लिए दवाइयों समेत एंबुलेंस रवाना करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थी।

बीबी जगीर कौर ने बताया कि इतिहास गवाह है कि जब भी देश पर पर कोई विपदा पड़ी है, तो एसजीपीसी ने राहत कार्यों में बढ़-चढ़ कर सहयोग किया है। किसानों की तन-मन-धन से सेवा करना उनकी प्रमुखता है। इसके बाद धर्म प्रचार लहर, शिक्षा का विस्तार और हर व्यक्ति के लिए स्वास्थ्य सुविधा मुहैया करवाएं के लिए वे विशेष रूप से फोकस करेंगी।

इस अवसर पर एसजीपीसी अंतरिम कमेटी के सदस्य जत्थेदार हरभजन सिंह मसाना, एसजीपीसी सदस्य जत्थेदार भूपिंदर सिंह असंध, करनैल सिंह पंजौली, जत्थेदार जगसीर सिंह मांगेआना, सतविंदर सिंह टोहड़ा, अवतार सिंह रिया, रविंदर सिंह खालसा, कुलदीप कौर टोहड़ा, बीबी मनजीत कौर गधौला, बीबी अमरजीत कौर बाड़ा, बलदेव सिंह खालसा व बलदेव सिंह कैमपुर, पूर्व मंत्री सुरजीत सिंह रखड़ा, शिरोमणि अकाली दल हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष शरणजीत सिंह सोथा व महिला विंग की प्रदेशाध्यक्षा बीबी रविंदर कौर आदि मौजूद थे।

प्रेरणा

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर

धरती को चीर कर जो सोना उगाता है,
पसीने को मिट्टी में जो मिलाता है,
वो आज सड़कों पर भूखे पेट सो गया,
जो पूरी दुनिया को भोजन खिलाता है।

नेतन्याहू के आवास के बाहर 1,000 लोगों का प्रदर्शन

यरूशलम। इजराइल में करीब 1,000 प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री बेन्जामिन नेतन्याहू के इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार रात को उनके यरूशलम स्थित आवास के बाहर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारी कई महीनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि नेतन्याहू पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों और इजराइल में कोरोना वायरस से निपटने में नाकाम रहने के कारण उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। देश में दो बार लगाए गए लॉकडाउन के बाद अर्थव्यवस्था चरमरा गई है और लाखों इजराइली बेरोजगार हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों में कई ऐसे लोग हैं, जिनकी नौकरियां चली गई हैं।

कोरोना से परेशान दुनियाभर के बच्चों ने लगाई सांता से गुहार

कोरोना से परेशान दुनियाभर के बच्चों ने मांगा शांति और प्रेम

एजेंसी। लिबोर्न (फ्रांस)

साल 2020 लगभग पूरा ही कोरोना वायरस संबंधी महामारी के साए में निकल गया। इस साल कोई भी त्योहार, कोई भी अवसर पहले जैसा नहीं रहा बल्कि रोजमर्रा की दिनचर्या तक सामान्य नहीं रही। उन्मुक्त कुलांचे भरने वाले बच्चे भी वायरस के खौफ से घरों में कैद होकर रह गए।

अब दुनियाभर के बच्चों के सपनों को पूरा करने वाला त्योहार क्रिसमस करीब है और बच्चों ने अपने प्रिय सांता क्लॉज को चिट्ठियां भेज अपनी इच्छाएं और मन की बात बताई है। इन पत्रों में बच्चों ने जो बातें लिखी हैं, वे बताती हैं कि इस महामारी ने बच्चों के मन पर भी बहुत बुरा असर डाला है और एक अनजाना सा डर उनके भीतर समा गया है।

सांता को भेजे जाने वाले पत्र फ्रांस के एक डाकघर में आते हैं। इन पत्रों को छांटने वाले लोगों का कहना है कि हर तीन में से एक पत्र में कोरोना वायरस संबंधी महामारी का जिक्र है। पांच साल की अलीना ने किसी बड़े व्यक्ति की मदद से भेजे पत्र में सांता से आगे के दरवाजे से आने का अनुरोध किया और कहा कि पीछे के दरवाजे से केवल दादा-दादी आते हैं ताकि वे इस वायरस से बचे रह सकें। ताइवान के रहने वाले नन्हे जिम ने सांता को भेजे गए अपने लिफाफे में एक फेस मास्क भी डाल दिया और लिखा आई लव यू। दस वर्षीय लोला ने सांता को लिखा कि उसकी आंटी को फिर से कैंसर न हो और यह वायरस भी खत्म हो जाए। लोला ने आगे लिखा, मां मेरी देखभाल करती हैं और कभी-कभी मुझे उनके लिए डर लगता है। उसने सांता से भी अपना ध्यान रखने को कहा। दक्षिण-पश्चिम फ्रांस के एक डाकघर में इस वर्ष सांता को लिखे हजारों पत्र, कार्ड, नोट आ रहे हैं जहां इन पत्रों को छांटा जाता है और उनका जवाब भेजा जाता है। नन्हे जो ने इस बार सांता से केवल एक म्यूजिक प्लेयर और अम्यूजमेंट पार्क की टिकट मांगी है क्योंकि कोविड-19 के कारण यह साल पहले से अलग है। जो ने लिखा, संक्रमण से बचे रहने के लिए ही मैं इस बार आपसे ज्यादा कुछ नहीं मांग रहा हूं। दुनिया के किसी भी कोने से पेर नोएल यानी फादर सांता को लिखा कोई भी पत्र अपना रास्ता फ्रांस के बोर्डो क्षेत्र के इस डाकघर तक बना ही लेता है। सांता के नाम पर आने वाली सारी डाक 1962 से इस डाकघर में आती हैं। पत्र लिखकर बच्चे अपना दुख बयां कर सकते हैं। हर रोज 12,000 पत्रों के जवाब देते हुए 60 एल्फ कहते हैं कि कुछ पत्र उन्हें हिलाकर रख देते हैं। बाल मनोवैज्ञानिक एमा बैरन का कहना है कि जन्मदिन, छुट्टियां और त्योहार जैसे मौके बच्चों के बचपन को एक स्वरूप देते हैं। इस महामारी के बीच 25 दिसंबर को यह क्रिसमस बच्चों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

भारतीय सीमा के पास चीन का निर्माण उकसावे से भरा कदम : अमेरिकी सांसद

डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा, चीनी सेना का वाला एक और कदम होगा

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका के एक प्रभावशाली सांसद ने लद्दाख में भारतीय सीमा के पास चीन की जारी निर्माण गतिविधियों संबंधी खबरों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि ये खबरें सही हैं, तो यह चीन की ओर से उकसाने वाला कदम है और यह दक्षिण चीन सागर में जारी बीजिंग की गतिविधियों जैसा ही है। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास भारत और चीन के बीच मई से सैन्य गतिरोध की स्थिति बनी हुई है।

दोनों देशों की सेनाओं ने एलएसी के पास बड़ी संख्या में सैन्य बलों को तैनात किया है। इस गतिरोध को सुलझाने के लिए दोनों पक्षों ने कई दौर की वार्ता की है, लेकिन इनका कोई ठोस परिणाम नहीं निकला है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने पीटीआई से कहा, यदि यह (खबरें) सही है, तो यह चीनी सेना का जमीनी तथ्यों को बदलने के लिए उकसाने वाला एक और कदम होगा।

अमेरिकी सदन की खुफिया मामलों की स्थाई प्रवर समिति के अब तक के पहले भारतीय-अमेरिकी सदस्य कृष्णमूर्ति ने कहा कि यह दक्षिण चीन सागर में उसके (चीन के) व्यवहार की तरह है, जहां वह द्वीप बना रहा है और जहां वह तथ्यों को बदलने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि चीन की निर्माण गतिविधियों की सूचना देने वाले स्रोतों में उपग्रह से ली गई तस्वीरें भी शामिल हैं। लगातार तीसरी बार प्रतिनिधि सभा में हाल में पुनः चुने गए कृष्णमूर्ति ने कहा कि अमेरिका भारत के साथ खड़ा है।

उन्होंने कहा, मुझे यह कहना होगा कि अमेरिकी संसद और ट्रंप प्रशासन एवं आगामी बाइडन प्रशासन हिंद प्रशांत क्षेत्र में हमारे भारतीय साझेदारों के साथ खड़े हैं। कांग्रेस के सांसद ने कहा कि भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका का मालाबार अभ्यास इस बात का संकेत है कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में लोकतांत्रिक देश एक-दूसरे के साथ खड़े रहेंगे और नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का समर्थन करेंगे। कृष्णमूर्ति ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन भारत के पुराने मित्र हैं और वह भारतीय मूल की निर्वाचित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ मिलकर भारत के लिए खड़े रहेंगे।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि कमला हैरिस की भारतीय जड़ों के मद्देनजर इन संबंधों को और मजबूत बनाने का आधार बनता है। निर्वाचित विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भी भारत के पुराने मित्र हैं। वह क्षेत्र को बहुत अच्छी तरह जानते हैं। मुझे भरोसा है कि ब्लिंकन राष्ट्रपति बाइडन और उपराष्ट्रपति हैरिस के साथ मिलकर संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। कृष्णमूर्ति ने कहा, हम डेमोक्रेटिक एवं रिपब्लिकन राष्ट्रपतियों के अपनाए इस रुख को बरकरार रखेंगे कि हम क्षेत्र में भारत के साथ खड़े हैं और चीन समेत किसी भी पड़ोसी द्वारा होने वाली हर प्रकार की सैन्य कार्रवाई के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 से निपटना भारत और अमेरिका के लिए पहली प्राथमिकता होना चाहिए।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 91,699 करोड़ रुपये घटा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 91,699 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा इन्फोसिस, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक तथा भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में भी गिरावट आई।

वहीं दूसरी ओर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोटक महिंद्रा बैंक तथा बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 60,829.21 करोड़ रुपये घटकर 12,23,416.97 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी का बाजार मूल्यांकन 13,703.75 करोड़ रुपये घटकर 4,05,996.11 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का 11,020.23 करोड़ रुपये घटकर 2,52,755.97 करोड़ रुपये रह गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 5,090.54 करोड़ रुपये घटकर 3,26,225.04 करोड़ रुपये रह गई। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 1,055.27 करोड़ रुपये घटकर 4,68,779.17 करोड़ रुपये पर आ गया।

इस रुख के उलट एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 20,482.86 करोड़ रुपए बढ़कर 7,93,336.55 करोड़ रुपये पर और बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 11,181.01 करोड़ रुपये बढ़कर 2,95,466.65 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टीसीएस की बाजार हैसियत 7,335.91 करोड़ रुपये बढ़कर 10,05,320.15 करोड़ रुपये रही। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 4,135.22 करोड़ रुपये बढ़कर 5,02,147.16 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार मूल्यांकन 2,538.64 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 3,76,485.84 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 267.47 अंक या 0.60 प्रतिशत के लाभ में रहा। शीर्ष 10 की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।

कंपनियों ने 2020 में आईपीओ से 25,000 करोड़ रुपये जुटाए

नई दिल्ली। तरलता की बेहतर स्थिति तथा निवेशकों की उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया के चलते कंपनियों ने इस साल अबतक आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए करीब 25,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि 2021 में भी आईपीओ बाजार मजबूत रहने की उम्मीद है।

समीक्षाधीन अवधि में आईपीओ बाजार की गहराई बढ़ी है और विविध क्षेत्रों की कंपनियां बाजार में उतरी हैं। अब फार्मा, दूरसंचार, आईटी और वित्तीय सेवा क्षेत्र की कंपनियां भी आईपीओ बाजार में उतर रही हैं। शेयर बाजारों के पास उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि 2020 में 12 आईपीओ के जरिए करीब 25,000 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं। 2019 के पूरे साल में 16 आईपीओ के जरिए 12,362 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। 2018 में 24 कंपनियों ने आईपीओ से 30,959 करोड़ रुपये जुटाए थे।इस साल यानी 2020 में अबतक कंपनियों ने आईपीओ से 25,000 करोड़ रुपए जुटाए हैं। यह आंकड़ा अभी और बढ़ेगा क्योंकि बर्गर किंग का 810 करोड़ रुपए का आईपीओ दो दिसंबर को खुलने जा रहा है।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि इस साल आईपीओ के जरिए पिछले वर्ष की तुलना में अधिक राशि जुटाई गई है। इसकी प्रमुख वजह है कि अर्थव्यवस्था में गिरावट के बावजूद कंपनियां और खुदरा निवेशक प्राथमिक बाजार को लेकर रुचि दिखा रहे हैं। इसके अलावा कंपनियां अनिश्चितताओं की वजह से भी अपनी आगे की जरूरतों के लिए पूंजी जुटाना चाहती हैं।

कोविड-19 वैक्सीन के लाइसेंस को करें आवेदन

सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ ने कहा, आपातकालीन उपयोग लाइसेंस हासिल करने के बाद ही लागू होगी योजना

एजेंसी। नई दिल्ली

वैक्सीन बनाने वाली प्रमुख कंपनी सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया ने शनिवार को कहा कि वह भारत में एस्ट्राजेनेका और ऑक्सफोर्ड की कोविड-19 वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग के लाइसेंस के लिए अगले दो सप्ताह में आवेदन करने की प्रक्रिया में है।

सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अदार पूनावाला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बारे में एक आभासी संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने योजना पर चर्चा की, योजना के कार्यान्वयन के बारे में जो आपातकालीन उपयोग लाइसेंस हासिल करने के बाद ही लागू होगी, जो हमारे द्वारा दिए जाने वाले आंकड़ों के आधार पर जारी किया जाएगा। हम भारत के दवा महानियंत्रक के समक्ष आधिकारिक रूप से आवेदन करने की प्रक्रिया में हैं। यह पूछने पर कि क्या कंपनी ने आपातकालीन लाइसेंस के लिए आवेदन किया है, पूनावाला ने कहा, हम आपातकालीन उपयोग के लाइसेंस के लिए अगले दो सप्ताह में आवेदन करने की प्रक्रिया में है। पूनावाला ने कहा कि कंपनी लिए यह एक खास दिन था, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कंपनी के पुणे स्थित संयंत्र का दौरा किया। मोदी ने कोरोना वायरस के टीके के विकास कार्य की समीक्षा के लिए शनिवार को अहमदाबाद, हैदराबाद और पुणे का दौरा किया।

उन्होंने अहमदाबाद में जायडस बायोटेक पार्क, हैदराबाद में भारत बायोटेक और पुणे में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया का दौरा किया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, वैज्ञानिकों ने खुशी जताई कि प्रधानमंत्री ने उनके साथ मुलाकात कर उनके साहस को बढ़ाया और टीका विकास के इस महत्वपूर्ण चरण में उनके प्रयासों में तेजी लाने के लिए उत्साहवर्धन किया। मोदी ने अपने दौरे की शुरुआत अहमदाबाद के नजदीक दवा कंपनी जाइडस कैडिला के संयंत्र के दौरे के साथ की। मोदी ने ट्वीट किया, अहमदाबाद में जाइडस बायोटेक पार्क का दौरा किया और जाइडस कैडिला द्वारा विकसित किए जा रहे डीएनए आधारित स्वदेशी टीके के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त की। मैंने इस कार्य में लगी टीम के प्रयासों के लिए उसकी सराहना की। भारत सरकार इस यात्रा में उनका सहयोग करने के लिए उनके साथ सक्रियता से काम कर रही है। जायडस कैडिला ने कहा कि उसके जायडस बायोटेक पार्क में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने से उसे प्रोत्साहन मिलेगा। कंपनी ने कहा कि प्रधानमंत्री की उपस्थिति से उसे इस बात की प्रेरणा मिलेगी कि वह नहीं पूरी हो पा रही स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने की दिशा में काम करे।

कंपनी ने कहा कि 25 हजार कर्मचारियों के परिवार के साथ वह आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी ने कोरोना के संभावित टीके जायकोव-डी का विकास किया है। कंपनी ने हाल ही में अपने टीके के पहले चरण के नैदानिक परीक्षण की घोषणा की थी।

मोदी करीब एक घंटे तक संयंत्र में रहे। इसके बाद वह हवाईअड्डे के लिए निकले और वहां से 11.40 बजे हैदराबाद रवाना हो गए। मोदी हैदराबाद के नजदीक हकीमपेट वायु सेना हवाई अड्डे पर दोपहर करीब एक बजे पहुंचे। हैदराबाद में जीनोम वैली स्थित भारत बायोटेक की बीएसएल-3 (जैव-सुरक्षा स्तर-3) इकाई में टीके का विकास किया जा रहा है और यहीं इसका उत्पादन किया जाएगा।

नए कृषि कानूनों को ठीक से समझ नहीं पा रहे आंदोलनकारी किसान : नीति आयोग सदस्य

रमेश चंद ने कहा, किसानों की आमदनी बढेगी, कुछ राज्यों में तो आय दोगुना तक हो जाएगी

एजेंसी। नई दिल्ली

नीति आयोग के सदस्य (कृषि) रमेश चंद ने कहा है कि आंदोलन कर रहे किसान नए कषि कानूनों को पूरी तरह या सही प्रकार से समझ नहीं पाए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन कानूनों में किसानों की आय को बढ़ाने की काफी क्षमता है। चंद ने कहा कि इन कानूनों का मकसद वह नहीं है, जो आंदोलन कर रहे किसानों को समझ आ रहा है। इन कानूनों का उद्देश्य इसके बिल्कुल उलट है।

चंद ने साक्षात्कार में कहा, जिस तरीके से मैं देख रहा हूं, मुझे लगता है कि आंदोलन कर रहे किसानों ने इन कानूनों को पूरी तरह या सही तरीके से समझा नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि इन कानूनों का क्रियान्वयन होता है, तो इस बात की काफी अधिक संभावना है कि किसानों की आमदनी में वृद्धि होगी। कुछ राज्यों में तो किसानों की आय दोगुना तक हो जाएगी। उनसे पूछा गया था कि क्या सरकार को अब भी भरोसा है कि वह 2022 तक किसानों की आय को दोगुना कर पाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने 27 सितंबर को तीन कृषि विधेयकों...किसान उपज व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) विधेयक, 2020, कृषक (सशक्तीकरण व संरक्षण) मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा पर करार विधेयक, 2020 और आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020 को मंजूरी दी थी। नीति आयोग ने सदस्य ने बताया कि किसानों का कहना है कि आवश्यक वस्तु अधिनियम को हटा दिया गया है और स्टॉकिस्ट, कालाबाजारी करने वालों को पूरी छूट दे दी गई है। चंद ने इसे स्पष्ट करते हुए कहा, वास्तव में आवश्यक वस्तु अधिनियम में संशोधन किया गया है। इसके तहत प्रावधान किया गया है कि यह कानून कब लागू होगा। यदि अनाज, तिलहन या दालों के दाम 50 प्रतिशत बढ़ जाते हैं, तो इस कानून को लागू किया जाएगा। इसी तरह यदि प्याज और टमाटर के दाम 100 प्रतिशत बढ़ जाते हैं, तो यह कानून लागू होगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब प्याज के दाम चढ़ रहे थे, तो केंद्र ने 23 अक्टूबर को यह कानून लगाया था। उन्होंने कहा उस समय यह जरूरी था। राज्यों से स्टॉक की सीमा लगाने को भी कहा गया था। ठेका या अनुबंध पर खेती को लेकर किसानों की आशंकाओ को दूर करने का प्रयास करते हुए चंद ने कहा कि कॉरपोरेट के लिए खेती और ठेके पर खेती दोनों में बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा, देश के किसी भी राज्य में कॉरपोरेट खेती की अनुमति नहीं है। कई राज्यों में ठेका खेती पहले से हो रही है। एक भी उदाहरण नहीं है, जबकि किसान की जमीन निजी क्षेत्र की कंपनी ने ली हो।

नीति आयोग के सदस्य ने कहा कि कृषक (सशक्तीकरण व संरक्षण) मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा पर करार कानून किसानों के पक्ष में झुका हुआ है।

अडाणी समूह ने डीएचएफएल के अधिग्रहण के लिए अपनी बोली बढ़ाने की पेशकश की

नई दिल्ली। अडानी समूह ने इस बात के संकेत दिए हैं कि वह संकटग्रस्त आवास ऋण कंपनी डीएचएफएल के लिए अपनी 33 हजार करोड़ रुपये की पेशकश को बढ़ा सकता है। हालांकि कंपनी ने उन बोलीदाताओं का जमा जब्त करने की मांग की है, जो सार्वजनिक धन की अधिकतम वसूली पर सवाल पैदा कर प्रक्रिया में खलल डालना चाहते हैं।

अडानी समूह ने दिवाला एवं ऋणशोधन प्रक्रिया के तहत डीएचएफएल की नीलामी करा रहे प्रशासक को ईमेल के माध्यम से एक पत्र भेजा है। इसमें अडानी समूह ने कहा है कि उसने अच्छे से तय प्रक्रिया का पालन किया है। कंपनी ने कहा है कि उसकी नीयत प्रक्रिया का तेजी से अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए बिना शर्त पेशकश करने और सभी संबंधित पक्षों के लिए संभावित मूल्यों को अधिकतम करने की रही है। इस ईमेल को डीएचएफएल के डेटा रूम में अपलोड किया गया है, जिसे ने भी देखा है। अडानी समूह ने इसमें कहा है कि कु छ बोलीदाता मामले को सनसनी बनाने के लिए मीडिया का सहारा ले रहे हैं। उनकी नीयत कर्जदाताओं व जमाकर्ताओं के लिए मूल्य को अधिकतम किए जाने से रोकने की है। अडानी समूह ने कहा कि यह सब देखकर दुख होता है।

डीएचएफएल के लिए अक्टूबर में अडानी समूह, पीरामल समूह, अमेरिका स्थित संपत्ति प्रबंधन कंपनी ओकट्री कैपिटल मैनेजमेंट और एससी लॉवी ने बोलियां पेश की थी। हालांकि, डीएचएफल के कर्जदाता चाहते हैं कि बोलीदाता अपनी पेशकश बढ़ाएं, क्योंकि बोलीदाताओं की मौजूदा पेशकश कम है। कर्जदाताओं की समिति के एक सूत्र ने बताया कि अडानी समूह ने शुरुआत में सिर्फ डीएचएफएल की थोक व झुग्गी पुनर्वास प्राधिकरण पोर्टफोलियो के लिए बोली पेश की थी। बाद में अडानी समूह ने बोली संशोधित कर पूरे पोर्टफोलियो के लिए पेशकश की थी। यह पेशकश 30 हजार करोड़ रुपए की है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व सहयोगी ने रुस जांच निगरानी मामले में वाद दायर किया

वाशिंगटन। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पिछले चुनाव प्रचार अभियान के एक सहयोगी ने एक संघीय वाद में कहा है कि वह गैरकानूनी तरीके से जासूसी के शिकार हुए हैं। रूस के कथित रूप से दखल मामले में एफबीआई की जांच के दौरान वह गोपनीय निगरानी वारंट (आदेश) का शिकार हुए थे। कार्टर पेज की ओर से दायर वाद में एफबीआई और न्याय विभाग के अधिकारियों द्वारा 2016 और 2017 में विदेश खुफिया निगरानी अदालत को सौंपी गईं अर्जियों में की गई अनेक ऐसी गलतियों का आरोप लगाया गया है जो उन्होंने कार्टर पर रूस का एजेंट होने के संदेह में उनकी बात छिप कर सुनने के संबंध में लिखी थीं। वाद में कहा गया, रूस के साथ डॉ पेज के संबंध के बारे में चूंकि कोई भी तथ्य कभी प्रमाणित नहीं किया जा सका, इसलिए उन्हें निशाना बनाने के लिए एफआईएसए वारंट की मांग या उसे हासिल करने की कभी कोई जरूरत ही नहीं थी। इस चुनिंदा तरीके से की गई निगरानी की मंजूरी देने में शामिल एफबीआई और न्याय विभाग के पूर्व अधिकारियों ने अपनी गवाही में कहा कि अगर उन्हें पता होता कि मुद्दे इस हद तक जाएंगे तो उन्होंने ऐसा नहीं किया होता, और एफबीआई ने अदालत में आवेदनों की सत्यता और पूर्णता के लिए 40 से भी अधिक सुधारात्मक कदम उठाए हैं। शुक्रवार को वाशिंगटन की संघीय अदालत में दायर वाद में कहा गया कि एफबीआई ने क्रिस्टोफर स्टीले की सूचनाओं पर जरूरत से ज्यादा भरोसा किया, जो ब्रिटेन के पूर्व जासूस थे और 2016 के चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप और रूस के बीच कथित संबंध के बारे में उनकी पड़ताल के लिए डेमोक्रेट्स ने धन दिया था।

लंदन में लॉकडाउन के विरोध में प्रदर्शन कर रहे 150 गिरफ्तार

लंदन। मध्य लंदन में लॉकडाउन के विरोध में हो रहे प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों ने 155 लोगों को गिरफ्तार किया है। कोविड-19 महामारी के बीच लोगों को एकत्र होने से रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा है कि गिरफ्तार किए गए लोगों पर कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने संबंधी नियमों का उल्लंघन करने, एक पुलिस अधिकारी से मारपीट करने तथा मादक पदार्थ रखने जैसे आरोप हैं। कोविड-19 के मद्देनजर घर पर रहने जैसे नियमों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे समूह सेव अवर राइट्स यूके ने कहा कि शनिवार को उसकी ओर से लॉकडाउन के विरोध में प्रदर्शन किया गया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने 31 अक्टूबर को इंग्लैंड में दूसरे लॉकडाउन की घोषणा की थी जो पांच नवंबर से शुरू हुआ तथा दो दिसंबर तक प्रभावी रहेगा। लॉकडाउन के तहत लगी पाबंदियों में बड़ी संख्या में लोगों के एकत्रित होने पर रोक है।

शीर्ष अदालत ने चुनाव प्रमाणीकरण आदेश खारिज किया

हैरिसबर्ग। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य की शीर्ष अदालत ने प्रांत में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडन की जीत को लेकर रिपब्लिकन नेताओं द्वारा दायर ताजा मुकदमे में राष्ट्रपति चुनाव संबंधी प्रमाणीकरण की आगे की प्रक्रिया को रोकने के निचली अदालत के आदेश को खारिज कर दिया। अदालत ने शनिवार को सर्वसम्मति से लिए फैसले में तीन दिन पुराने आदेश को पलटते हुए कहा कि मुकदमा पेंसिल्वेनिया में ईमेल या डाक के जरिए मतदान संबंधी चुनाव को चुनौती देने की अनुमति देने वाले कानून के महीनों बाद दायर किया गया। राज्य के अटॉर्नी जनरल एवं डेमोक्रेटिक नेता जोश शापिरो ने अदालत के आदेश को लोकतंत्र की एक और जीत बताया। रिपब्लिकन नेता माइक केली के नेतृत्व में दायर किए गए इस मुकदमे में राज्य में ईमेल या डाक के जरिए मतदान संबंधी कानून को असंवैधानिक बताते हुए इसे चुनौती दी गई थी। न्यायाधीश पैट्रिसिया मैकलॉग ने चुनाव को लेकर जारी प्रमाणीकरण प्रक्रिया पर बुधवार को रोक लगाने का आदेश दिया था। इससे एक दिन पहले गर्वनर टॉम वोल्फ ने कहा था कि उन्होंने पेंसिल्वेनिया में जो बाइडन को को राष्ट्रपति पद के चुनाव का विजेता प्रमाणित किया है। इस राज्य में बाइडन ने ट्रंप को 80,000 मतों के अंतर से हराया, जबकि 2016 में ट्रंप ने इस राज्य में जीत हासिल की थी।

नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्रों का लेनदेन दोबारा शुरू हो

नई दिल्ली। बिजली एक्सचेंज पीएक्सआईएल और आईईएक्स का कहना है कि नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्रों (आरईसी) के कारोबार पर रोक को आगे बढ़ाने से राज्य बिजली वितरण इकाइयों की नवीकरणीय ऊर्जा खरीद प्रतिबद्धताएं (आरपीओ) प्रभावित हो सकती हैं। बिजली एक्सचेंजों ने जल्द से जल्द आरईसी के लेनदेन को दोबारा शुरू करने की वकालत की। इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) के प्रमुख और वरिष्ठ उपाध्यक्ष (कारोबार विकास) रोहित बजाज ने पीटीआई-भाषा से कहा, स्वयं के उपयोग के लिए बिजली बनाने वाले बिजली संयंत्र, राज्य बिजली वितरण निगम और खुली पहुंच रखने वाले ग्राहकों के अपनी आरपीओ प्रतिबद्धता पूरी करने के लिए आरईसी की खरीद-फरोख्त एक अहम कड़ी है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच महीने जुलाई 2020 से आरईसी के लेनदेन पर रोक और अगले चार महीनों में वित्त वर्ष की समाप्ति को देखते हुए इसकी खरीद-फरोख्त को दोबारा शुरू करने में देरी से प्रतिबद्ध इकाइयों की समय से उनके आरपीओ लक्ष्य पूरा करने की क्षमता प्रभावित होगी। बजाज ने उम्मीद जताई कि बिजली अपीलीय न्यायाधिकरण (एपटेल) जल्द इस बारे में अंतिम निर्णय लेगा और इनमें लेनदेन दिसंबर से शुरू हो जाएगा।

सरकार ने बीमा कंपनियों से खर्चो में कटौती को कहा

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों को अपनी शाखाओं को सुसंगत करने तथा ऐसे खर्चों में कटौती करने को कहा है, जिनसे बचा जा सकता है। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यह निर्देश विशेषरूप से नेशनल इंश्योरेंस, ओरियंटल इंश्योरेंस और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस के लिए है, जिससे इन कंपनियों की वित्तीय सेहत सुधारी जा सके। इससे पहले इसी साल केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तीनों सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों की विलय की प्रक्रिया को रोक दिया था। तीनों कंपनियों की खराब वित्तीय स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया गया था। सरकार ने इन कंपनियों में 12,450 करोड़ रुपये की पूंजी डालने की मंजूरी दी थी ताकि ये नियामकीय मानकों को पूरा कर सकें। सूत्रों ने बताया कि वित्त मंत्रालय ने इन कंपनियों से अपनी शाखाओं को तर्कसंगत करने तथा गेस्ट हाउस जैसे बेवजह के खर्चों में कटौती करने को कहा है। इसके अलावा इन कंपनियों से डिजिटल माध्यम से अपने कारोबार का विस्तार करने को भी कहा गया है। पूंजी डालने की प्रक्रिया के तहत सरकार ने नेशनल इंश्योरेंस कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी को बढ़ाकर 7,500 करोड़ रुपये करने की अनुमति दी है। यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस तथा ओरियंटल इंश्यारेंस कंपनी की अधिकृत पूंजी को 5,000 करोड़ रुपये करने की मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जुलाई में इन कंपनियों में 12,450 करोड़ रुपये की पूंजी डालने की मंजूरी दी है। इसमें 2019-20 के दौरान इन कंपनियों को उपलब्ध कराई गई 2,500 करोड़ रुपये की राशि भी शामिल है। इस साल सरकार इन कंपनियों में 3,475 करोड़ रुपये की पूंजी डाल चुकी है। शेष 6,475 करोड़ रुपए की राशि एक या अधिक किस्तों में डाली जाएगी। सरकार ने 2020-21 के बजट में इन कंपनियों में 6,950 करोड़ रुपये की पूंजी डालने का प्रावधान किया था।

ओडिशा इस्पात संयंत्र को जमीन अधिग्रहण शुरू : आचार्य

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि कंपनी ओडिशा के जगत सिंहपुर में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया में है, जहां वह 1.32 करोड़ टन सालाना क्षमता वाले नए इस्पात संयंत्र की स्थापना करने वाली है। जेएसडब्ल्यू स्टील के निदेशक (वाणिज्यिक विपणन और कॉरपोरेट रणनीति) जयंत आचार्य ने पीटीआई-भाषा को बताया कि यह पारादीप बंदरगाह के पास एक जगह है, जहां पॉस्को 1.2 करोड़ टन वार्षिक क्षमता वाला इस्पात संयंत्र स्थापित करना चाहती थी। ओडिशा सरकार और पॉस्को ने इस संबंध में 2005 में एक सहमति पत्र (एमओयू) पर दस्तखत किए थे। हालांकि, स्थानीय लोगों के विरोध और पर्यावरणीय मंजूरी में देरी सहित कई कारणों से दक्षिण कोरियाई स्टील कंपनी को 52,000 करोड़ रुपये की अपनी प्रस्तावित परियोजना को छोड़ना पड़ा। उक्त समझौता 2010 में खत्म हो गया और फिर उसका नवीनीकरण नहीं हुआ। आचार्य ने कहा, ओडिशा के संदर्भ में हमारे पास अधिग्रहण और पुराने संयंत्र को खरीदने तथा ग्रीनफील्ड (परियोजना) के माध्यम से विस्तार करने की योजना है। कंपनी ने ओडिशा में वार्षिक 1.32 करोड़ टन क्षमता का एक एकीकृत इस्पात संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई है, जिसमें 53,700 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

नए कृषि कानूनों ने बहुत कम समय में

किसानों की समस्याओं को कम करना शुरू किया है : मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र के नए कृषि कानूनों के विरोध में जारी किसानों के आंदोलन के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि संसद ने कृषि सुधारों को कानूनी स्वरूप काफी विचार-विमर्श के बाद दिया, जिससे किसानों को नए अधिकार और नए अवसर मिले हैं और इन अधिकारों ने बहुत कम समय में किसानों की समस्याओं को कम करना शुरू कर दिया है। मोदी ने अपने मासिक मन की बात कार्यक्रम में कहा कि भारत में खेती और उससे जुड़ी चीजों के साथ नए आयाम जुड़ रहे हैं। बीते दिनों हुए कृषि सुधारों ने किसानों के लिए नई संभावनाओं के द्वार भी खोले हैं। किसानों की वर्षों से कुछ मांगें थीं और उन्हें पूरा करने के लिए हर राजनीतिक दल ने कभी न कभी वादा किया था, लेकिन वे कभी पूरी नहीं हुईं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद ने काफी विचार-विमर्श के बाद कृषि सुधारों को कानूनी स्वरूप दिया। इन सुधारों से न सिर्फ किसानों के अनेक बंधन समाप्त हुए हैं, बल्कि उन्हें नए अधिकार और अवसर भी मिले हैं। इन अधिकारों ने बहुत ही कम समय में, किसानों की परेशानियों को कम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने महाराष्ट्र के एक किसान का उदाहरण दिया, जिन्होंने एक कारोबारी द्वारा वादे के मुताबिक भुगतान नहीं किए जाने पर पैसा प्राप्त करने के लिए इन कानूनों के प्रावधानों का इस्तेमाल किया। गौरतलब है कि संसद द्वारा मॉनसून सत्र में पारित तीन कृषि विधेयकों को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की मंजूरी के बाद कानूनों के रूप में इन्हें लागू किया जा चुका है, जिनका कांग्रेस समेत कई विपक्षी दल विरोध कर रहे हैं और अनेक किसान, मुख्य रूप से पंजाब के किसान सड़कों पर उतर आए हैं। नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए बहुत से किसान उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी में एक मैदान में जमा हुए हैं। केंद्र सरकार ने किसानों से बात करने की इच्छा प्रकट करते हुए उनसे संपर्क साधा है। सरकार ने कहा है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और सरकारी मंडियों की व्यवस्थाएं यथावत रहेंगी, जिन मुद्दों पर किसान संगठन चिंता व्यक्त कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी क्षेत्र में लोगों के लिए सही जानकारी रखना और अफवाहों तथा किसी भी प्रकार के संशय से दूर रहना एक बड़ी ताकत होती है। उन्होंने खेती के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग कर रहे कुछ किसानों के उदाहरण भी प्रस्तुत किए। मन की बात में अपने करीब आधे घंटे के संबोधन में प्रधानमंत्री ने विभिन्न विषयों पर बात की।

उन्होंने देशवासियों को बताया कि 1913 के आसपास वाराणसी के एक मंदिर से चुराई गई देवी अन्नपूर्णा की प्राचीन प्रतिमा को कनाडा से भारत वापस लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि माता अन्नपूर्णा की प्रतिमा की तरह ही अंतरराष्ट्रीय गिरोहों ने हमारी अनेक अमूल्य धरोहरों को लूटा है। ये गिरोह इन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजार में बहुत अधिक दाम में बेच देते हैं। अब न केवल उन पर कड़े प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं, बल्कि भारत ने ऐसी धरोहरों की वापसी के प्रयास भी बढ़ा दिए हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने शिक्षण संस्थानों से नई, नवोन्मेषी पद्धतियां अपनाने और पूर्व छात्रों को जोड़ने के लिहाज से रचनात्मक मंच तैयार करने को कहा। उन्होंने पूर्व छात्रों से भी अपने संस्थानों के लिए कुछ करते रहने का आह्वान किया।

देशवासियों को दी गुरु पर्व की बधाई

मोदी ने गुरु नानक जयंती के एक दिन पहले देशवासियों को गुरु पर्व की बधाई देते हुए, दुनियाभर में सिख समुदाय ने गुरु नानक देव जी की प्रेरणा से शुरू की गई लंगर की परंपरा को कोरोना वायरस महामारी के समय में जारी रखकर मानवता की सेवा की है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष नवंबर में ही करतारपुर साहब कॉरिडोर का खुलना बहुत ही ऐतिहासिक रहा। मोदी ने कहा कि इस बात को मैं जीवनभर अपने हृदय में संजोकर रखूंगा। उन्होंने कच्छ के एक गुरुद्वारे का भी जिक्र किया, जिसे बहुत विशेष माना जाता है।

कोविड-19: लोगों को पूरी ताकत से करना होगा मुकाबला

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में कोविड-19 का पहला मामला लगभग एक साल पूर्व सामने आया था। उन्होंने कहा कि इस महामारी के प्रति किसी भी तरह की अनदेखी बहुत गंभीर साबित हो सकती है और लोगों को पूरी ताकत के साथ इसका मुकाबला करते रहना चाहिए। आगामी छह दिसंबर को डॉ बी आर आंबेडकर की पुण्यतिथि का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह संविधान में निर्दिष्ट कर्तव्यों का पालन करने और देश के प्रति अपने दायित्वों को याद करने का अवसर है। मोदी ने अपने कार्यक्रम में जानेमाने पर्यावरणविद डॉ सालिम अली को भी याद किया और कहा कि पक्षी प्रेमियों के बीच वह हमेशा प्रशंसा का पात्र रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इसके साथ ही संग्रहालयों और पुस्तकालयों का जिक्र करते हुए कहा, आज देश में कई संग्रहालय और पुस्तकालय अपने संग्रह को पूरी तरह से डिजिटल बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में राष्ट्रीय संग्रहालय में लगभग 10 डिजिटल दीर्घाएं शुरू करने का काम चल रहा है। प्रधानमंत्री ने न्यूजीलैंड के हैमिल्टन वेस्ट से सांसद गौरव शर्मा के संस्कृत में शपथ लेने पर उनकी प्रशंसा की। मोदी ने कहा कि आगामी पांच दिसंबर को श्री अरविंद की पुण्यतिथि है। उन्होंने कहा, महर्षि अरविंद के स्वदेशी के दर्शन ने हमें आगे का मार्ग दिखाया और लोगों को उनके विचारों का अध्ययन करना चाहिए।

मोदी सोमवार को वाराणसी में देव दीपावली कार्यक्रम में शामिल होंगे

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में देव दीपावली तथा अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे। जिला प्रशासन के अनुसार प्रधानमंत्री 30 नवंबर दोपहर दो बजे के बाद बाबतपुर हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे और वहां से हेलीकॉप्टर द्वारा खजूरी जनसभा स्थल जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार यहां मोदी प्रयागराज-वाराणसी सिक्स लेन सड़क का लोकार्पण कर जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रशासन के अनुसार यहां से मोदी डोमरी जाएंगे। वह भगवान अवधूत रामघाट से क्रूज पर सवार होकर ललिता घाट पहुंचेंगे। वह काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन कर वहां निर्माणाधीन कॉरिडोर के विकास कार्यों का निरीक्षण भी करेंगे और इसके बाद राजघाट पर दीप प्रज्ज्वलित कर देव दीपावली की शुरुआत करेंगे।कार्यक्रम के अनुसार यहां से प्रधानमंत्री क्रूज से रविदास घाट के लिए रवाना होंगे और चेतसिंह घाट पर लेजर शो देखेंगे।

कृषि कानूनों पर सरकार करे पुनर्विचार : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों का रविवार को समर्थन करते हुए केंद्र सरकार को इन कानूनों पर पुनर्विचार करने की सलाह दी। मायावती ने ट्वीट किया कि पूरे देश में किसान केंद्र सरकार द्वारा कृषि से संबंधित हाल में लागू किए गए तीन कानूनों को लेकर काफी नाराज हैं और इनके खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं।

उन्होंने ट्वीट किया, केंद्र सरकार किसानों की आम सहमति के बिना बनाए गए इन कानूनों पर अगर पुनर्विचार कर ले, तो बेहतर होगा। बसपा के अलावा समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस समेत उत्तर प्रदेश में कई प्रमुख राजनीतिक दलों ने किसानों के आंदोलन का समर्थन किया है। पूर्व मुख्यमंत्री और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को किसानों के आंदोलन का समर्थन करते हुए पत्रकारों से कहा, किसानों पर इस तरह की लाठी किसी ने नहीं चलाई होगी और इस तरह का आतंकी हमला किसी सरकार ने नहीं किया होगा, जैसा भाजपा की सरकार में हो रहा है। ये वही लोग हैं, जिन्होंने किसानों से कहा था कि वे सत्ता में आने पर उनके सिर्फ कर्ज माफ नहीं करेंगे बल्कि पैदावार की कीमत देंगे और आय दोगुनी कर देंगे, लेकिन जबसे भाजपा सरकार आई है, तब से सबसे ज्यादा गरीब और किसान बर्बाद हुए हैं।

एमवीए सरकार प्राकृतिक है बनी रहेगी : संजय राउत

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने रविवार को भाजपा द्वारा राज्य की महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) की सरकार को अप्राकृतिक बताए जाने की निंदा करते हुए कहा कि यह सरकार प्राकृतिक है और अपना कार्यकाल पूरा करेगी।

शिवसेना के मुखपत्र सामना के साप्ताहिक स्तंभ रोखठोक में राउत ने पिछले साल गठबंधन को लेकर हुई बातचीत को याद किया कि किस तरह राष्ट्रवादी कंग्रेस पार्टी (अध्यक्ष) शरद पवार और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच विधानसभा अध्यक्ष पद को लेकर तीखी बहस हुई थी। राउत ने कहा कि उन्होंने (पवार) अपने कागज समेटे और गुस्से से कमरा छोड़कर चले गए। मैंने पवार को कभी गुस्से में नहीं देखा था।

उन्होंने कहा कि अगली सुबह (23 नवंबर को) भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और राकांपा नेता अजित पवार द्वारा राजभवन में शपथ लिए जाने के बाद स्थिति बदल गई। हालांकि, वह सरकार 80 घंटों के भीतर गिर गई। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस ने शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस को मिलाकर बने सत्तारूढ़ गठबंधन एमवीए को पिछले सप्ताह अप्राकृतिक गठबंधन करार दिया था और कहा था कि यह गठबंधन जल्द टूट जाएगा तथा उनकी पार्टी राज्य में मजबूत सरकार देगी। राउत ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, भाजपा, सरकार के पतन का पूर्वानुमान लगा रही है और यह कैसे किया जाएगा। यह गुप्त गतिविधियों व केंद्रीय जांच एजेंसियों पर निर्भर करता है। ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) कुछ भी करे, मैं जिम्मेदारी से कह सकता हूं कि एमवीए की सरकार बनी रहेगी।

कहा,अपने कागज समेटे और गुस्से से कमरा छोड़कर चले गए मैंने पवार को कभी गुस्से में नहीं देखा था

संक्षिप्त समाचार

चिकित्सकीय के लिए 50 फीसद ऑक्सीजन रखने का निर्देश

अहमदाबाद। गुजरात में कोविड-19 मामलों में फिर से उछाल के बीच राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने ऑक्सीजन उत्पादन इकाइयों को चिकित्सकीय इस्तेमाल के लिए अपने पास 50 प्रतिशत ऑक्सीजन रखने का निर्देश दिया है ताकि कोरोना वायरस रोगियों का इलाज कर रहे अस्पतालों को यह आसानी से उपलब्ध हो सके। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने 10 सितंबर को भी ऐसी ही अधिसूचना जारी की थी। महामारी रोग अधिनियम और आपदा प्रबंधन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत 26 नवंबर को जारी नए आदेश में विभाग ने ऑक्सीजन उत्पादन इकाइयों को उत्पादन निर्बाध रूप से जारी रखने और ज्यादा से ज्यादा उत्पादन करने का का निर्देश दिया है। इकाइयों को जरूरत पड़ने पर उद्योगों की तुलना में अस्पतालों को ऑक्सीजन आपूर्ति में प्राथमिकता देने को कहा गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि यह आदेश 31 दिसंबर तक जारी रहेगा।

जन विरोधी गतिविधियों के आरोप में निष्कासित किया

भुवनेश्वर। सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने गोपालपुर से विधायक प्रदीप पाणिग्रही को जन-विरोधी गतिविधियों के आरोप में रविवार को पार्टी से निष्कासित कर दिया। बीजद की ओर से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, गोपालपुर से विधायक प्रदीप पाणिग्रही को उनकी जन विरोधी गतिविधियों के चलते तत्काल प्रभाव से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया जाता है। पाणिग्रही पूर्व मंत्री हैं और तीन बार विधायक रह चुके हैं। क्षेत्रीय दल के वह ऐसे पहले नेता हैं जिन्हें जन विरोधी गतिविधियों के आरोप में पार्टी से निकाला गया है। हालांकि इससे पहले कई नेताओं को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोपों के चलते निकाला जा चुका है। बीजद की ओर से जारी आधिकारिक आदेश पर महासचिव (मीडिया मामले) मानस रंजन के हस्ताक्षर हैं। इसमें पाणिग्रही के जन विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की बात कही गई है। हालांकि वह किस तरह की गतिविधियों में शामिल थे, इस बारे में कुछ स्पष्ट नहीं कहा गया है।

कानून व्यवस्था पर ध्यान दें योगी: चौधरी

बलिया (यूपी)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से नफरत की अंताक्षरी छोड़कर उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर ध्यान देने का अनुरोध किया। नेता प्रतिपक्ष ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आग्रह है कि वह कुछ दिनों के लिए नफरत की अंताक्षरी छोड़कर उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर ध्यान दें। उल्लेखनीय है कि हैदराबाद नगर निकाय चुनाव में भाजपा के प्रचार अभियान के दौरान मुख्यमंत्री ने हैदराबाद का नाम बदलकर भाग्यनगर किए जाने की बात कही थी। चौधरी ने आरोप लगाया कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति दिन प्रतिदिन बद से बदतर होती जा रही है लेकिन मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के कानून व्यवस्था की चिंता छोड़कर सियासत करने में मशगूल हैं।

उम्मीदवार पर फैसला करने के लिए भाजपा स्वतंत्र : चिराग

पटना। बिहार में राज्यसभा की एक सीट पर होने वाले उपचुनाव में भाजपा द्वारा तवज्जो नहीं दिए जाने के बाद लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष चिराग पासवान ने शनिवार को कहा कि यह सीट भगवा पार्टी की है और उम्मीदवार के चयन के लिए वह पूरी तरह स्वतंत्र हैं। चिराग के पिता और लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक रामविलास पासवान के निधन के बाद यह सीट रिक्त हो गई थी। भाजपा ने इस सीट पर बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी को उम्मीदवार बनाया है। इस सीट पर महागठबंधन उम्मीदवार नहीं उतारता है तो सुशील मोदी का निर्विरोध चुना जाना लगभग तय है। विपक्ष द्वारा उम्मीदवार उतारे जाने की स्थिति में 14 दिसंबर को चुनाव होगा। चिराग ने अपनी पार्टी के 20वें स्थापना दिवस पर एक कार्यक्रम में पत्रकारों से कहा, यह सीट भाजपा की है और यह फैसला उसे करना है कि वह उपचुनाव में किस पार्टी से उम्मीदवार खड़ा करना चाहती है। सवालों के जवाब में चिराग पासवान ने कहा कि उन्हें लगता है कि जिस तरह से नई सरकार काम कर रही है, बिहार में किसी भी समय मध्यावधि चुनाव हो सकते हैं।

हैदराबाद भाजपा का महापौर चुनेगा : शाह

हैदराबाद। केंद्रीय गृहमंत्री तथा भाजपा के शीर्ष नेता अमित शाह ने रविवार को कहा कि तेलंगाना के लोग सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति(टीआरएस) और असासुद्दीन औवेसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के गठजोड़ से नाराज और आक्रोशित हैं। उन्होंने दावा किया कि हैदराबाद इस बार नगर निकाय चुनाव में भाजपा का महापौर चुनेगा। यहां पुराने शहर में भाग्यलक्ष्मी देवी मंदिर में दर्शन कर शाह ने कहा कि हैदराबाद के लोग सुशासन चाहते हैं और उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व तथा भाजपा पर विश्वास है। शाह ने टीवी न्यूज चैनलों से कहा कि तेलंगाना की जनता ने जिस प्रकार लोकसभा चुनाव (2019 के संसदीय चुनाव) के दौरान मोदी जी का साथ दिया, मुझे लगता है कि बदलाव की शुरुआत हो चुकी है और हैदराबाद नगर निगम अगला पड़ाव है। वह ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) चुनाव के प्रचार के अंतिम दिन सिकंदराबाद में रोड शो कर रहे हैं। शाह ने भरोसा जताया कि भाजपा उम्मीदवार शहर का महापौर बनेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि हैदराबाद बीते कई साल से बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा, हाल ही में हुई बारिश में हैदराबाद के बाढ़ में डूबने और जिस प्रकार एक पार्टी के आशीर्वाद पर अतिक्रमण फल-फूल रहा है। उससे यहां के लोग टीआरएस और औवेसी के गठजोड़ से नाराज और आक्रोशित हैं। शाह ने कहा कि लोगों का हुजूम बता रहा है कि हैदराबाद में भाजपा का महापौर बनने वाला है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद के लोगों को भाजपा को एक मौका देना चाहिए। हम हैदराबाद को निजाम संस्कृति से मुक्त करना चाहते हैं। शाह ने कहा कि देश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जहां भी भाजपा जीती है वहां कभी सांप्रदायिक दंगे नहीं हुए।

भाजपा ने उर्दू में जारी किया चुनाव घोषणा पत्र

श्रीनगर। भाजपा ने कश्मीर में जिला विकास परिषद (डीडीसी) चुनाव के लिए अपना चुनाव घोषणापत्र रविवार को उर्दू में जारी किया। पूर्व एमएलसी विभोद गुप्ता ने घाटी में पार्टी के वरिष्ठ नेता सोफी यूसुफ और दरखशां अब्दराबी की मौजूदगी में इस घोषणापत्र को जारी किया। चुनाव घोषणा पत्र में दावा किया गया है कि भाजपा ने भूतपूर्व जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 और 35ए को रद्द कर देश को एक किया तथा गुपकर घोषणापत्र गठबंधन (पीएजीडी) वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्र हित के खिलाफ काम कर रहा है। पीएजीडी में नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी समेत मुख्यधारा की कई राजनीतिक पार्टियां हैं। घोषणा पत्र में कहा गया है कि राज्य का पुनर्गठन करने के बाद, जम्मू-कश्मीर को विकास और शांति के पथ पर अग्रसर किया गया है। पार्टी ने दावा किया कि पत्थरबाजी खत्म हो गई है तथा आतंकवाद से सख्ती से निपटा जा सकता है। घोषणा पत्र में भाजपा ने केंद्र शासित प्रदेश के निवासियों के लिए 100 फीसदी सरकारी नौकरियां आरक्षित करने का श्रेय लेने का भी दावा किया। साथ में यह भी दावा किया कि उसने ऐसी नीति बनाई है जिससे औद्योगिकीकरण बढ़ेगा। पार्टी ने कहा कि उसने केंद्र शासित प्रदेश में भ्रष्टाचार और जमीन कब्जाने के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया है। उसने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में बिजली, जलापूर्ति और सड़क नेटवर्क जैसी मूलभूत जरूरतें भी बेहतर हुई हैं। भाजपा ने एसआरओ-202 नीति को भी खत्म करने का श्रेय लिया है। यह नीति 2015 में पीडीपी-भाजपा सरकार लेकर आई थी जिसके तहत जम्मू कश्मीर में नए भर्ती किए गए सरकारी कर्मियों को पूर्ण वेतन देने से पहले कई साल तक कम पारिश्रमिक दिया जाता था।

गड्ढे में गिरने के बाद कार में आग लगी, दो लोगों की मौत

बुलंदशहर (यूपी)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में रविवार सुबह एक कार के गड्ढे में गिरने के बाद उसमें आग लग गई, जिससे कार में सवार दो लगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना सयाना पुलिस थानाक्षेत्र के करोठी गांव के पास बीबी नगर रोड पर हुई। पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि प्रथमदृष्टया लगता है कि चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया जिसकी वजह से कार गड्ढे में गिरी और उसमें आग लग गई। उन्होंने बताया कि अब तक मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है।

मंगलुरु में एक और भड़काऊ भित्तिचित्र सामने आया

मंगलुरु। कर्नाटक के तटीय शहर मंगलुरु में रविवार को एक और भड़काऊ भित्तिचित्र सामने आया। इससे पहले इसी तरह से दीवार पर भड़काऊ लेख देखने को मिला था। पुलिस ने बताया कि यह भित्तिचित्रण एक घर की दीवार पर किया गया था। पुलिस ने बताया कि उसने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच कर दीवार पर बने भित्तिचित्र को मिटाया और अज्ञात लोगों के खिलाफ दो समुदायों में विद्वेष उत्पन्न करने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। मंगलुरु के पुलिस आयुक्त विकास कुमार ने कहा कि इस भित्तिचित्र को भी पहले वाले लेख के दौरान ही बनाया गया था लेकिन यह संज्ञान में बाद में आया। गौरतलब है कि 26 नवंबर को मुंबई पर हुए आतंकी हमले की 12वीं बरसी के मौके पर मंगलुरु में एक अर्पाटमेंट परिसर की दीवार पर बना भड़काऊ भित्तिचित्र सामने आया था जिसमें हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादी संगठन लश्कर -ए-तैयबा की सराहना की गई थी।

कोविड-19 के प्रकोप और बम्पर पैदावार से देशी अमरूद के आए बुरे दिन

एजेंसी। इंदौर (मध्य प्रदेश)

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें किसानों का समूह इंदौर नगर निगम की कचरा इकट्ठा करने वाली गाड़ी में देशी अमरूद डालता नजर आ रहा है। कृषि और बाजार के जानकारों का कहना है कि यह अप्रिय स्थिति कोविड-19 के जारी प्रकोप के साथ ही देशी अमरूद की बम्पर पैदावार की वजह से थोक मंडियों में इसके भावों के धड़ाम से गिरने के चलते बनी है। नतीजतन किसानों के लिए इस फल की खेती घाटे का सौदा साबित हो रही है।

कारोबारी सूत्रों ने रविवार को बताया कि इंदौर की देवी अहिल्याबाई होलकर फल-सब्जी मंडी में देशी अमरूद के भाव बुरी तरह गिर चुके हैं। इन दिनों यह फल थोक बाजार में चार रुपए से 10 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच खरीदा जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि उपज के औने-पौने भाव मिलने को लेकर असंतोष के कारण कई किसानों को अपनी अमरूद की फसल मंडी परिसर में ही छोड़कर लौटते देखा जा सकता है क्योंकि वे इस खेप को लादकर वापस ले जाने के भाड़े का बोझ उठाना नहीं चाहते हैं। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के अमरूद उत्पादक किसान राजेश पटेल ने बताया, 'मध्य प्रदेश के साथ ही छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और देश के अन्य राज्यों में देशी अमरूद की बम्पर पैदावार इस फल की कीमतों में गिरावट की सबसे बड़ी वजह है।'

बंगाल के राज्यपाल तृणमूल से सदन में बहुमत साबित करने को जल्द कह सकते हैं: भाजपा

कोलकाता। भाजपा सांसद सौमित्र खान ने तृणमूल कांग्रेस में असंतोष के स्वर मुखर होने के बीच रविवार को दावा किया कि राज्यपाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से विधानसभा में अपना बहुमत साबित करने के लिए जल्द ही कह सकते हैं।

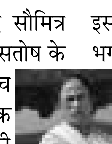

इस बीच, तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि भगवा खेमे के नेताओं के मन में लोकतंत्र के लिए कोई सम्मान नहीं है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष खान ने जलपाईगुड़ी में एक कार्यक्रम के इतर कहा कि सत्तारूढ़ दल में मौजूदा उथल-पुथल और असंतोष के कारण यह प्रश्न सामने आ गया है कि क्या सदन में पार्टी के पास पर्याप्त संख्या में विधायकों का समर्थन है या नहीं। खान ने कहा कि विधायक जिस प्रकार असंतोष व्यक्त कर रहे हैं और तृणमूल छोड़ रहे हैं, उसे देखते हुए राज्यपाल मुख्यमंत्री से जल्द बहुमत साबित करने के लिए कह सकते हैं।

नड्डा का उत्तराखंड दौरा चार दिसंबर से

देहरादून। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा अब चार दिसंबर को उत्तराखंड के दौरे पर आएंगे। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तथा पार्टी मामलों के उत्तराखंड प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम ने यहां संवाददाताओं को नड्डा के कार्यक्रम में हुए बदलाव के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राज्य का उनका दौरा अब पांच दिसंबर की जगह चार दिसंबर से शुरू होगा।

दुर्जनपुर हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर अनशन पर बैठीं महिलाएं

बलिया (यूपी)। बलिया जिले के रेवती थाना क्षेत्र के दुर्जनपुर गांव में पिछले माह एक सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के आवंटन के दौरान एक व्यक्ति की हत्या के मामले में पीड़ित के परिजनों ने रविवार को न्याय की मांग को लेकर अनशन शुरू कर दिया। बैरिया क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक राजेश तिवारी ने बताया कि रेवती थाना क्षेत्र के दुर्जनपुर ग्राम में पिछले 15 अक्टूबर को एक सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के आवंटन के दौरान जयप्रकाश पाल की हत्या कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि जयप्रकाश की पत्नी धर्मशीला देवी ने परिवार की आठ महिलाओं के साथ आज अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनशन शुरू कर दिया। धर्मशीला देवी ने कहा, मेरी मांग है कि घटना के समय वायरल वीडियो फुटेज की निष्पक्षता पूर्वक जांच कर दोषियों के विरुद्ध रासुका के तहत कार्रवाई की जाए।

बुंदेलखंड़: एक ऐसी नदी, जो पत्थरों में करती है रंगीन चित्रकारी

एजेंसी। बांदा (यूपी)

उत्तर प्रदेश के बांदा जिले से बह रही केन देश की दूसरी ऐसी नदी है, जो पत्थरों में रंगीन चित्रकारी करती है। देश और विदेश में यह आकृतिशुदा पत्थर शजर नाम से चर्चित है, फारसी भाषा में शजर का अर्थ पेड़ होता है। हालांकि, मुस्लिम देशों में इसे हकीक भी कहते हैं। यह पत्थर दुनिया में सिर्फ भारत की दो नदियों केन और नर्मदा में ही पाया जाता है।

उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में विभक्त बुंदेलखंड़ के बांदा जिले के कनवारा गांव में केन नदी का अंतिम छोर है। इस गांव में यह नदी यमुना नदी में मिलकर विलुप्त हो जाती है। केन नदी में मिलने वाला शजर पत्थर मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के अजयगढ़ कस्बे से लेकर उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के कनवारा गांव तक ही मिलता है। इस नदी का उद्गम स्थान दमोह जिले की कैमूर पहाड़ी है, जो सात पहाड़ियां चीरकर यमुना नदी तक जाती है। किंवदंतियों में केन नदी के नामकरण की कहानी भी बड़ी अगूढ़ है। पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार, केन नदी का पुराना नाम कर्णवती नदी था। इसके बाद इसे किनिया और कन्या के बाद अब अपभ्रंश में केन कहा जाने लगा। महाभारत काल में, केन-एक कुमारी कन्या है का उल्लेख मिलता है।

शजर पत्थर की प्रदर्शनी में विदेशों तक भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके बांदा शहर के शजर व्यवसाई द्वारिका प्रसाद सोनी ने बताया कि विश्व में सिर्फ भारत की नर्मदा और केन नदी में ही शजर पत्थर पाया जाता है और इराक, ईरान और फ्रांस जैसे देशों में इन पत्थरों (आकृतियों के अनुसार) की मुंह मांगी कीमत मिलती है। मुस्लिम देशों में शजर को हकीक भी कहते हैं। उन्होंने बताया कि हज जाने वाले मुसलमान अपने साथ शजर पत्थर लेकर जाते हैं। वे इसे कुदरत का नायाब तोहफा मानते हैं। शौकीन लोग इसे अंगूठी में नग के तौर पर भी जड़वाते हैं।

सोनी ने कहा कि केन और नर्मदा नदी के पानी में सायलोदक नामक पदार्थ पाया जाता है, जो पत्थरों को एक-दूसरे से जोड़ता है। पत्थर को मशीन से तराशने के बाद आदिमानव, जंगली जानवर, पेड़-पौधे, राजा-रानी या जल जीवों की सुंदर आकृति निकलती है। शजर व्यवसाई सोनी ने कहा, उन्होंने शजर पत्थर से ताजमहल के नमूने के अलावा कई चीजें बनाई हैं। उन्हें इन पर राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुका है और नीदरलैंड तथा दक्षिण अफ्रीका के तंजानिया में शजर पत्थर की प्रदर्शनी में वह भारत का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं। उन्होंने बताया, 'तराशे शजर की कीमत विदेश में डेढ़ सौ से दो सौ गुना तक बढ़ जाती है। यहां चार सौ-पांच सौ रुपये प्रति किलोग्राम की कीमत का पत्थर तराशने के बाद ईरान, इराक और फ्रांस में लाखों रुपये कीमत में बिकता है। हालांकि वह खुद शज़र की आपूर्ति दिल्ली, मुंबई और जयपुर तक ही करते हैं।' बांदा जिले के एक अधिकारी ने बताया, 'शजर पत्थर के व्यवसाय को एक जनपद-एक उत्पाद की श्रेणी में रखा गया है और अब बांदा में 24 शजर कारखाने चल रहे हैं। इनके व्यवसायियों को बैंक ऋण भी उपलब्ध कराया गया है।'

रसायन टैंक की सफाई के दौरान दो श्रमिकों की मौत

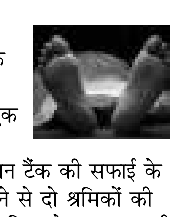

अहमदाबाद। अहमदाबाद के गुलाबनगर में शनिवार को एक डेनिम वॉशिंग इकाई में रसायन टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने से दो श्रमिकों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना हाजी वाश कंपनी में हुई जो दानीलिमडा थाना क्षेत्र में स्थित है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों श्रमिक टैंक की सफाई करने के लिए इसके भीतर गए थे। काम करने के दौरान ही दोनों श्रमिक बेहोश हो गए। अधिकारी ने बताया, अन्य श्रमिकों ने एंबुलेंस और अग्निशमन विभाग को बुलाया। अग्निशमन विभाग की बचाव टीम ने श्रमिकों को टैंक से निकाला। लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

अंकित श्यामसुख का कहना है कि मौजूदा महामारी का सकारात्मक पक्ष यह है कि इसने बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं व बीमा क्षेत्र को अपनी उस पद्धति में बदलाव लाने के अपार अवसर दिये हैं जिसमें कि यह आज काम करती है...

प्रगति को दें गति

2018 की महामंदी के बाद, भारतीय बैंकिंग उद्योग ने कोविड – 19 संक्रमण से पहले के कुछ महीनों तक अप्रत्याशित प्रगति देखी थी। जैसा कि समूची अर्थव्यवस्था ठहराव की स्थिति में आ गयी है, एक डराने वाली मंदी ने अब समूचे परिदृश्य को बदतर बना दिया है। हालांकि, इस संकट का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इस अप्रत्याशित दौर ने इसने बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं व बीमा क्षेत्र (बीएफएसआई) को अपनी पद्धति में बुनियादी बदलाव लाने के अपार अवसर दिये हैं जिसमें कि यह आज काम करती है।

दौर खुद बीएफएसआई क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए अपना परिष्कार करने तथा नए बिजनेस मॉडल को जांचने के, जो कि ज्यादा डिजीटल संचालित हैं, अत्यंत उपयुक्त है। उन्नत तकनीकों की सहायता तथा अपने मौजूदा प्रस्तावों को डिजीटलीकृत करके, वे अपनी सदियों पुरानी प्रक्रियाओं को अधिक नयी, ज्यादा अनुकूल कार्यप्रवाहों में रूपांतरित कर सकते हैं। आधारभूत सेक्टर मानते हुए जो देश की प्रगति को और तेज कर सकता है, बीएफएसआई में श्रमशक्ति की आवश्यकता ने भी उस प्रगति को तेज कर दिया है।

राष्ट्रीय कौशल विकास कार्पोरेशन ने बताया है कि साल 2008 व 2022 के बीच प्रस्तावित मानव संसाधन आवश्यकता अनुमानतया 4.2 मिलियन पर पहुंच जाने की संभावना है। अब, आइए बीएफएसआई इंडस्ट्री के विभिन्न पहलुओं, इसकी करियर संभावनाओं तथा आवश्यक योग्यताओं का पता लगाते हैं जो निहित रोजगार भूमिकाओं के लिए योग्यता शर्तों की पूर्ति के लिए आवश्यक हैं।

बीमा अधिकारी

एक बीमा एजेंट बीमा बेचने के लिए संभावित ग्राहकों के साथ संबंध विकसित करता है। बीमा एजेंट विभिन्न प्रकार के बीमे तथा ग्राहकों के कवरेज के बारे में बताते और समझाते हैं प्रस्ताव देते हैं कि किस पालिसी को चुना जाए। बीमा एजेंट आटो, गृह, जीवन, या स्वास्थ्य बीमा कवरेज समेत विभिन्न क्षेत्रों में काम कर सकते हैं।

पर्सनल बैंकर

पर्सनल बैंकर्स खुदरा बैंकिंग शाखाओं में काम करते हैं और विभिन्न बैंकिंग या वित्तीय आवश्यकताओं के साथ ग्राहकों की सहायता करते हैं। ऐसी आवश्यकताओं में शुरूआत जांच या वित्तीय आवश्यकताएं, गिरवी हासिल करना व आटो कर्ज तथा बैंकिंग उत्पादों में निवेश – डिपाजिट मनी मार्केट के सर्टीफिकेट्स एवं अन्य व्यवसायिक बैंकिंग उत्पाद आदि शामिल हो सकते हैं। वे रिटायरमेंट योजना के साथ ग्राहकों की सहायता कर सकते हैं। हालांकि निवेश बैंकर्स अधिकांशतय संस्थानिक निवेशकों के साथ काम करते हैं, मगर पर्सनल बैंकर्स प्रमुखतया रोजमर्रा लोगों के साथ काम करते हैं।

यह दौर खुद बीएफएसआई क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए अपना परिष्कार करने तथा नए बिजनेस मॉडल को जांचने के लिए अत्यंत उपयुक्त है। उन्नत तकनीकों की सहायता तथा अपने मौजूदा प्रस्तावों को डिजीटलीकृत करके, वे अपनी सदियों पुरानी प्रक्रियाओं को अधिक नयी, ज्यादा अनुकूल कार्यप्रवाहों में रूपांतरित कर सकते हैं।

फाइनांस एनालिस्ट

न सिर्फ तकनीक के संदर्भ में, हम ऐसी दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं जहां वित्तीय सेवाएं प्रकाश की गति से उन्नत हो रही हैं। यहां, वित्तीय एनालिस्टों की मांग तेजी से बढ़ेगी, जो वित्तीय इंडस्ट्र में सबसे ज्यादा मांग वाली नौकरियों में से एक बनने जा रही है। इसके अंतर्गत शामिल होने वाले रोजगार होंगे, सूक्ष्म आर्थिक तथा सूक्ष्म आर्थिक परिदृश्यों पर शोधकार्य, कंपनी की बुनियादी जानकारियों के साथ वित्तीय जानकारी एकत्रित करना, बहुआयामी प्रगति योजनाएं गढ़ना। यहां दुनिया की आर्थिक विविधताओं में दक्षता तथा विश्लेषणात्मक समझदारी के गुणों की आवश्यकता है।

स्टॉक ब्रोकर्स या शेयर दलाल

वे दलाली कंपनियों के साथ जुड़े पंजीकृत विशेषज्ञ हैं या स्वतंत्र दलाल हैं। स्वतंत्र दलाल स्टॉक खरीदने व बेचने तथा संस्थानिक संरक्षकों समेत रीटेल की अन्य समान सुरक्षाओं के लिए जिम्मेदार होते हैं। रोजगार आम तौर पर तयशुदा फीस या कमीशन के आदान प्रदान में चलता है।

वेतन भत्ते

इंडस्ट्री में नवागंतुकों के लिए वेतन पैकेज 10000 से 12000 प्रति माह होने की संभावना है। अनुभवी पेशेवर अनेक इनसेंटिव्स भी कमा सकता है, मसलन बिक्री में सात – तीस प्रतिशत हिस्सा, जो प्राप्त लक्ष्य के स्तर पर निर्भर करता है।

आवश्यक योग्यताएं

सर्वाधिक अपेक्षित विशिष्ट योग्यताएं सेल्स, स्टॉक मार्केट जानकारी, गणितीय समझदारी, म्युचुअल फंड जानकारी, व बैंकिंग कामकाज की जानकारी में दक्षता प्राप्त होना है। अन्य व्यवहारिक योग्यताएं मसलन अच्छी संवाद योग्यताएं व आत्मविश्वास भी आपके बायोडाटा की महत्ता बढ़ा सकते हैं।

– लेखक आईसीए एडू स्किल्स के सीईओ हैं।

शिक्षकों के लिए अपना स्तर उन्नत करने का समय

छात्रों से योग्यताओं की मांग में बदलाव लगातार प्रतिस्पर्धाओं के लिए गहन निहितार्थों की मांग करते हैं जिनमें शिक्षकों से अपेक्षा होती है कि वे अपने छात्रों को ये योग्यताएं असरकारी ढंग से सिखाएं। हम ऐसे दौर में नहीं रह रहे हैं जब एक तयशुदा विषय सामग्री को पढ़ाना शिक्षा के केन्द्र में था। आज, नौकरियां बदल रही हैं और इसलिए शिक्षकों के प्रति अपेक्षाएं बदल रही हैं। शिक्षकों से विविधतापूर्ण शिक्षणशास्त्रीय गतिविधियों के अनुपालन की अपेक्षा की जाती है। शिक्षा दृष्टिकोण केन्द्रित केरीकुलम के विपरीत आज फोकस विद्यार्थी पर है।

पारंपरिक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम व कोर्स वर्क 21वीं सदी के लिए शिक्षकों को तैयार करने में विफल हुए हैं। कोई विकल्प न रहने से, हमारे शिक्षक मौजूदा अध्यापन पद्धति पर निर्भर हैं। योग्यताओं की अनुपस्थिति या शिक्षा व शिक्षक रोजगार प्रोफाइल की मांगों के बीच की खाई निरंतर एक बड़ी बाधा बनती है जिसका कि शिक्षक अपने करियर में सामना करता है। यही प्रमुख कारण है कि क्यों शिक्षण अंतिम करियर विकल्प बन गया है। अनुपलब्ध होने से लेकर अपर्याप्त व पुराना होने तक, टीचर शिक्षा निरंतर अकादमिकों व करिकुलम विशेषज्ञों के बीच बहस का लोकप्रिय विषय बनती है।

Rishabh Khanna
Cognitive scientist & founder of Suraasa

यदि शिक्षक ऊंचे वेतन वाली नौकरियां पाना, करियर अवसर तलाशना तथा अंतर्राष्ट्रीय योग्यताएं व प्रमाणन पाना चाहते हैं तो उनके लिए अपनी योग्यता का स्तरोन्नयन करना अनिवार्य है।

छात्रों से योग्यताओं की मांग में बदलाव लगातार प्रतिस्पर्धाओं के लिए गहन निहितार्थों की मांग करते हैं जिनमें शिक्षकों से अपेक्षा होती है कि वे अपने छात्रों को ये योग्यताएं असरकारी ढंग से सिखाएं। हम ऐसे दौर में नहीं रह रहे हैं जब एक तयशुदा विषय सामग्री को पढ़ाना शिक्षा के केन्द्र में था। आज, नौकरियां बदल रही हैं और इसलिए शिक्षकों के प्रति अपेक्षाएं बदल रही हैं। शिक्षकों से विविधतापूर्ण शिक्षणशास्त्रीय गतिविधियों के अनुपालन की अपेक्षा की जाती है। शिक्षा दृष्टिकोण केन्द्रित केरीकुलम के विपरीत आज फोकस विद्यार्थी पर है।

हम कह सकते हैं कि आज पढ़ाई जाने वाली शिक्षा की पद्धति शिक्षकों से अपनी पेशेवर जानकारी व योग्यताएं निरंतर उन्नत करते रहने की मांग करती है। शिक्षकों को चाहिए कि वे विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले बदलावों की अद्यतन जानकारी, मांग अनुरूप योग्यताएं, भविष्य के काम एवं छात्रों के संभावित करियर की जानकारी रखें। उनसे अपेक्षा है कि वे नवोन्मेषन के एजेंट बनें क्योंकि उन्नत गुणवत्ता व व क्षमता के जरिए, नवोन्मेषन प्रगति के नए स्रोत पैदा करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सर्वाधिक असरकारी बनने के लिए, शिक्षण परिवेष को सुनिश्चित करना चाहिए कि शिक्षण सामाजिक एवं अक्सर साझीदारीपूर्ण हो, छात्र प्रोत्साहनों के अत्यंत अनुरूप हो, शिक्षण को केन्द्रीय बनाता हो व भागीदारी को प्रोत्साहन देता हो, वैयक्तिक विशिष्टतओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील हो, तथा स्कूल के अंदर व बाहर दोनों, गतिविधियों व विषयों के बीच के संबंधों को प्रोत्साहित करता हो।

21वीं सदी के अध्यापक से अपेक्षा की जाती है वो लगनशील हो, उन्नतशील हो, नैतिक हो, मूल्यवान पेशेवर हो, ऊंचे मानदंडों वाला हो, जिज्ञासु स्वभाव वाला हो, सीखना चाहता हो व ढलने वाला तथा व्यवहारिक हो। उनमें जन प्रबंधन योग्यताएं, मददगार योग्यताएं, तकनीकी योग्यताएं, शिक्षणशास्त्रीय योग्यताएं, मंथन योग्यता एवं चिंतनशीलता, संप्रेषण योग्यताएं, नवोन्मेषन योग्यताएं एवं सामाजिक एवं भावनात्मक समझदारी होनी चाहिए।

आनलाइन शिक्षण पहले से उभार पर है भले ही हम महामारी असर पर ध्यान नहीं देते हैं और इसके अधिक छात्रों के बीच लोकप्रिय होने की संभावना है। महामारी ने आचरणगत बदलाव लाए हैं। शिक्षकों का स्तरोन्नयन अत्यंत महत्वपूर्ण है जिससे कि आनलाइन शिक्षण तरीकों के संदर्भ में उत्तम क्रियाओं पर उन्हें मार्गदर्शन मिल सके।

शिक्षक स्तरोन्नयन का मसला जटिल और बहुआयामी दोनों है। अध्यापन को सुधारने की मुख्य आधारशिला है – शिक्षण व उसके परिप्रेक्ष्यों में नए बदलावों की गहन जानकारी होना। बाल शिक्षण ने किस प्रकार बीते सालों में जबरदस्त बदलाव लाया है, हालांकि, इसका शिक्षण कार्य पर गहरा असर नहीं पड़ा है क्योंकि अधिकांश शिक्षक अभी भी स्थापित मान्यताओं के जरिए नए विचारों की व्याख्या करते हैं।

स्कॉलरशिप

द युनिवर्सिटी आफ शेफील्ड दो मेधावी छात्रों के लिए 4000 पौंड की ट्यूशन फीस की धनराशि वाली दो इंटरनेशनल एलएलएम स्कालरशिप्स का प्रस्ताव दे रही है।

योग्यता: फीस के संदर्भों से आपको एक विदेशी छात्र होना चाहिए, आपके पास पूर्णकालिक एलएलएम (शेफील्ड एलएलएम, एलएलएम कार्पोरेट एवं कामर्शियल लॉ एवं एलएलएम इंटरनेशनल लॉ एवं ग्लोबल जस्टिस पाथवेज समेत) की पढ़ाई करने का हमारे द्वारा भेजा गया अकादमिक प्रस्ताव होना चाहिए, आपके पास आवेदन नंबर होना चाहिए।

स्कालरशिप आवेदनों पर प्रवेश के आपके आवेदन के साथ जोड़कर विचार किया जाएगा।

सफल आवेदकों को जुलाई 2021 के अंत से पहले सूचित किया जाएगा।

आवेदन कैसे करें: आपको इंटरनेशनल एलएलएम स्कालरशिप आवेदन फार्म भरना होगा, इसमें 2000 शब्द का निबंध शामिल होगा। निबंध – विषय, ' लॉ अलोन केन नॉट एड्रेस ऑल सोशल प्राब्लेम्स ' पर चर्चा करें।

आवेदन की अंतिम तिथि: आवेदन की अंतिम तिथि 11 जून, 2021 है।

द युनिवर्सिटी आफ सस्काचेवन अपने अकादमिक सत्र 2021–2022 के लिए इंटरनेशनल बाक्यूलॉरिएट (आईबी) एक्सीलेंस अवाड्र्स के लिए आवेदन आमंत्रित करती है।

अवार्ड : सभी चयनित छात्रों को 20000 डॉलर की स्कालरशिप धनराशि प्रदान की जाएगी।

योग्यता: युनिवर्सिटी द्वारा प्रस्तावित सभी विषयों में अंडरग्रेजुएट डिग्री। आवेदकों को निम्न मापदंडों को पूरा करना होगा: पूर्ण आईबी डिप्लोमा पूरा करके युनिवर्सिटी आफसस्काचेवन में किसी भी डायरेक्ट-इंट्री कालेज में प्रवेश करने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्र (अंतरात्मक ट्यूशन का भुगतान करने वाले गैरकनाडाई नागरिक) आईबी एक्सीलेंस अवार्ड के लिए विचार किए जाएंगे।

ग्रहणकर्ता गारंटीड इंट्रेंस स्कालरशिप के अलावा इंटरनेशनल बाकालारिएट एक्सीलेंस अवार्ड प्राप्त करने के योग्य हैं।

भारतीय छात्र आवेदन कर सकते हैं।

छात्रों को निम्न अनिवार्य सहयोगी दस्तावेज भी जमा करने होंगे – अकादमिक पांडुलिपि, पासपोर्ट की छायाप्रति।

प्रवेश शर्तें: प्रवेश लेने के लिए, आवेदक युनिवर्सिटी की सभी प्रवेश शर्तों को जांच लें।

अंग्रेजी भाषा शर्तें: यदि अंग्रेजी आपकी प्रथम भाषा नहीं है तो आपको प्रदर्शित करना होगा कि अंग्रेजी भाषा योग्यताएं पर्याप्त उन्नत स्तर की हैं ताकि आप अपनी पढ़ाई में कामयाबी पा सकें।

आवेदन कैसे करें: अंडरग्रेजुएट एडमिशन के लिए आनलाइन आवेदन करके, छात्र स्कालरशिप हेतु विचारयोग्य मान लिए जाएंगे।

आवेदन की अंतिम तिथि: 15 फरवरी, 2021।

वैश्विक सोच वाले पेशेवरों के लिए बढ़ेंगे अवसर

क्रमश: जुड़ती जा रही दुनिया में, विश्व स्तरीय संगठन वैश्विक सोच वाले पेशेवरों की नयी नस्ल की तलाश रहे हैं। 21वीं सदी के नेतृत्व को ऐसे मैनेजर चाहिए जो चीजों को भिन्न ढंग से देख सकें और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में सही फैसले ले सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असरकारी ढंग से काम करने के लिए वैश्विक समझदारी व अंतर-सांस्कृतिक योग्यता समेत नए किस्म की योग्यताओं की आवश्यकता होती है। ये दोनों योग्यताएं मिलकर संस्कृतियों तथा वैश्विक स्तर पर व्यापार के लिए इनका क्या अर्थ होता है, में भिन्नताओं व समानताओं की प्रशंसा करने की योग्यता वाले मैनेजर तैयार करती हैं।

वे दिन बीत गए जब एक सफल नेता या मैनेजर अच्छी विश्लेषणात्मक व संप्रेषणीय योग्यताओं के बल पर अपने करियर में बहुत सफलता पा सकता था। आज की वैश्विक दुनिया में, हालांकि संप्रेषण एवं विश्लेषणात्मक योग्यताएं महत्वपूर्ण है मगर इसमें कहीं अधिक महत्वपूर्ण बुद्धिमानी है जो आगे बढ़ने के लिए अत्यावश्यक है।

विश्व आर्थिक मंच की एक हालिया रिपोर्ट निम्न की कोविड उपरांत दौर में आवश्यकता के बतौर पहचान करती है । इनमें परिप्रेक्ष्यगत समझदारी, नैतिकता एवं नैतिक समझदारी, भावनात्मक एवं सामाजिक बुद्धि, डिजीटल बुद्धि, सृजक/नवोन्मेषी बुद्धि एवं रूपांतरणकारी बुद्धि शामिल है। इनमें से प्रत्येक को निरंतर दुनिया भर में हो रही घटनाओं की जानकारी के जरिए उन्नत किए जाने की आवश्यकता है।

मैनेजरों व नेताओं को लगातार उन चीजों के बारे में जानने की जरूरत है जो इन जटिल प्रतिस्पर्धाओं की पृष्ठभूमि में दुनिया में घटती हैं। इससे उन्हें प्राथमिकता चुनने तथा प्रासंगिक फैसले लेने में सहायता होगी। उन्हें सांस्कृतिक बारीकियों व भावों को जानने की भी आवश्यकता है ताकि वे सफ्लतापूर्वक वैश्विक परिप्रेक्ष्य में व्यापार कर सकें।

हार्वर्ड युनिवर्सिटी द्वारा किए गए हालिया शोध ने 21वीं सदी मैनेजर के लिए प्रमुख नेतृत्व योग्यता के रूप में वैश्विक समझदारी की पहचान की। इसे कार्नेल युनिवर्सिटी में किए गए एक अन्य अध्ययन द्वारा वैधता प्रदान की गयी है, जहां लोगों के तीन समूहों को प्रसिद्ध डंकर कैंडल प्रोब्लम दी गयी। एक समूह में ऐसे लोग थे जिनका एक देश का अनुभव और जानकारी थी, दूसरे समूह को दो देशों की जानकारी थी तथा तीसरे समूह को अनेक देशों का तर्जुबा था। परिणाम चौंकाने वाले थे, जिस समूह के पास बहुदेशीय जानकारी थी उसने अन्य दो समूहों की तुलना में संज्ञेय समस्या सुलझाने में कहीं अधिक स्तर पर सफलता पाई।

माइंड इट

दुनिया भर के कार्पोरेशन बहुप्रतिभाशाली, बहुआयामी व्यक्तियों की तलाश कर रहे हैं जो युवा जगत में चुनौतीपूर्ण समस्याएं सुलझाने के लिए, उपरोक्त की तरह, विविध क्षमताओं वाले होते हैं, जिनका प्रतिनिधित्व परिवर्तनशीलता, अनिश्चितता, जटिलता और संदिग्धता करते हैं।

वैश्विक जागरूकता के साथ ये क्षमताएं समय की आवश्यकता बन गयी हैं व भविष्योन्मुखी बिजनेस स्कूलों ने सचेतन रूप से अंतर्राष्ट्रय अनुभवों को कैरीकुलम के हिस्सा बना लिया है।यह सिर्फविभिन्न स्थानों को घूमना मात्र नहीं है। यह एक जबरदस्त अनुभव से कहीं परे जाता है जो इन विभिन्न देशों की राजनीति, अर्थशास्त्र, व्यापार एवं संस्कृति के आयामों की थाह हासिल करता है। ऐसे तजुर्बे से होकर गुजरने वाले भागीदार जागरूक होते हैं और वैश्विक चुनौतियों के लिए ज्यादा खुले होते हैं और धीरे धीरे वैश्विक रूप से प्रासंगिक पेशेवरों में बदल जाते हैं। अपने करियरों में तेजी से आगे बढ़कर, जब उनका जटिल होती वैश्विक चुनौतियों से वास्ता पड़ता है तो विविधतापूर्ण वैश्विक वातारणों में अनोखे अनुभव उनकी संज्ञानात्मक योग्यताओं को उन्नत बनाते हैं और विविधतापूर्ण परिप्रेक्ष्यों के बिन्दुओं को जोड़ने में उनकी सहायता करते हैं। वैश्विक पंछी की दृष्टि से समस्याओं को देखने की यह अनोखी योग्यता भविष्य के सफल मैनेजर के लिए गेमचेंजर बन सकती है।

– लेखक प्रोफेसर क्रिष्टोफर अब्राहम, दुबई कैम्पस, एसपीजैन स्कूल आफग्लोबल मैनेजमेंट के सीईओ एवं हेड हैं।

स्मिथ फिर चमके

आस्ट्रेलिया ने दूसरे वनडे में भारत को रौंदकर श्रृंखला में अजेय बढ़त बनाई

एजेंसी। सिडनी

आस्ट्रेलिया ने स्टीव स्मिथ की 64 गेंद में 104 रन की शतकीय पारी से रनों का पहाड़ खड़ा करके रविवार को यहां दूसरे वनडे में भारत को 51 रन से शिकस्त देकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली। आस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए स्मिथ के शतक के अलावा चार अर्धशतकीय पारियों से चार विकेट पर 389 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। आस्ट्रेलियाई रन मशीन स्मिथ का यह भारत के खिलाफ 50 ओवर के प्रारूप में पांचवां शतक है और उन्होंने श्रृंखला के शुरुआती मैच में सैकड़े के बाद लगातार दूसरा शतक जमाया। पहले वनडे में शतक के लिए उन्होंने 66 गेंद का सामना किया था।

भारत के लिए 390 रन का लक्ष्य काफी बड़ा साबित हुआ जो कप्तान विराट कोहली (89) और लोकेश राहुल (76) के अर्धशतकों के बावजूद निर्धारित 50 ओवर में नौ विकेट पर 338 रन ही बना सकी। इस बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए फार्म में चल रहे शिखर धवन (30) और मंयक अग्रवाल (28) ने शुरुआत बाउंड्री से की। अग्रवाल ने पहले ही ओवर में दो बार गेंद सीमारेखा के पार कराई, जबकि धवन ने मिशेल स्टार्क पर लगातार तीन चौके जमाए। अग्रवाल की शानदार कवर ड्राइव से मेहमान टीम ने 6.1 ओवर में 50 रन का स्कोर पार कर लिया था। हालांकि तेजी से रन जुटाने के प्रयास में धवन विकेट गंवा बैठे। फिर कोहली उतरे और भारतीय कप्तान ने हमेशा की तरह अपनी 87 गेंद की पारी के दौरान कुछ बेहतरीन शॉट लगाते हुए भारत को लक्ष्य का पीछा करने की दौड़ में बनाए रखा। भारत ने 9-10 रन प्रति ओवर के जरूरी रन रेट को बनाए रखने की कोशिश की। लेकिन तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने आस्ट्रेलिया को सबसे बड़ी सफलता दिलाई जब उनकी गेंद पर मोइजेस हेनरिक्स ने मिडविकेट पर डाइव करते हुए कोहली का कैच लपक लिया। इसके बाद हार्दिक पंड्या क्रीज पर उतरे और इस हरफनमौला ने लोकेश राहुल के साथ मिलकर कुछ बड़े शॉट जमाए। लेकिन इतना ही काफी नहीं था। राहुल अपनी 66 गेंद की पारी के दौरान पांच छक्के और चार चौके जमाकर पवेलियन पहुंच गए। इसके बाद भारतीय टीम की उम्मीद टूट गई। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने अपने 10 ओवर में 67 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

स्मिथ की 104 रन की पारी के अलावा विस्फोटक सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने 77 गेंद में 83 रन बनाए जबकि कप्तान आरोन फिंच ने पहले विकेट के लिए 23 ओवर में 142 रन की साझेदारी के दौरान 60 रन का योगदान दिया। मार्नस लाबुशेन और ग्लेन मैक्सवेल की जोड़ी ने इसी आक्रामकता को बरकरार रखते हुए आस्ट्रेलिया को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। लाबुशेन ने 70 और बिग हिटर मैक्सवेल ने 29 गेंद में चार छक्के और इतने ही चौके की मदद से नाबाद 63 रन बनाए। स्मिथ ने अपनी 104 रन की पारी के दौरान 14 चौके और दो छक्के जड़े, जबकि वार्नर ने सात बार गेंद सीमारेखा के पार कराई और तीन छक्के जड़े, हालांकि वह श्रेयस अय्यर के डीप से सीधे फेंके गए शानदार थ्रो के कारण अपने शतक से चूक गए। स्मिथ ने अपने पारंपरिक अंदाज में खेलते हुए विकेट के चारों ओर शॉट जमाए और भारतीय गेंदबाजी की धज्जियां उड़ाईं।

श्रृंखला के शुरुआती मैच में काफी रन लुटाने के बाद शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने मेडन ओवर से शुरुआत की और विकेट से अच्छी रफ्तार हासिल की, जिस पर अच्छी खासी घास थी। लेकिन वह जल्द ही लय खो बैठे और आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने धीमी शुरुआत के बाद तेजी पकड़ना शुरू किया। फिंच ने बुमराह की गेंद को बैकवर्ड स्क्वायर लेग की ओर भेजकर अपना पहला चौका जड़ा, जबकि गेंदबाज की रफ्तार 146-147 किमी प्रति घंटा थी। युवा नवदीप सैनी को जल्दी ही गेंदबाजी पर लगाया गया और वार्नर ने उनका स्वागत स्क्वायर लेग बाउंड्री पर छक्का लगाकर किया। इन परिस्थितियों में सैनी के कम अनुभव का पूरा फायदा उठाते हुए वार्नर ने उनके ओवर में दो चौके जमाए और फिर पारी के आठवें ओवर में शमी की गेंद का भी यही हाल किया, जिससे आस्ट्रेलिया ने 50 रन पूरे कर एक और मजबूत शुरूआत की। आस्ट्रेलिया ने पूरी पारी के दौरान लय बनाए रखी और भारतीय गेंदबाजों ने गर्मी में काफी पसीना बहाया।

स्कोर बार्ड

भारतीय पारी

मयंक अग्रवाल का कैरी बो कमिंस	28
शिखर धवन का स्टार्क बो हेजलवुड	30
विराट कोहली का हेनिरक्स बो हेजलवुड	89
श्रेयस अय्यर का स्मिथ बो हेनरिक्स	38
लोकेश राहुल का हेजलवुड बो जाम्पा	76
हार्दिक पंड्या का स्मिथ बो कमिंस	28
रविंद्र जडेजा का मैक्सवेल बो कमिंस	24
नवदीप सैनी नाबाद	10
मोहम्मद शमी का एवं बो मैक्सवेल	01
जसप्रीत बुमराह पगबाधा बो जाम्पा	00
युजवेंद्र चहल नाबाद	04
अतिरिक्त	10

कुल योग : 50 ओवर में नौ विकेट पर : 338 रन
विकेट पतन : 1-58, 2-60, 3-153, 4-225, 5-288, 6-321, 7-321, 8-326, 9-328

गेंदबाजी

स्टार्क	9-0-82-0
हेजलवुड	9-0-59-2
कमिंस	10-0-67-3
जाम्पा	10-0-62-2
हेनरिक्स	7-0-34-1
मैक्सवेल	5-0-34-1

आस्ट्रेलियाई पारी

डेविड वार्नर रन आउट (अय्यर)	83
आरोन फिंच का कोहली बो शमी	60
स्टीव स्मिथ का शमी बो पंड्या	104
मार्नस लाबुशेन का अग्रवाल बो बुमराह	70
ग्लेन मैक्सवेल नाबाद	63
मोइजेस हेनरिक्स नाबाद	02
अतिरिक्त	07

कुल योग : 50 ओवर में चार विकेट पर 389 रन
विकेट पतन : 1-142, 2-156, 3-292, 4-372

गेंदबाजी :

शमी	9-0-73-1
बुमराह	10-1-79-1
सैनी	7-0-70-0
चहल	9-0-71-0
पंड्या	4-0-24-1
जडेजा	10-0-60-0
अग्रवाल	1-0-10-0

गेंदबाजी एक्शन में बदलाव के साथ पंड्या ने एक साल बाद पहली बार गेंदबाजी की

सिडनी। भारतीय हरफनमौला हार्दिक पंड्या ने एक साल पहले हुई पीठ की सर्जरी के बाद वापसी करते हुए रविवार को यहां दूसरे वनडे के दौरान आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार शीर्ष स्तर के क्रिकेट में गेंदबाजी की। दो दिन पहले शुरुआती वनडे के बाद पंड्या ने कहा था कि वह महत्वपूर्ण मैचों में और जब सही समय होगा, तभी गेंदबाजी करेंगे। उन्होंने शरीर पर पड़ने वाले दबाव को कम करने के लिए अपने गेंदबाजी एक्शन में थोड़ा बदलाव किया है।

पंड्या अपनी टीम के दबाव में आने पर गेंदबाजी के लिए उतरे जिसमें उन्होंने पहला ओवर अच्छा डाला। उन्होंने शानदार फार्म में चल रहे स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन के खिलाफ सिडनी क्रिकेट मैदान पर केवल पांच रन गंवाए। अपने दूसरे ओवर में पंड्या ने महज चार रन दिए जिसमें आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को उनकी धीमी गेंद को खेलने में थोड़ी मुश्किल हुई। तीसरे ओवर में उन्होंने स्मिथ को शार्ट और वाइड गेंद को खेलने के लिए लुभाया जो उनकी योजना का हिस्सा लग रहा था और यह इस आस्ट्रेलियाई के बल्ले को छूती हुई सीधे मोहम्मद शमी के हाथों में चली गई।

संक्षिप्त समाचार

इंटर मिलान ने सासुओलो को 3-0 से हराया

मिलान। इंटर मिलान ने सीरी ए फुटबॉल लीग के मैच में सासुओलो पर 3-0 से जीत हासिल की। घरेलू टीम सासुओलो को अभी तक किसी भी मैच में हार नहीं मिली थी जिससे इंटर मिलान ने उसकी नहीं हारने की लय तोड़ दी। एलेक्सिस सांचेज ने चौथे ही मिनट में इंटर मिलान को आगे कर दिया। इसके बाद व्लाड चिरिचे के आत्मघाती गोल से इंटर मिलान के स्कोर में इजाफा हुआ। रोबर्टो गागलियार्डिनी ने 60वें मिनट में गोल कर इंटर मिलान का स्कोर 3-0 कर दिया। इंटर मिलान की यह सात मैचों में दूसरी ही जीत है।

रियाल मैड्रिड हारा, एटलेटिको ने लगातार छठी जीत दर्ज की

मैड्रिड। एटलेटिको मैड्रिड ने शनिवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग के मुकाबले में वालेंसिया को 1-0 से हराकर लगातार छठी जीत हासिल की। वहीं रियाल मैड्रिड को एलावेस से घरेलू मुकाबले में 1-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा, जो उसकी लगातार तीसरी हार है। इससे वह अपने शहर की प्रतिद्वंद्वी एटलेटिको मैड्रिड से छह अंक पीछे खिसक गई है, जबकि वह उससे एक मैच ज्यादा खेल चुकी है। रियाल मैड्रिड की टीम चौथे स्थान पर है और शीर्ष स्थान से छह अंक पीछे है, उसके लिए एकमात्र गोल 86वें मिनट में कासेमिरो ने किया। वहीं एलावेस के लिए लुकास पेरेज और जोसेलू ने गोल दागे।

माइक टायसन रिंग में लौटे, जोंस के साथ प्रदर्शनी मैच ड्रा

लास एंजिलिस। महान मुक्केबाज माइक टायसन ने रॉय जोन्स जूनियर के खिलाफ प्रदर्शनी बाउट से मुक्केबाजी रिंग में वापसी की। दोनों सीनियर मुक्केबाजों के बीच बाउट के दौरान शानदार पल रहे जिसे डब्ल्यूबीसी जजों ने अनौपचारिक रूप से ड्रा करार दिया। 54 वर्षीय टायसन और 51 वर्षीय जोंस ने दो मिनट के आठ राउंड खेले। इस बाउट से विभिन्न चैरिटी के लिए धनराशि जुटाई गई। दोनों बाउट के बाद मुस्कुराते दिखे। टायसन ने हेवीवेट प्रदर्शनी बाउट के बाद कहा कि यह चैंपियनशिप के लिए लड़ने की तुलना में ज्यादा बेहतर था।

मुक्केबाज दुर्योधन नेगी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए

नई दिल्ली। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन मुक्केबाज दुर्योधन नेगी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं और लक्षण नहीं दिखाई देने के बावजूद ऐहतियात के तौर पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने रविवार को यह जानकारी दी। यह वेल्टरवेट (69 किग्रा) वर्ग का मुक्केबाज दीपावली के ब्रेक के बाद पटियाला में राष्ट्रीय ट्रेनिंग शिविर के लिए लौट रहा था। साइ ने बयान में कहा, उसमें अभी लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं और ऐहतियाती कदम के तौर पर उन्हें कोलंबिया एशिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि वह दीपावली के लिए छुट्टी पर गया था और वापस लौटने पर उसे पृथकवास में रखा गया था। साइ की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार शिविर के लिए लौटने के छठे दिन उसका परीक्षण किया गया। चौंतीस साल के अनुभवी मुक्केबाज नेगी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं जिसमें पिछले साल आयोजित विश्व चैंपियनशिप भी शामिल है।

फिलिप्स के रिकॉर्ड शतक से न्यूजीलैंज ने विंडीज को हराया

माउंट मोनगानुई। ग्लेन फिलिप्स के 46 गेंद में बनाए रिकॉर्ड शतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने रविवार को यहां दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को 72 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की विजई बढ़त बना ली। फिलिप्स ने 51 गेंद में 108 रन की पारी के दौरान न्यूजीलैंड की ओर से सबसे तेज शतक बनाया। उन्होंने अपनी पारी में आठ छक्के और 10 चौके मारने के अलावा डेवोन कॉनवाय (37 गेंद में नाबाद 65) के साथ तीसरे विकेट के लिए 184 रन की साझेदारी की जिससे न्यूजीलैंड ने तीन विकेट पर 238 रन बनाए। वेस्टइंडीज की टीम इसके जवाब में नौ विकेट पर 166 रन ही बना सकी। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरे न्यूजीलैंड की टीम ने शुरूआती सात ओवर में दो विकेट पर 53 रन बनाए। फिलिप्स और कॉनवाय इसके बाद एक साथ बल्लेबाजी करने उतरे। तेइस साल के फिलिप्स ने 10वें ओवर की अंतिम गेंद पर कीरोन पोलार्ड पर छक्के के साथ अपने तेवर दिखाए और फिर छक्कों और चौकों की बारिश से विरोधी टीम के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने 13वें ओवर में फाबियन एलेन पर तीन छक्के जड़े। उन्हें 20वें ओवर की पांचवीं गेंद में पोलार्ड ने पवेलियन भेजा। वेस्टइंडीज की विश्व टी-20 चैंपियन टीम इसके जवाब में कभी लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में नहीं दिखी।

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके केटी इरफान, दुती टॉप्स कोर ग्रुप में शामिल

एजेंसी। नई दिल्ली

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके पैदल चाल के खिलाड़ी केटी इरफान और भाला फेंक के शिवपाल सिंह के अलावा फर्राटा धाविक दुती चंद को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के कोर समूह में शामिल किया गया। खेल मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रदर्शन की समीक्षा के बाद टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और शीर्ष फर्राटा धाविक हिमा दास को टॉप्स कोर समूह में बरकरार रखा गया है।

मिशन ओलंपिक सेल की 26 नवंबर को हुई बैठक के बाद ट्रैक एवं फील्ड के सात खिलाड़ियों को भी टॉप्स डेवलपमेंटल समूह में शामिल किया गया है। मंत्रालय ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि खिलाड़ियों को टॉप्स कोर ग्रुप में शामिल करने का फैसला उनके प्रदर्शन में प्रगति और अगले साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन या क्वालीफाई करने की अधिक संभावना के आधार पर किया गया है। शिवपाल, इरफान और दुती के अलावा अनु रानी (महिला भाला फेंक), आरोकिया राजीव (पुरुष 400 मीटर और चार गुणा 400 मीटर रिले), नोह निर्मल टॉम (पुरुष 400

मीटर और चार गुणा 400 मीटर रिले), एलेक्स एंथोनी (पुरुष 400 मीटर और चार गुणा 400 मीटर रिले), एमआर पूवम्मा (महिला 400 मीटर और चार गुणा 400 मीटर रिले) को भी टॉप्स कोर समूह में जगह मिली है। भारत ने 2019 विश्व चैंपियनशिप के जरिए मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले में ओलंपिक कोटा हासिल किया है। ऊंची कूद के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक तेजस्विन शंकर उन सात खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें टॉप्स डेवलपमेंटल समूह में शामिल किया गया है। इसके अलावा हर्ष कुमार (पुरुष 400 मीटर और चार गुणा 400 मीटर रिले), वीरामनी रेवाती (महिला 400 मीटर और चार गुणा 400 मीटर रिले), विथ्या आर (महिला 400 मीटर और चार गुणा 400 मीटर रिले), शैली सिंह (महिला लंबी कूद), एस बाबू (महिला त्रिकूद) और हर्षिता सहरावत (महिला तार गोला फेंक) को भी टॉप्स डेवलपमेंटल समूह में शामिल किया गया है।

वार्नर को चोट लगी, स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया

सिडनी। आस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर का रविवार को दूसरे वनडे के दौरान ग्रोइन में चोट लगने के कारण भारत के खिलाफ सीमित ओवर की श्रृंखला के बचे हुए मैचों में खेलना संदिग्ध लग रहा है। वार्नर को भारतीय पारी के चौथे ओवर में डाइव करने के बाद उठने में परेशानी हुई, जिसके बाद वह सिडनी क्रिकेट मैदान से बाहर चले गए। इस सीनियर खिलाड़ी को स्कैन कराने के लिए करीब के अस्पताल में ले जाया गया।

वार्नर गेंद को रोकने के लिए कूदे और गिरने के बाद वह जिस तरह से दर्द से कराह रहे थे ऐसा

लगता है कि वह केवल तीसरे और अंतिम वनडे में ही नहीं बल्कि इसके बाद होने वाली तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला में भी नहीं खेल पाएंगे। टीम के साथी पैट कमिंस, ग्लेन मैक्सवेल और फिजियो डेविड बीकले ने वार्नर को आस्ट्रेलियाई ड्रेसिंग रूम में पहुंचने के लिए कुछ कदम चलने में मदद की जिसके बाद वह सीधे अस्पताल चले गए। मिड-ऑफ पर चोटिल होने से पहले वार्नर ने आस्ट्रेलिया के चार विकेट पर 389 रन की पारी के दौरान 83 रन की शानदार पारी खेली थी। सीमित ओवर की श्रृंखला के बाद चार मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेली जाएगी। टेस्ट मैच 17 दिसंबर से एडीलेड में शुरू होंगे। दो दिन पहले मार्कस स्टोइनिस को भी श्रृंखला के शुरुआती मैच में मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था।

गोवा की निगाहें आईएसएल सत्र में पहली जीत पर

मडगांव। एफसी गोवा की टीम सोमवार को यहां शुरू होने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) मैच में मजबूत नार्थईस्ट यूनाईटेड एफसी के खिलाफ सत्र की पहली जीत दर्ज करना चाहेगी। गोवा ने बेंगलुरू एफसी के खिलाफ शुरुआती मैच में शानदार वापसी की और इस मैच को 2-2 से ड्रा कराया। लेकिन दूसरे मैच में उसे मुंबई सिटी एफसी से 0-1 से हार का मुंह देखना पड़ा। लेकिन अब सोमवार को मुख्य कोच जुआन फेरांडो चाहेंगे कि उनकी टीम पूरे तीन अंक हासिल करे जो उनके लिए पूरे सत्र में मनोबल बढ़ाने का काम करेगी। और ऐसा करने के लिए एफसी गोवा की टीम अपने स्पेनिश स्ट्राइकर इगोर एंगुलो पर निर्भर होगी जिन्होंने बेंगलुरू के खिलाफ मैच में दो गोल दागे थे।

'कोरोना टीका उपलब्ध होने पर ओलंपिक खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी'

एजेंसी। नई दिल्ली

खेलमंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को कहा कि कोविड-19 का टीका उपलब्ध होने पर ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ियों और सहायक स्टाफ को प्राथमिकता दी जाएगी। रिजिजू ने कहा कि देश को स्थगित हो चुके टोक्यो ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों का अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेजने की उम्मीद है। टोक्यो ओलंपिक का आयोजन अगले साल 23 जुलाई से आठ अगस्त तक किया जाएगा।

रिजिजू ने एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाने के बाद कहा कि टोक्यो ओलंपिक हो या फिर कोई अन्य बड़ी प्रतियोगिता,

ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ियों के साथ सहायक स्टाफ को प्राथमिकता दी जाएगी, क्योंकि इनका समय तय है। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी और हम स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ इस पर बात करेंगे। रिजिजू ने कहा कि हमें सुनिश्चित करेंगे कि सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों और आयोजकों को अहमियत दी जाए, जिससे की उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। मंत्री ने कहा कि वह आगामी महीनों में और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन चाहते हैं क्योंकि ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रतियोगिताएं होने वाली हैं। उन्होंने कहा कि ओलंपिक क्वालीफिफेशन मुकाबले होंगे। रिजिजू ने कहा, मैं पहले ही राष्ट्रीय खेल महासंघों और भारतीय ओलंपिक संघ को कह चुका हूं कि भारत में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन की योजना बनाएं। और हम पूरा समर्थन देंगे। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि लॉकडाउन खत्म हो चुका है, हम खेल गतिविधियां शुरू कर रहे हैं।

घरेलू सत्र के लिए बीसीसीआई का खाका

मुश्ताक अली 20 दिसंबर और रणजी 11 जनवरी से

मुंबई। घरेलू क्रिकेट का आयोजन करने के लिए बेताब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सीमित मुकाबलों के सत्र के ढांचे पर राज्य संघों की सलाह मांगी है। घरेलू सत्र के आयोजन के लिए बीसीसीआई ने दिसंबर से मार्च के बीच देशभर में छह जैविक रूप से सुरक्षित स्थल तैयार करने की योजना बनाई है।

संघों को लिखे पत्र में बोर्ड ने घरेलू मुकाबलों के आयोजन को लेकर चार विकल्प दिए हैं, जिसमें पहला विकल्प सिर्फ रणजी ट्रॉफी का आयोजन है। दूसरा विकल्प सिर्फ सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट का आयोजन है। तीसरे विकल्प में रणजी ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का संयोजन होगा जबकि चौथा विकल्प दो सीमित ओवरों के टूर्नामेंट (सैयद मुश्ताक अली और विजय हजारे ट्रॉफी) के लिए विंडो तैयार करना है। पत्र के अनुसार बीसीसीआई ने टूर्नामेंट के संभावित समय पर भी बात की है। रणजी ट्रॉफी (11 जनवरी से 18 मार्च) के लिए 67 दिन प्रस्तावित किए गए हैं। इस पत्र की प्रति पीटीआई के पास भी है। मुश्ताक अली ट्रॉफी के आयोजन के लिए 22 दिन (20 दिसंबर से 10 जनवरी) की जरूरत होगी जबकि अगर विजय हजारे ट्रॉफी का आयोजन होता है तो यह 11 जनवरी से सात फरवरी के बीच 28 दिन में आयोजित हो सकता है।

इथियोपिया के वालेलेगन, एहुआलॉ ने रिकार्ड समय में एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन जीती

एजेंसी। नई दिल्ली

इथियोपिया के अमेदेवर्क वेलेलेगन और यालेमजर्फ एहुआलॉ ने रविवार को कोविड-19 महामारी के बीच जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में आयोजित एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन में रिकार्ड समय के साथ क्रमशः पुरुष और महिला खिताब अपने नाम किए। इस विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस में दोनों पुरुष और महिला एलीट रेस विजेताओं ने कोर्स रिकार्ड बनाए। भारत के लिए टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके अविनाश साबले ने 1:00:30 के समय से राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया। महाराष्ट्र के 26 साल के साबले ओवरआल 10वें स्थान पर रहे।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अधिकारिक रिकार्ड के अनुसार पूर्व राष्ट्रीय हाफ मैराथन रिकार्ड एक घंटा तीन मिनट 46 सेकेंड के समय से महाराष्ट्र के कालीदास हिरावे के नाम पर था। इस साल का रेस रिकार्ड स्वास्थ्य

प्रोटोकॉल के कारण हालांकि पिछले दो वर्षों के रिकार्ड से अलग था और एलीट एथलीट महामारी के कारण अलग तरह के माहौल में दौड़े जिसमें आयोजकों ने उनके लिए जैविक रूप से सुरक्षित जोन बनाई हुई थी। पुरुषों की रेस में पिछले साल के रजत पदक विजेता वालेलेगन ने हमवतन और गत चैंपियन अंदामलाक बेलिहू को रोमांचक मुकाबले में हराकर 58 मिनट 53 सेकेंड के कोर्स रिकार्ड समय से स्वर्ण पदक जीता। वालेलेगन ने पिछले महीने विश्व हाफ मैराथन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। बेलिहू ने 2018 और 2019 में यहां खिताब जीता था। उन्हें 58.54 के समय के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। युगांडा के स्टीफन किस्सा ने 21.09 किलोमीटर की रेस 58 मिनट 56 सेकेंड में पूरी की। इक्कीस साल के वालेलेगन ने 59 मिनट छह सेकेंड के पहले के कोर्स रिकार्ड से बेहतर प्रदर्शन किया जो उनके हमवतन गाए एडोला के नाम था जिन्होंने इसे 2014 में बनाया था। टोक्यो ओलंपिक में 3000 स्टीपलचेज के लिए क्वालीफाई कर चुके साबले ने एक घंटा 30 सेकेंड का समय निकाला। यह पहली बार है जब एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन में किसी भारतीय ने 61 मिनट से कम समय निकाला हो। श्रीनू बुगाथा इस साल भारतीयों में दूसरे स्थान पर रहे जिन्होंने 1:04:16 का समय निकाला जबकि दुर्गा बहादुर बुद्धा 1:04:19 के समय से तीसरे स्थान पर रहे। स्टार सुसज्जित महिला एलीट रेस में एहुआलॉ ने एक घंटा चार मिनट 46 सेकेंड के कोर्स रिकार्ड समय से रेस जीती और उन्होंने हमवतन और गत चैंपियन सेहे गेमेचु के 1:06:00 समय से बेहतर किया जबकि इस बार गेमेचु पोडियम स्थान हासिल नहीं कर पाईं। कीनिया की रूथ चेपंगेटिच (1:05:06) दूसरे और एक अन्य इथियोपियाई और विश्व हाफ मैराथन की रिकार्ड धारी अबाबेल एशानेह (1:05:21) तीसरे स्थान पर रहीं।

वालेलेगन की तरह ही फार्म में चल रही एहुआलॉ पिछले साल यहां दूसरे स्थान पर रही थीं और पिछले महीने विश्व हाफ मैराथन में उन्होंने तीसरा स्थान हासिल किया था। भारतीयों में पारूल चौधरी ने एक घंटा 12 मिनट 18 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक हासिल किया, वह पिछले साल दूसरे स्थान पर रही थीं। वहीं संजीवनी जाधव (1:13:00) और कोमल जगदाले (1:14:04) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। कोरोना महामारी के बीच एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन भारत में पहला वैश्विक खेल आयोजन है जिसके लिए खेल मंत्री किरेन रीजीजू और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा उपस्थित थे।

साबले ने राष्ट्रीय हाफ मैराथन रिकार्ड तोड़ा, 61 मिनट से कम समय निकालने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली। टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके अविनाश साबले ने रविवार को यहां एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन में भारतीय शीर्ष धावकों में एक मिनट 30 सेकेंड के समय से राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ा। वह सभी भारतीयों में काफी आगे रहे और ओवरआल 10वें स्थान पर रहे। पिछले साल विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान 3000 स्टीपलचेज में टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके 26 वर्षीय साबले इस तरह पहले भारतीय बन गए, जिसने हाफ मैराथन 61 मिनट से कम समय में पूरी की हो।

साबले का प्रदर्शन इतना शानदार था कि वह अपने भारतीय प्रतिद्वंद्वियों से काफी आगे रहे। श्रीनू बुगाथा दूसरे स्थान पर रहे जिन्होंने 1:04:16 का समय निकाला जबकि दुर्गा बहादुर बुद्धा 1:04:19 के समय से तीसरे स्थान पर रहे। भारतीय

एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अधिकारिक रिकार्ड के अनुसार पूर्व राष्ट्रीय हाफ मैराथन रिकार्ड 1:03:46 के समय से महाराष्ट्रीय के कालीदास हिरावे के नाम पर था। खेलमंत्री किरेन रिजिजू ने रेस आरंभ की थी, उन्होंने ट्वीट किया, मैं यह देखकर बहुत खुश हूं कि एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन को उचित स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों के साथ आयोजित किया गया।

कॉमिक्स के जरिए भारतीय कहानियों का पुनर्जन्म

हालिया वर्षों में, कॉमिक पुस्तकों ने भारत में पुनरुत्थान देखा है। डिजीटल तकनीक एवं सोशल मीडिया का आगमन अपने काम को अधिक आसानी के साथ रचने व उसे प्रोत्साहित करने में नए डिजाइनरों व कलाकारों की सहायता कर रहा है। प्रस्तुत है कर्णिका मिश्रा की रिपोर्ट

भारत कहानियों की भूमि है। हमारे प्राचीन अतीत की कथाएं विभिन्न माध्यमों और प्रारूपों में लोगों को सुनाई व पुनः सुनाई गई हैं। हमने उन्हें बुजुर्गों से सुना है, उन्हें पिचवाई और फाड के भक्तिपूर्ण पन्नों के जरिए कला में चित्रित देखा है, रामलीला या कथकली में उनकी रोमांचकारी चित्रण को अनुभव किया है, यहां तक कि उन्हें दही हांडी जैसे त्योहारों में सजीव स्तर पर प्रस्तुत होते देखा है। रानी लक्ष्मीबाई जैसे आधुनिक ऐतिहासिक व्यक्तित्व भी हमारी कथावाचन परंपराओं का हिस्सा बन गए हैं। सचमुच, इतिहास की हमारी समझ, सांस्कृतिक व नैतिक संवेदनाएं हमारी मौलिक कहानियों द्वारा गढ़ी गई हैं। नायक और नायिकाओं की किंवदंतियों ने हमें अपने बाल्यकाल के वर्षों के दौरान प्रेरित किया है।

लिखित शब्द

भारत में मौखिक कथावाचन परंपराओं के साथ, लिखित प्रारूप भी सदियों से मौजूद रहा है। भारत में प्रिंटिंग आने के काफी पहले, भारतीयों ने अपनी कहानियों को भोजवृक्ष या ताड़ पत्रों हस्तलिपियों पर संरक्षित किया है। पंचतंत्र, दुनिया में सबसे प्राचीन कथाओं में से एक, को प्राचीन हस्तलिपियों तथा 18वीं सदी की हस्तलिखित रंगीन चित्रों वाले कागज संस्करणों दोनों में संरक्षित पाया गया है। समकालीन दौर में, वैदिक और पौराणिक साहित्य की प्राचीन कहानियां लगातार, हमें सूचित, शिक्षित व हमारा मनोरंजन करती रहीं खास कर जब वे नए प्रारूपों और माध्यमों को अपनाती हैं। उल्लेखनीय चरित्रों एवं सार्वभौमिक रूप से प्रासंगिक कथानकों के विशाल स्मारकों वाला हिंदू धर्म कलाकारों व लेखकों को जबरदस्त रचनात्मक खुराक प्रदान करता है। यह दुनिया में अकेला विशाल धर्म है, जो अपने देवताओं की कलात्मक प्रस्तुतियों में अपार स्वतंत्रता प्रदान करता है। भारतीय चिंतन का अंतर्निहित आदर्शवाद न सिर्फ स्वीकार करता है, बल्कि नई अभिव्यक्तियों को प्रोत्साहित करता है। इसके पाठों की व्यापकता वं उत्कृष्टता चित्रित माध्यमों में अद्भुत ढंग से रूपांतरित भी हुई है। इसीलिए यह आश्चर्यजनक नहीं है कि ये कथाएं आगे बढ़ने की प्रेरणा रहीं, जिसने भारतीय कॉमिक उद्योग को 1960 दशक के बाद लगभग तीन दशकों तक सफलता और लोकप्रियता हासिल कराई।

कॉमिक जगत

भारत में कॉमिक पुस्तकें पश्चिम की तुलना में कुछ दशकों के बाद आईं। देश में प्रकाशित शुरुआती कामिक्स अमेरिकी कामिक्स थीं। भारतीय कॉमिक्स ने, हालांकि अपना सबसे सफल दौर बाद में देखा जब अमर चित्र कथा हिंदू साहित्य की अपनी सुदंरतम चित्रित श्रंखला के साथ आई और भारतीय इतिहास पारिवारिक नाम बन गया। कला और कथा का मिश्रण 20वीं सदी के लिए भारत का सांस्कृतिक इतिहास सजीव स्तर पर लेकर आया और यह बच्चों शिक्षकों व अभिभावकों सबके बीच लोकप्रिय हो गया।

उस दौर में बच्चों की पत्रिका, क्लासिक चंदामामा, हालांकि पूरी तरह जो कॉमिक पुस्तक नहीं थी, मगर यह अपने चित्रणों के लिए प्रसिद्ध हुई और जिसने दीर्घकालीन मिथकी कहानियां प्रकाशित कीं जो सालों तक चलीं। इन कहानियों में राजा विक्रमादित्य और बेताल की कभी न समाप्त होने वाली कहानी शामिल थी जो प्राचीन सांस्कृतिक कृति बैताल पचीसी का रूपांतरण था, जिसने इस पत्रिका को व्यापक प्रसिद्धि दिलाई। यह कहानी 1985 में टेलीविजन धारावाहिक की शैली में रूपांतरित हुई। यह बदलाव असाधारण रहा। क्योंकि टेलीविजन सेट्स की संख्या अगले दशक में उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गयी, और पढ़ना कम पसंदीदा शौक बन गया। विक्रम बेताल जैसी प्राचीन भारत की कहानियां, तथा रामायण और महाभारत जैसे धारावाहिक लोकप्रिय बने रहें, लेकिन माध्यम बदल गया था। उसी दौरान सदी समाप्त हुई, अनेक कॉमिक पुस्तक प्रकाशनों का व्यापार खत्म हो गया।

दौर का संकेत

हालिया सालों में, कॉमिक पुस्तकों ने पुनरूत्थान देखा है। डिजीटल तकनीक एवं सोशल मीडिया का आगमन अपने काम को अधिक आसानी के साथ रचने व उसे प्रोत्साहित करने में नए डिजाइनरों व कलाकारों की सहायता कर रहा है। आज के कॉमिक कलाकार लग्नशील सिरजक तथा स्मार्ट उद्यमी दोनों हैं। वे अपने द्वारा किए जाने वाले काम के प्रारूप को लेकर गहन लगाव से संचालित हैं, लेकिन यह भी जानते हैं कि पाठकों तक प्रभावशाली पहुंच कैसे बनाई जाए। ग्राफिक नॉवेल अब बच्चों पर ध्यान केंद्रित करने से आगे बढ़कर वयस्कों को लुभाने की कोशिश में है।

अपनी किताब, द इंडिक कोटेंट रीक्लेमिंग हेरिटेज थ्रू कल्चरल इंटरप्राइज के लिए शोध के दौरान मेरा सामना विमानिका कॉमिक्स नामक कॉमिक्स पुस्तक प्रकाशन से हुआ। उसके संस्थापक करन वीर अरोरा ने मुझे बताया कि इस प्रकाशन को शुरू करने की उनकी प्रेरणा की शुरुआत अत्यंत चुनौतीपूर्ण रही। उन्होंने कहा, 'मेरा तीन सूत्रीय एजेंडा था, सबसे पहला, दुनिया भर के युवा को भारतीय संस्कृति, विरासत और आध्यात्मिक मूल्यों के बारे में शिक्षित करना। दूसरा, मैंने ऐसे फार्मेट में कहानियों को साझा करने की आवश्यकता महसूस की, जो युवा लोगों को अपील करती हो। और तीसरा एजेंडा था, मैं इन ग्राफिक उपन्यासों को अंततोगत्वा सजीव कार्रवाई तथा सुपरमैन व बैटमैन जैसे काल्पनिक फिल्मों की तरह रचना चाहता था।'

विमानिका की कहानियां गहन भारतीय पुराणशास्त्र हैं, लेकिन कला अत्यंत उत्कृष्ट है। एनिमेशन कलाकारों, लेखकों और संपादकों की टीम के अलावा, विमानिका में पुरात्वविद, शोधकर्ता और इतिहासकार भी हैं जो विषय को प्रामाणिक बनाए रखने में सहायता करते हैं। अरोरा कहते हैं कि वे ऐसी ऐतिहासिक घटनाएं चुनते हैं जिन्होंने प्रभाव पैदा किया है, खासतौर पर वे घटनाएं जो व्यक्तिगत साहस की मिसाल पेश करती हैं। बकौल अरोरा, 'हमारे कॉमिक्स ड्रामा, इमोशन, एक्शन और आध्यात्मिकता का पूरा पैकेज हैं। उनमें शानदार आर्टवर्क भी है।' विमानिका भारत में कॉमिक पुस्तकों की नई लहर का हिस्सा है। न केवल अभिव्यक्ति समय के साथ ज्यादा मेल खाती है, बल्कि कॉमिक पुस्तक प्रकाशन अपनी किताबों को बेचने तथा प्रोत्साहन के अत्याधुनिक तरीकों का उपयोग कर रहे हैं।

कॉमिक सम्मेलन और नया मीडिया

कॉमिक कॉन जैसे सम्मेलन खासतौर पर कॉमिक किताबों और उनके चरित्रों के इर्दगिर्द कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं और भारतीय शहरों में हजारों दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। ये सम्मेलन न केवल किताबें, बल्कि लोकप्रिय कॉमिक पुस्तक विषयों से जुड़ी सामग्री को भी बेचते हैं। कॉमिक कॉन युवा पेशेवरों, कॉलेज के बच्चों और माता-पिता को आकर्षित करता है। चूंकि इस उपभोक्ता वर्ग की ज्यादा प्रयोज्य आय होती है इससे भारी प्रचार व बिक्री प्राप्त होती है। इस रूझान से प्रेरित होकर, अरोरा ने भी अपने कॉमिक्स पर आधारित नए राजस्व स्रोत निर्मित करने का प्रयास किया है। अरोरा कहते हैं, 'हमने अपने नायकों को किताबों से परे ले जाने का फैसला किया।' वह जोड़ते हैं, 'हमने विपणनकार्य, संग्रहणीय वस्तुओं व खिलौनों के उद्यम में प्रवेश किया।' हालांकि भारतीय कॉमिक्स दृश्यता व बिक्री बढ़ाने के लिए नए माध्यमों में कामचलाऊ पहल करते हैं, मगर नवोन्मेषी डिजीटल मंच पश्चिम में नया चलन निर्धारित कर रहे हैं। कॉमिक एप्स तथा प्रतिबद्ध मोबाइल आधारित मंचों से, कॉमिक पुस्तकों का उस पीढ़ी तक पहुंचना अधिक आसान लग रहा है, जो प्रत्यक्ष पुस्तक प्रतियों के मुकाबले स्मार्ट फोन के साथ ज्यादा सहज है। मार्वल कॉमिक्स, अमेरिका की सबसे बड़ी कॉमिक बुक कंपनियों में से एक, एक अग्रगामी पहल करने वाली कंपनी थी, जिसने अन्य कंपनियों की तुलना में कई साल पहले अपने डिजीटल एप की शुरुआत की थी। हालांकि मार्वल और डीडी कॉमिक्स, जो मार्वल की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी कंपनी है, के अपने खुद के एप्स हैं, मगर कुछ अन्य कंपनियां है जो कॉमिक पुस्तकों के लिए ई-रीडर्स जैसा काम करती हैं और विभिन्न प्रकाशकों की अनेकों कामिक्स पुस्तकों को पढ़ने का प्रस्ताव देती है। वे पाठकों को विशेष डाउनलोड कीमत पर कॉमिक पुस्तकों की सूची प्रदान करती है या अपनी लाइब्रेरी तक असीमित पहुंच के साथ सदस्यता प्रारूप पर काम करती हैं। बढ़ते डाउनलोड और बढ़ते राजस्व से, डिजीटल एप आधारित ग्राफिक उपन्यास कॉमिक पुस्तक प्रकाशन में गेमचेंजर बन गया है। भारत में भी, कॉमिक्स ने डिजीटल परिवेश को अपना लिया है। न केवल हम अमर चित्र कथा और टिंकल कॉमिक्स जैसे बड़े नामों को एप्स के रूप में उपलब्ध पाते हैं बल्कि विभिन्न अन्य कंपनियों ने पाठकों तक पहुंच बनाने के लिए इस माध्यम का सहारा लिया है। इनमें तेजी से प्रगति कर रही कॉमिक कंपनी ग्राफिक इंडिया की भारतीय किंवदंतियों की कहानियों समेत इंडियन वॉर कामिक्स जैसी युद्ध नायकों पर आधारित ग्राफिक उपन्यास दोनों शामिल हैं।

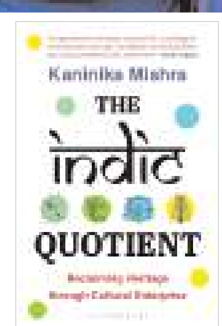

जबकि भारतीय कॉमिक्स दृश्यता और बिक्री को बढ़ावा देने के लिए नए चैनलों में अस्थायी कदम उठाते हैं, अभिनव डिजिटल प्लेटफॉर्म पश्चिम में एक नया चलन स्थापित कर रहे हैं। कॉमिक एप और समर्पित मोबाइल आधारित प्लेटफॉर्म के साथ, कॉमिक पुस्तकों का ऐसी पीढ़ी तक पहुंचना आसान हो रहा है, जो स्मार्ट फोन के साथ किताबों की प्रतियों की तुलना में अधिक आरामदायक हैं।

ग्राफिक इंडिया अपनी वेबसाइट पर कहती है, 'ठीक उसी प्रकार जैसे अमेरिका ने सुपरहीरो पैदा किए और जापान ने एनिमा को पैदा किया, ग्राफिक दुनिया भर में तथा भारत में युवाओं की कल्पनाशीलता को आकर्षित करने के लिए पौराणिक नायकों व स्थायी चरित्रों की नई लहर की शुरुआत करने के लिए भारत की रचनात्मकता में कदम रख रही है।' कंपनी कहती है कि यह डिजीटल कॉमिक्स उपयोग तथा एनिमेशन का इस्तेमाल कर रही है ताकि नब्बे करोड़ के मोबाइल बाजार तथा 25 साल की आयु से कम के 55 करोड़ भारतीय युवाओं को ध्यान में रखकर नई कहानियां विकसित कर सके, जिसमें कि अपनी कहानियों को सीधे अपने स्मार्टफोन पर ले सकें।

ग्राफिक इंडिया, असलियत में, नए मीडिया में अत्यंत एकाग्र है। यह उन्नत विजुअल इफेक्ट्स तथा इंटरेक्टिव तत्वों के इस्तेमाल द्वारा, जोकि डिजीटल माध्यम पर खरे उतरते हैं, कॉमिक पुस्तक कथावाचन में नई रचनात्मक क्रांति जगा रही है। इसने हलचल पैदा कर दी जब इसने अपने किस्म की पहली संक्षिप्त कॉमिक पुस्तकों '18 डेजः द महाभारत' तथा अपनी स्त्री महानायिका श्रंखला 'देवी' के लिए 2 करोड़ दर्शक हासिल किए, जिसे कंपनी ने सीमित समयावधि के लिए वीडियो-कंटेंट प्लेटफार्म टिकटॉक पर लांच किया था। ग्राफिक इंडिया अब अंग्रेजी और हिंदी के अलावा नई भाषाओं को शामिल करने के लिए अपने कदम कॉमिक्स और ऑडियो कॉमिक्स की ओर बढ़ा रही है, तथा गूगल प्लेस्टोर की त्वरित पड़ताल बताती है कि अनेक कम प्रसिद्ध भारतीय कॉमिक एप्स भी हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध हैं। जिस तरह कॉमिक बुक प्लेयर्स निरंतर नए रचनात्मक जरियों की ओर बढ़ रहे हैं ताकि बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक गति में प्रतिस्पर्धा कर सकें, सर्वोत्तम सामने आना अभी शेष है। बीते दो दशकों ने भारतीय कॉमिक्स के प्रारूपों तथा विधाओं में विस्तार देखा है। हालांकि कथावाचन ज्यादा आकर्षक और प्रारूप ज्यादा विविधतापूर्ण हो रहा है, भारतीय कथानक भारी मात्रा में कॉमिक्स बेचने की स्थिति निर्मित करते हैं। ऐसा लगता है मानो भारतीय कहानियां परंपरा में पगी हैं और सांस्कृतिक लोकाचार यहां टिकने वाला है।

- लेखिका रचनाकार है। हाल ही में द इंडिक कोटेंट, रीक्लेमिंग हेरिटेज थ्रू कल्चरल इंटरप्राइज नामक उनकी पुस्तक ब्लूम्सबरी इंडिया से प्रकाशित हुई है।

सखा है ईश्वर, लेकिन...

ईश्वर हमारा मित्र है। भगवान कृष्ण भागवतगीता के श्लोक 5.24 में इस बात को कहते हैं। हालांकि, हमें वही गलती नहीं करनी चाहिए जो अर्जुन ने की थी, जिसके लिए उसे ईश्वर से क्षमा मांगनी पड़ी थी। (11.42) अपने मित्रों के साथ हम कैसा आचरण करें? हम किसे अपने मित्र के रूप में चुनते हैं? इस मामले में मेरी समझदारी है कि लोगों को तीन श्रेणियों में बांट लें। वे, जो हमसे श्रेष्ठ हैं, उन्हें सम्मान दिया जाना चाहिए। वे जो हमारे समान हैं, उन्हें मित्रों के रूप में सम्मान मिलना चाहिए और वे लोग जो हमसे निम्न हैं उन्हें करूणा के साथ देखा जाना चाहिए। इस पैमाने के आधार पर, ईश्वर को मित्र के रूप में नहीं चुना जा सकता, क्योंकि वह सर्वव्यापी, सर्वज्ञानी और सर्वशक्तिशाली है, जबकि हम उसका अंश हैं। (15.3) इसी प्रकार, अपने मित्रों के साथ हमारा व्यवहार काफी हद तक वैसा ही अपेक्षा रखेगा, जो हम ईश्वर के प्रति रवैया अपनाते हैं। अर्जुन को ईश्वर के साथ मजाक करने के लिए माफी मांगनी पड़ी थी, जैसे ही उसे महसूस हुआ, कि ईश्वर असलियत में कौन थे।

अजित कुमार बिश्नोई का कहना है कि भागवत गीता यह सीखने का उत्कृष्ट मार्गदर्शक है कि व्यक्ति को ईश्वर के साथ किस प्रकार का संबंध रखना चाहिए।

असलियत में, भागवतगीता यह सीखने का उत्कृष्ट मार्गदर्शक है कि व्यक्ति को ईश्वर के साथ किस प्रकार का संबंध रखना चाहिए। सबसे पहली शर्त है ईश्वर के आदेशों का पालन करना। व्यक्तिगत रूप में, मैं अपने स्वभाव को याचक के रूप में पाता हूं। क्योंकि मैं ईश्वर का अत्यधिक प्रिय बनना चाहता हूं। (12.20) मैं अनेक प्रकार से ईश्वर से जुड़े रहने का प्रयास कर रहा हूं। (14.26) मैं दिन भर राम का जाप करने की कोशिश करता हूं। जब मैं जाप नहीं कर रहा हूं तो मैं उसे याद करने की कोशिश करता हूं, जो अक्सर होता रहता है क्योंकि मेरा जीवन ईश्वर के इर्दगिर्द केंद्रित है। मैं नहीं जानता हूं कि यदि मैं श्लोक 9.22 में वर्णन के अनुसार योग का नियमित अभ्यासकर्ता बन गया हूं कि नहीं, मगर मैं वो लक्ष्य हासिल करने की कोशिश कर रहा हूं। मेरी पत्नी और मैं तीन से ज्यादा दशकों से ईश्वर की उसके लड्डू गोपाल रूप में पूजा करते आया हूं। (9.29) हमारे घर में एक नियमित पूजा घर है। हम ईश्वर की वैसी पूजा नहीं करते हैं, जोकि नियमित रूप से मंदिर में की जाती है, जोकि अत्यंत विस्तृत होती है, लेकिन हम ईश्वर का सम्मान करते हैं और उसकी उपस्थिति को महसूस करते हैं। श्लोक 18.62 में भगवान कृष्ण के आदेश के अनुसार ईश्वर की शरण लेने के मामले में, मैं श्लोक 18.65 में वर्णित ईश्वर के आदेशों का पालन करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें कि वह कहता है कि हम ईश्वर का भाव विकसित करना चाहिए, उसका भक्त बनना चाहिए, उसके लिए त्याग करना चाहिए और उसका आज्ञापालन करना चाहिए। मैं अपनी स्वाभाविक अनुमतियों के अनुसार ईश्वर (8.22) के प्रति समर्पित होने का प्रयास करता हूं। अपने स्वभाव से लड़ना मेरे लिए एक बड़ा युद्ध है, क्योंकि अपना स्वभाव बदलना आसान नहीं हुआ है। मैं मानता हूं कि यह एक आम समस्या है। एक लोकप्रिय कहावत है, जो कुछ इस प्रकार है: 'स्वभाव और हस्ताक्षर नहीं बदलते हैं।' वे बदलते हैं जब हम कृतसंकल्प होते हैं।

भगवान कृष्ण ने चार किस्म के गुणवान लोगों की बात की है, जो ईश्वर की पूजा करते हैं। (7.16) ये हैं: एक परेशान व्यक्ति, जिज्ञासु व्यक्ति, सत्यान्वेषी व बुद्धिमान व्यक्ति। मैं खुद को सभी चार श्रेणियों में पाता हूं। इस 'दुखालय' (दुखों की जगह) (8.15), अनेक ऐसे अवसर होते हैं जब मैं परेशान महसूस करता हूं। पक्के तौर पर मैं मार्गदर्शन व सहायता के लिए ईश्वर की ओर देखता हूं। उससे बेहतर और कौन सहायता कर सकता है। संयोगवश, मैं कभी निराश नहीं हुआ हूं। मेरा ईश्वर प्रतिउत्तर देता है, वह सहायता करता है, मेरी अनेक भौतिक आवश्यकताएं हैं, ईश्वर के सिवा और कौन मेरी मदद कर सकता है। लेखक होने के कारण, मुझे काफी आध्यात्मिक सत्यों को जानने की जरूरत होती है, जिसके लिए मैं निश्चित रूप से ईश्वर की ओर देखता हूं, वह मुझे अहसास कराता है और दो से अधिक दशकों के बाद, मैं खुद को थोड़ा बहुत समझदार मान सकता हूं, जिसका ईश्वर उपकरण के रूप में इस्तेमाल करता है मुझे लिखने में सक्षम बनाकर।

अंत में, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि ईश्वर सचमुच एक सखा है, लेकिन पारंपरिक अर्थ में नहीं, वह एक शुभचिंतक की तरह है। वह अर्जुन को स्पष्ट होता है, जब भगवान कृष्ण ने श्लोक 18.64 से 18.72 में उसे उपदेश दिया। इसी प्रकार, मुझे कोई भ्रम नहीं है कि मैं ईश्वर को एक मित्र समझ सकता हूं। ईश्वर का अंश होकर, मैं उतना ही बना रहकर कहीं ज्यादा खुश हूं।